

सं० 6ो

नई बिल्ली, शनिवार, फरवरी 7, 1981 (माघ 18, 1902)

No. 6]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 7, 1981 (MAGHA 18, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकें (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—**डव्ह** I [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक मेवा भ्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 दिसम्बर 1980

सं० ए० 19014/4/79-प्रणा० J — संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में केन्द्रीय मिनवालय सेवा के स्थायी श्रमुभाग श्रिष्ठकारी तथा केन्द्रीय मिनवालय सेवा के ग्रेड I में ग्रवर सिव के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्यरत श्री जै० पी० गोयल को, राष्ट्रपति द्वारा 30 नवम्बर, 1980 के ग्रपराह्न से निवर्तन श्रायु प्राप्त करने के पश्चात सरकारी मेवा में निवर्त होने की सहर्ष ग्रनमित प्रदान की जाती है।

दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं० पी०/1022-प्रणा०—स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से का ग्रेड ग) तथा स्टेनोग्राफर ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्यरम श्री एस० पी०, मेहरा को, जिन्हें वरिष्ठ वैयक्तिक महायक (के० म० स्टे० से का ग्रेड ख) के पद पर संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तदर्थ स्राधार पर नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति हारा 31-12-1980 (स्रपराह्म) से निवर्तन स्रायु प्राप्त हो जाने के बाद सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष स्रनुमित प्रदान की जाती है।

किन्तु श्री एस० पी० मेहरा को निवर्तन श्रायु प्राप्त होने के बाद 1-1-81 से दस मास की श्रविध के लिए संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में गृह मंत्रालय, कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग की सहमति से ग्रेड ग स्टेनोग्राफर के ध्यन ग्रेड में पुर्नानयुक्त किया गया है (देखिए उनका पस्न सं० 17/6/80 सी० एस० II दिनांक 17-12-1980।

दिनोक 5 जनवरी 1981

सं० ए० 32013/3/80-प्रशा० 1—संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय के निम्निलिखित अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा स्थानापन्न ग्रवर सचिव के पद पर केन्द्रीय मिषालय सेवा के ग्रेंड में तदर्थ प्राधार पर प्रत्येक के सामने लिखी ग्रवधि के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है :--

%० ग्रधिकारी का नाम सं०	श्रवधि	
1. श्री एम० एम० छाबडा	. 26-9-80 से 1-10-80 नक भ्रौर 3-10-80 से 28-11-80 तक	
2. श्रीएम०पी० जैंन	28-10-80 से 27-12- 80 तक	
	एस० बालचन्द्रन	

एस० बालचन्द्रन उप सचिव संघे स्रोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता स्नायोग

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1981

सं० डर 9 भार० सी० टी० 23- केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतव् द्वारा श्री एस० श्रार० धार्य, श्राई० ए० एस० (यू०टी 1966) को केन्द्रीय सतर्कता धायोग में दिनांक 1 जनवरी 1981 पूर्वाह्म से धगले भादेश तक स्थानापन्न रूप से विभागीय जांच श्रायुक्त नियुक्त करते हैं।

> कृष्णलाल मल्होता श्रवर सचिव ते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

गृह मंत्रालय का० एवं प्र० मु० विभाग केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1981

सं० ए० 6-/74 प्रणा० 5--प्रत्यावर्गन हो जाने पर, दिनांक 11-6-1980 से दिनांक 8-9-1980 तक खुट्टी एवं कार्यभार ग्रहण काल की समाप्ति के बाद श्री ए० पी० मुखर्जी, भारतीय पुलिम सेवा (1956-पश्चिम बंगाल) की सेबाएं दिनोक 19-9-1980 से पश्चिम बंगाल सरकार को सौंप दी गई।

की० ला० ग्रोवर [प्रशासनिक ग्रिधकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वैषण ब्यूरो ।

ृंसहानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 जनवरी 1981 सं० ग्रो० दो० 1525/80 स्थापना---राष्ट्रपति ले० कर्नल० एस० के० साहनी (ग्रवकाण प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिक बल में कमाण्डेन्ट के पद पर श्रागामी ग्रादेश जारी होने तक पुर्नियुक्त करते हैं। 2. ते० कर्नल एस० क० साह्नी से केन्द्रीय रिजर्ब पूर्णिस बल मे 2 सिगनल बटालियन हैद्राबाद में दिनाक 29-12-80 के पूर्वाह्न से कमाण्डेन्ट के पद का कार्यभार संभाला।

दिनांक 17 जनवरी 1980

सं० श्रो० दो० 1455/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर श्रनिल कौशल को 2-1-1981 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्था**पना**)

महानिदेशक का कार्यालय केन्<mark>तिक भौधोरिक</mark> सुरक्षा क्ल

नई किल्ली-19 , दिनांक दिसम्बर 1980

सं० ई० 38013/3/12/80-कार्मिक—रांची से स्थानातरण होने पर श्री एस० एन० पी० सिल्ला ने 12 नवम्बर 1980 के पूर्वाह्म से के० श्रो० सु० ब० यूनिट, एफ० पी० पी० फरक्का के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया। महानिदेणक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-1100011, विनांक 14 जनवरी 1981

मं० 11/42/79-प्रणा०-1---उत्तर प्रदेण सरकार के प्रधिकारी श्री हरि ग्रोम कुमार लबातिया की उत्तर प्रदेश सरकार को सेवाएं सुपुर्द किए जाने के परिणामस्वरूप उन्होंने तारीख 9 दिसम्बर, 1980 के श्रपराह्न से उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यभार छोडा।

मं० 11/116/70-प्रणा०-1—-राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश मरकार के अधिकारी श्री जे० मी० सेठ को उत्तर प्रदेश लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 13 दिसम्बर 1980 के पूर्वाह्म में, एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री मेठ का मुख्यालय कानपुर में होगा।

सं० 11/9/80-प्रणा०-1—-राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल मेवा के प्रधिकारी श्री लोकनाथ चटर्जी को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेणालय में तारीख 1 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्षे नियुक्त करते हैं।

2. श्री चटर्जी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

स० 11/11/80-प्रणा०-1—-राष्ट्रपति, पश्चिम बगाल सिविल मेवा के ग्रधिकारी श्री के० बिस्वास को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता मे जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 19 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्म मे, श्रगले श्रादेशो तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 श्री बिस्वास का मुख्यालय बेन्हामपुर में होगा। दिनांक 15 जनवरी 1980

स० 11/34/79-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्यालय प्रधीक्षको को उनके समक्ष दिशित जनगणना कार्य निदेणालायों में भहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि को विद्यमान शर्तों पर तारीख 28 फरवरी, 1981 तक या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, सहर्थ बढ़ाते हैं।

त्र० प्रधिकारी का नाम सं०	जनगणना निदेशालय का नाम	पिछले संदर्भ की संख्या श्रौर तारीख
1 2	3	3
 श्री एस० बी० वीरभद्र राव . श्री एम० ग्रार० दाहरी 	प्रदेण	म० प० की म्राधि- सूचना स० 11/50/ 79-प्रशा०-1 तारीख 26-9-1979 म०प०की म्राधिसूचना स० 11/55/79 -
3. श्री ए०एस० श्रसगर	जम्मू श्रौर क ण्मी र	प्रशा०-1 तारीख 11-10-1979 म०पं०की श्रिधिसूचना स० 11/58/79- प्रशा०-1 तारीख
4. श्रीपी०डी० प्रधान	मणिपुर	19-9-1979 म०पं०की श्रिधिसूचना सं० 11/51/79 प्राणा०-1 तारीख 19-11-1979
5. श्री भ्रारं सो० चन्दनान	ी गजस्था न	म० प० की० श्राधि- सूचना मं० 11/34/ 79 प्रणा०-1 तारीख 11-9-1979

2. सर्वश्री राव, दाहरी, ग्रसगर, प्रधान ग्रौर चन्दनानी का मुख्यालय ऋमणः णिलांग, भोपाल, श्रीनंगर, इम्फाल ग्रौर जयपुर में होगा।

> पी० पद्**मनाभ** भारत के महापंजीकार



मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-, विनांक 24 जनवरी 1981

सं० 18/4/77-प्रशा० II—मुद्रण निदेशक ने निम्नलिखित प्रधिकारियों को सहायक प्रबंधक (तकनीकी) के ग्रेड में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थाई रूप में नियुक्त किया है:—

ऋ० सं०	ग्रधिकारी का नाम			स्थाई रूप मे नियुक्ति की तारीख
सर्वश्र	î			
1.	पी० के० धर			16-1-1968
2.	वी० ग्रार० सम्पत			4-11-1968
3.	जे० एस० विदी			1-3-1969
4.	एस० जय रमन			25-9-1969
5.	वी० शिवरामकृष्णन	•		8-1-1971
6.	बी ० नरसिम्हन			8-1-1971
7.	टी० एस० वेंकदरमन	•		24-2-1971
8.	टी० के० नारायणन			7-7-1971
9.	के० गोपाल कृष्णन			7-7-1971
10.	टी० रामदौम .	•	•	14-7-1971
11.	ए०के०सेन .			4-8-1971
12.	वाई० विश्वनाथन			15-12-1971
13.	भ्रार० कुन्जी थापाथम	•	•	23-1-1972
1 4.	ए० राधाकुष्णन			18-6-1972
15.	के० एल० गुप्ता			18-6-1972
16.	डी०के०बोस .		•	10-8-1972
17.	पी०के० राय .	•		17-8-1972
18.	एच० ए० यादव			1-5-1975
19.	ई० स्रार० गाडकर			1-5-1975
20.	वी० जे० किशोर		•	1-5-1975
21.	रतन लाल चौबे			1-5-1975
22	के० बी० प्रभाकरण	•		10-10-1975
23.	मी ० ए० मै श्यू			9-4-1976
24.	डी० वी० स प् सेना			17-3-1977
25.	एस० के० वर्ध		-	17-3-1977
26.	ी० के० सुक्रहामनियन			20-7-1977
			मदन	मोहन जोशी
			रंग नि	छेशक (प्रशा०)

भारतीय लेखा मथा लेखापरीक्षा विधाग कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा नाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1981

सं० प्रशासन 1/204—इस सगंठन के निम्नलिखित लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को उनके नाम के ग्रागे दर्शाई गई तिथि से मूल्य रूप से स्थायी पव पर नियुक्त किया जाता है:--

क० सं०	नाम	पुष्टि की तिथि
	ो० एन० मुखर्जी रकार सिंह	1-3-1980 1-10-1980
		महेन्द्र सिंह सरना

कार्यालय महालेखाकर पं० बंगाल, कलकत्ता-700001 दिनांक 9 जनवरी 1981

निदेशक लेखा परीक्षा

सं श्र प्राप्त 1/1038—XVII/273 दिनाँक 23-12-80— महालेखाकार प्रथम पं बंगाल, स्थायी अनुभाग प्रधिकारी श्री निर्मल कुमार मुखर्जी-1 को तवर्ष तथा अन्त-कालीन तौर पर और पूर्णतया अस्थायी रूप से स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 24-12-80 (पूर्वाह्न) या इसके बाद जिस दिन से वे लेखा अधिकारी के हैसियत से कार्यालय महालेखाकार II मे सचमुच अपना कार्यभार सम्हालते हैं, अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

महालेखाकार प्रथम, प० वंगास, नै भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण कार्यालय, शिवपुर, हावड़ा म प्रतिनियुक्त स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री देवदत्त बोस को लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ तथा अन्त-कालीन तौर पर रू० 840-1200/- के वेतनक्रम पर अस्थायी और स्थानापन्न रूप से जिस दिन से उनके ठीक कनिष्ठयानी श्री निर्मल कुमार मुखर्जी प्रथम, कार्यालय महालेखाकार-II में लेखा अधिकारी के रूप से अपना कार्यभार सम्हालते हैं, उस दिन से अगलें आदेश तक प्रोफार्मा उन्नति मंजूर किया है। 'ठीक नीचे का नन' के अनुसार प्रोफार्मा उन्नति मंजूर करने के पूर्ववर्ती सारी मर्ते इस मामले में पूरी हो चुकी है और महालेखाकार-I ने यह भी घोषणा की है कि प्रतिनियुक्ति पर श्री बोसई द्वारा अधिकृत पद मूल नियम 30(1) द्वीवीतीय परन्तुक के अनुसार सेवा के समान्य कम के बाहर रहेगा।

यह स्पष्ट समझ लेनी चाहिए कि उपरोक्त प्रोन्नितयां कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकदमें में जब तक विनिर्णय नहीं हो, तब तक पूर्णतया अस्थायी रूप से हैं और भारतीय गणराज्य तथा बूसरों के विरुद्ध दायर किये गये 1979 के सी. आर. कस नं. 14818 (एन) के अंतिम फरैसले अधीन हैं।

मं० प्रणा० 1/1038-XVII/285दि 0 1-1-1981---महा-लखाकार-I प० बंगाल स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री रमेन्द्र कुमार सेन गर्माको तदर्थ तथा श्रन्त-कालीन स्तर पर श्रीर पूर्णतया अस्थाई रूप में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 1-1-1981 के पूर्वाह्म या जिस दिन से वे सचमुच लेखा ग्रधिकारी के हैं सियत से प्रपता कार्यभार सम्हालते हैं (जो भी बाद में हो) अगले ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं। यह स्पष्ट समझ लेनी चाहिये कि यह प्रोक्सित कलकत्ता उच्च न्यायलाय के एक मुकदमें में जब तक विनिर्णाय नहीं हो तब तक पूर्णतया ग्रस्थायी रूप से हैं ग्रीर भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के विरुद्ध दायर किये गये 1979 के सी० ग्रार० केस नं० 14818 (एन०) के ग्रांतिम फैंमले के ग्रधीन हैं।

सुधा राजागोपालन वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रगा)

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, विनांक 14 जनवरी 1981

मं० स्थापना/हकदारी/6-103—कार्यालय, महालेखाकार, केरल के लेखा ग्रधिकारी श्री के गोपालकृष्णन नायर ग्रधि-विषता के कारण 31 दिसम्बर 1980 ग्रपराह्न को सेवानिवृत्त हो गर्य।

> एस० सेतुरामन महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग कायलिय, रक्षा लेखा महानियत्नक नई विल्ली-110022,दिनाक 14 जनवरी 1981

स० प्रशा०/1/1791/5/जिल्द 1—वित्तीय विनियमावली के नियम 56 (के०) के प्रावधानों के प्रधीन, श्री एस० शंकरन, स्नाई० डी० ए० एस०, रक्षा लेखा महायक महानियंत्रक द्वारा दिये गये 3 माह के नोटिस की श्रवधि समाप्त हो जाने के परिणामस्वरूप श्रीर सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति की श्रनुमति प्रदान किए जाने पर उन्हें पेशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया गया है तथा दिनांक 29 नवम्बर 1980 के श्रपराह्म से विभाग के मख्या बल से हटा दिया गया है।

मं० प्रशा०/1/1845/5/जिल्द-[--वित्तीय विनियमावली के नियम 56 (के) के प्रावधानों के प्रधीन श्री एस० कनकस-बेसा श्रय्यर, श्राई० डी० ए० एस०, रक्षा लेखा महायक नियंत्रक द्वारा दिये गये 3 माह के नोटिस की श्रवधि समाप्त हो जाने के परिणामस्वरूप श्रीर सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वेष्णा से सेवा-निवृत्ति की श्रनुमित प्रदान किए जाने पर, उन्हें पेशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिया गया है तथा दिनाक 1 नवम्बर 1980 के पूर्वात्र से विमाग के सख्यावन से हटा दिया गया है।

> मी० बी० नागेन्द्र रक्षा तेखा सगर गहानिपंत्रक (प्रणासन)

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रण, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1981

श्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

सं० 6/1120/76-प्रशासन (राज) 403-—सेवा निवृत्ति की ग्रायु होने पर इस कार्यालय में नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में कार्य कर रहे श्री ए० मी० गुप्ता, केन्द्रीय सिषवालय सेवा के वर्ग 4 के ग्रिधकारी को 31 दिसम्बर 1980 के श्रपराह्व से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति दी गई है।

जे० पी० शर्मा उप-मुख्य नियन्नक आयात-निर्यात इते मुख्य नियंत्नक, श्रायात-निर्यात ।

(बस्त्र विभाग)

हथकरथा विकास भ्रायुक्त कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1980

सं० ए० 12025 (1)/5/80-प्रणा० II (क)—-राष्ट्रपति
श्री हरिहर पांडे को बुनकर सेवा केन्द्र, वाराणसी में 21
जुलाई 1980 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशो तक के लिए
सहायक निदेशक ग्रेड I (बुनाई) के पद पर नियक्त करते
हैं।

सं० ए०-12025 (1)/5/80-प्रणा० JI (क)—-राष्ट्रपति श्रो मुरुगेसा मुडाली कानाग्राथिनमपैलानिस्वामी को बुनकर मेवा केन्द्र, भागलपुर में 5 श्रगस्त 1980 के पूर्वाह्न से आगामी श्रादेशों तक के लिए महायक निदेशक ग्रेड I (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> पी० शंकर संयुक्त विकास भ्रायुक्त ^ह(हथकरका)

उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 जनवरी 1981

मं० ए.०-19018/188/75-प्रणासन (राजपितत)— राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलीर के सहायक निदेशक, ग्रेड-I (रसायन) श्री श्रार० एन० सर्मा को दिनांक 1 जनवरी, 1981 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलीर में उपनिदेशक (रसायन) के एव पर नियुक्त करते हैं। सं० ए-19018/511/80-प्रणा० (राज)—विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन प्रधिकारी (प्राधिक प्रन्वेषण/सा क श्री यू० एस० पिपल को दिनांक 29 नवम्बर, 1980 (पूर्वाह्म) से ग्रगले श्रादेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (श्राधिक श्रन्वेषण/ डाटा बैक) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनाक 16 जनवरी 1981

सं० ए० 19018 (138)/74-प्रणासन (राज०)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (श्राधिक ग्रन्वेषण) श्री पी० बी० वर्धन को दिनांक 10 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, रांची मे तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक ग्रेड-I (श्राधिक श्रन्वेषण/उत्पादन सुचकांक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्र पाल गुप्त उप निदेशक प्रशा०

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन ग्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनाक 9 दिसम्बर 1980

मं० ए०-17011/50/72-प्र०-6—राष्ट्रपति निरीक्षण निरीक्षण निरीक्षण निरीक्षण ग्रिधिकारी (इन्जी) श्री पी० के० मिश्र को दिनांक 15-12-1980 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक मन्नास के कार्यालय में तदर्ध ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी) (भारत निरीक्षण सेवा ग्रेड-II) (ग्रुप-ए) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री पी० के० मिश्र ने दिनाक 10-12-1980 (ग्रपराह्म) को बड़ौदा में निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी) का पद्भार छोड़ दिया श्रीर दिनांक 15-12-1980 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक मद्रास के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी) का पद्भार सम्भाल लिया।

एम० जी० मेनन उप निदेशक (प्रशासन) इसे महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रणासन श्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1981

मं० प्रा०/42 (34)—-राष्ट्रपति ग्याई निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I) थौर स्थानापछ उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के श्रधि समय मान पद) श्री एम० श्रीनिवासन को दिनांक 1-5-1979 मे पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली मे उप महानिदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा का

श्रक्षि समय मान पद) के स्थायी पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

> पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात भ्रोर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700 016, विनांक 12 जनवरी 1981

सं० 17713/ए-19012 (3 ए० के० बी०) 64-79/19 बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ डा० ए० के० भद्र को दिनांक 7-10-80 (प्रपराह्म) से त्यागपत्र पर मुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 16 जनवरी 1981

सं० ए०19012/132/80-स्था० ए०---विभागीय पदोन्नति मिनित की सिफारिश पर श्री पि० डी० गंगने स्थानापन्न महायक श्रनुसंधान अधिकारी (श्रयस्क प्रमाधन) तदर्थ श्राधार पर को दिनांक 18-12-80 के अपराह्न से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरा में नियमित श्राधार पर स्थाना-पन्न रूप में सहायक श्रनुसंधान श्रिधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर पदोन्नति प्रदान की जाती है।

सं०—ए०-19012/137/80-स्था० - ए० — विभागीय-पदो मित समिति की सिफारिण पर श्री एन० डी० मणराम, स्थानापन्न वरिष्ट तकनीकी सहायक (सां०) को दिनांक 16-12-80 के श्रपराह्म से श्रागामी श्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप से खनिज श्रिषकारी (सा०) के पद पर पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एस० वी० श्रली कार्यालय श्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

श्राकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1981

सं० 9/18/78-एस०-2-महानिदेशालय ब्राकाशवाणी, समाचार सेवा प्रभाग में काम करने वाले वरिष्ट थेड ब्राणुलिपिक, श्री डी० पी० कश्यप को, समाचार सेवा प्रभाग ब्राकाशवाणी, नई विल्ली से 1-12-1980 से श्रगले श्रादेश तक, रिपोटर (मानिटरिंग) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करने है।

एस० वी० सेषाद्री उप निदेशक (प्रणासन) **फ़्ते** महा निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1981

सं० 4 (75)/80-एस०-І---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी एस० उथा को आकाशवाणी बंगलौर में 29-12-80 से श्रगले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (83)/80-एस०-ा—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्हारा श्री जी० डी० थोरट, प्रस्तुतकर्ता, आकाशवाणी, नागपुर, को आकाशवाणी नागपुर में 11-12-1980 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

हरीण चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक इस्ते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्द्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 7 जनवरी 1981

सं० ए 12026/9/80-सी०ब्बन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने श्री एव० जी० भांडारकर, स्थायी श्रधीक्षक को फिल्म प्रभाग बम्बई में स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय श्रधिकारी के पद पर तदर्थ पर दिनांक 24-12-1980 के पुर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक नियुक्त किया है।

एस० एन० सिह सहायक प्रशासकीय श्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय नई विल्ली, विनांक 14 जनवरी 1981

स० 32014/1/80-स्टोर-I--स्वाम्थ्य सेवा महानिदेणक ने श्री श्रवण दास को 5 नवम्बर, 1980 पूर्वाहन से भ्रागामी भ्रादेणों तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, करनाल में सहायक डिपो मैनेजर के पद पर तदर्थ भ्राधार पर निमुक्त किया है।

शिव दयाल उप निदेशक, प्रशासन (स्टोर)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1981

स० ए० 31013/3/78-सी० एल० टी० म्रार० म्राई०/ प्रमासन-I—राष्ट्रपति ने डा० एस० बालाकृष्णन को केन्द्रीय कुष्ट शिक्षण एवं म्रनुसंधान संस्थान, चिंगलपेट में 11 जुलाई, 1978 से सहायक निदेणक (जीवरासायन) के पद पर स्थायी म्राधार पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल कुठियाला उप निदेशक, प्रशासन

परमाण उर्जा नियाग

ऋय और भड़ार निर्देणालय

बम्बई 800001, दिनाक 9 जनवरी 1981

सं० डी० पी० एस०/ 21/1 (2)/78 उपक्रम 558— इस निदशालय की श्रिधमूचना संख्या दिनांक 18-9-1980 के उपरांत निर्धेशक, ऋय एवं भडार परमाणु उर्जा विभाग, ऋय श्रीर निर्देशालय के स्थायी ऋय महायक श्री टी० व्ही रामांस्वामी को सहायक ऋय श्रिधकारी पद पर ५० 650-30-740-35-810 ई० बी० 35-880-40-1000 ई० बी० 40-1200 के वेतन ऋम में दिनांक 1 श्रक्तूबर 1980 (सुबह) से दिसम्बर 8-1980 (सुबह) तक तदर्थ रूप में तथा दिसम्बर 7, 1980 (सुबह) से श्रियम श्रादेश तक नियमित रूप में इसी निदेशालय में नियक्त करते हैं।

> श्चार० पी० डिसोझा सहायक कार्मिक श्रीधकारी

(परमाण खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, विनांक 15 जनवरी 1981

मं० प ख प्र-1/26/80-भर्ती--परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री प्रान नाथ आंगरू को परमाणु खनिज प्रभाग में 12 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्म से लेकर प्रगले श्रादेण होने तक श्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/प्रभियन्ता ग्रेड एस० ी० नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ¦ग्रधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बर्ट-400 008, दिनाक 13 जनवरी 1981

मं० 05000/म्रारं० 1/म्रो० पी०/226—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य-मधिकारी श्री पन्द्राधोल पद्मनाभन निस्त्रायार, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न महायक लेखापाल को. उसी कार्यालय में श्रीमती एम० एम० कर्णिक, सहायक लेखा दूँ श्रिधिकारी, जो बार्क की विस्तार योजना प्रेफे तारापुर में लेखा श्रिधिकारी II के रूप में स्थानान्तरण हो गई है, के स्थान पर 5 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्र) से भ्राणे श्रादेण होने तक के लिए, र्मस्थायी तौर पर, नदर्थ श्राधार पर महायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

भ्रार० मी० कोटियनकर प्रणासन श्रश्चिकारी

पर्यटन गया नागण निमानन समानप भारत सौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनाक 13 जनवरी 1981

मं० ए.० 38019/1/77-ई०-1 — भारत मौसम विज्ञात विभाग के निम्नित्वित ग्रिधिकारी, श्रपने नामो के सामने दी गई तारीख को वार्धक्य श्राय पर पहुचने पर मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

क्रम ० मं०	नाम	पदनाम	दिनांक जिस- को श्रिधि- कारी ने निर्वेतन श्रायु प्राप्त की
 1. श्रीवे	० वी० राघ	मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक	30-11-1980
	(गति	क मौसम विज्ञान)	
2. श्री ৭	ि के० भट्टाच	ार्य मौसम विज्ञानी ग्रेड 1	30-11-1980

सं० ए० 38019/1/77-ई० (I)—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित ग्रधिकारी, ग्रपने नामों के सामने दी गई नारीख को वार्धक्य ग्राय पर पहुंचने पर सरकारी मेवा से निवृत्त हो गए।

স্ক ০	नाम	पंदनाम	दिनांक जिस	
मं ०			को ग्रधि-	
			कारी ने	
			निर्वतन श्रायु	
			प्राप्त की	

			प्राप्त का
1	2	3	4
1.	श्री एम० जयारमन	मौसम विज्ञानी	30-9-80
		ग्रेष्ट-I	(श्रपराह्म)
2	श्रीमी० जी०	मौसभ विज्ञानी	30-9-80
	बालासुषमनियन	ग्रेड-1	(श्रपराह्न)
3.	श्री के० एल० बास्	सहायक मौसम	30-9-80
	_	विज्ञानी	(ग्रपराह्न)
4	श्री एन० शंकराना-	महायक मौसम	30-9-80
	रयनन	विज्ञानी	(भ्रपराह्म)
5	श्री एन० डी० पाटि	ल सहायक मौसम	30-9-80
		विज्ञानी	(भ्रपराह्म)
6	श्री ए० एन० राव	सहायक मौसम	3 0-9-8 0
		विज्ञानी	(अपराह्न)
7	श्रीके० एल० भारत	श सहायक मौसम	31-10-80
		विज्ञानी	(भ्रषराह्न)
8	श्रीसी० एस० सरक	ार सहायक मौस म	30-11-80
		विज्ञानी	(श्रपराह्न)

1	2	.1	4
9.	श्री एस०यू० गंकर राव	सहायक मौसम विज्ञानी	30-11-80 (ग्रपराह्न)
10.	श्री बी० वीराराघवन	सहायक मौसम विज्ञानी	30-11-80 (ग्रपराह्न)

के० मुखर्जी मौसम विज्ञानी **इ.से** मौसम विज्ञान के महानिदेणक

महानिदेणक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी 1981

सं० ए-19011/74/80-ई०-І — नागर विमानन विभाग के श्री एस० के० बहल, उपनिदेणक/नियंतक वैमानिक निरीक्षण ने निवर्तन श्राय प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 31 विसम्बर, 1980 (श्रपराह्म) से सरकारी मेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 9 जनवरी 1981

सं० ए०-32013/8/76-ई०-1 ---राष्ट्रपति ने श्री बी० हाजराकी कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट पर क्षेत्रीय निवेशक के पद पर नदर्थ श्राधार पर की गई नियुक्ति की अवधि दिनांक 30-4-80 के बाद श्रागे श्रीर 31-1-1981 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है।

दिनांक 12 जनवरी 1981

सं० ए०-32014/2/79-ई० डब्ल्य्० (ई०-I)—-इस कार्यालय की विनांक 26 फरवरी, 1980 की प्रधिसूचना संख्या ए-32014/2/79-ई० डब्ल्यू के क्रम में, महानिदेशक नागर विमानन ने श्री संदीप कालड़ा की सहायक परियोजना ग्रिक्षिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 1-9-80 से 10-10-80 तक की प्रविध के लिए जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है।

मुक्षाकर गृप्ता उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 16 जनवरी 1981

मं० ए० 32014/2/80-ई० सी०—-महानिदेशक नागर जिमानन ने निम्निखित तीन संचार सहायकों की प्रत्येक के नाम के पामने दी गई नारीख से सब्यक मंचार श्रधिकारी के ग्रेड में तवर्थ आधार पर नियक्त विया है शीर उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात । कया है --

筝。	नाम	वर्तमान	नया	कार्य ग्र	ह्रण
सं०		तैनाती	सैनाती	करने	की
		स्टेशन	स्टेशन	त	To

- 1. श्री एंल० एस० वै० सं० स्टेशन वै० सं० स्टेशन, 4-12-80 गोविला पालम सफदरजंग (पूर्वाह्म)
- 2. श्री ए०के० मुखर्जी बैं० सं० वै० सं० 25-11-80 स्टेशन, स्टेशन, (पूर्वाह्म) कलकत्ता
- 3. श्री एस० के० पाल बैं० सं०्स्टेशन, बैं०सं० स्टेशन, 3-12-80 मोहनबाड़ी मोहनबाड़ी (पूर्वाह्म)

सं० ए-38013/1/80-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्निवित तीन श्रिधिकारियों ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

क० नाम श्रौर पदनाम सं०	स्टेशन	सेवानिवृत्ति की तारीख
 श्री टी०एन० रायचौघरी, सहायक संचार ग्रिधकारी श्री बी० के० राय, सहायक संचार ग्रिधकारी श्री बी० चौघरी, सहायक नक्तीकी ग्रिधकारी 	वं०सं० स्टेशन, कलकत्ता वही वही	30-11-80 (भ्रपराह्म) 30-11-80 (श्रपराह्म) 30-11-80 (श्रपराह्म)

श्वार० एन० दास सहायक निदेशक, प्रणासन

बम्बई-400 012, दिनांक 12 जनवरी 1981

मं । II/3ई-6/80—निम्नलिखित साधारण श्रेणी तथा वितरित श्रेणी निरीक्षकों ने उनके पदोन्नति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-II में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह "ख" के रूप में उनके नामों के आगे ग्रंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है:—

ऋ° मं०	नाम		कार्यभार सम्भा निधि	लनेकी
1		2	3	4
सर्व श्री				
1. %	ार० ग्रार० ।	महन्त	31-10-1980	भपराह्
2. इ	ो० एस० प्र	धान	8-12-1980	• •

1	2	3	
	म र्व श्री		
3	एम० डब्ल्यू०, रन्धूर	10-10-1980	पूर्वाह्न
4	पी० जी० करंजेकर	21-11-1980	37
5	व्ही० जी० गोरे	27-11-1980	11
6.	बी० ग्रार० तोत लानी	24-11-1980	"
7	पी० के० ग्राठवले	24-11-1980	11
8	एन० एम० पाटणकर	1-12-1980	,
9.	बी० ग्रार० खोपकर	29-11-1980	"
10	ए० एम० पडीत	21-11-1980	श्रपराङ्क
11.	एम० टी० मलकानी	29-11-1980	पूर्वाह्
12.	ए० पी० गवाने	26-11-1980	11
13	एल० एन० रोचलानी	21-11-1980	भ्रपराह्न
14	पी० के० झकेरिया	25-11-1980	पूर्वाह्म
15	व्ही० व्ही० सावंत	28-11-1980	11
16	एम० एस० सदावर्ते	27-11-1980	11
17	सय्यद श्रव्वास भ्रली विजापुरी	27-11-1980	17
18	एम० एल० कानडेकर	24-11-1980	ग्रपराह्न
19	एन० बी० स्वर्णकार	25-11-1980	पूर्वाह्र
20.	एस०ए० खांडेकर	31-12-1980	,,
21.	श्री एम० बी० तोरवी	25-11-1980	11
22.	एन० पी० तमाक्षाला	21-11-1980	1)
23	एम० के० देवनाली	24-11-1980	1)
24	डी० बी० रुमडे	5-1-1981	"
25.	एस० एस० पाठक	25-11-1980	17

सं । II /3ई-6/80—निम्नलिखित कार्यालय ग्रधीक्षकों ने जनके पदोक्षति पर केन्द्रीय उत्पाद शृहक समाहतिलय बम्बई-11 में स्थानापन्न प्रशासनिक ग्रधिकारी वर्ग "ख" के रूप में उनके नामों के ग्रागे ग्रक्षित तिथियों से कार्यभार सम्भान निया है।

落 り ぞり	नाम	कार्यभार सम्भालने की तिथि
2 श्री 3 श्री	एन० स्नार० मुजुमदार जी० एस० वैगनकर डी० एल० मराठे वाय० वी० वलामे	29-11-1980 पूर्वाह्न 28-11-1980 अपराह्न 26-11-1980 पूर्वाह्न 26-11-1980 पूर्वाह्न
	एम० बी० माने	25-11-1980 पूर्वाह्न 25-11-1980 पूर्वाह्न

म० II/3 ई०-6/80—केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समाहर्तालय, बम्बई II के निम्नलिखित समूह "ख" के राजपत्रित ग्रधिकारी (ग्रधीक्षक/प्रशासनिक प्रधिकारी/सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी) 2—446GI/80

प्रक्षिवार्षिक प्राधार पर खनके नामों के आगे अंकित तिथियों को अप० में सेवानियुत्त हो गये हैं।

% 0	नाम नथा पदनाम	सेवा निवृत्ति की निथि
स०		
	ो जी० टी० टिल्ल् गासनिक श्रधिकारी	31-8-1980
	ो व्ही एन० कोदे सासनिक ग्रधिकारी	30-11-1980
	ो व्ही० व्ही० गोगटे हायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी	31-12-1980 T
	ो एन० एस० मुन्शीवर धीक्षक	31-12-1980
		विजय कुमार गुप्सा समाहत्ती
	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-II	

केन्द्रीय उत्पाव शुल्क समाहर्तालय

नागपुर-440001, दिनाक 18 दिसम्बर 1980

मं० क० 17/80--केन्द्रीय उत्पाद शुरूक, मुख्यालय, नागपुर में कार्यरत निरीक्षक श्री डी० टी० देशमुख की श्रधी-क्षक केन्द्रीय उत्पाद शुरूक श्रेणी "ख" के पद पर पदोक्षति होने पर, छन्होंने दिनाक 24 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्म में मुख्यालय, नागपुर में केन्द्रीय उत्पाद शुरूक, श्रेणी "ख" के पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनाक 2 जनवरी 1981

म० 18/80—इस समाहर्ताक्षेत्र के सहायक समाहर्ता, श्री डब्स्यू० ग्रार० तारे, जो सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद गुरुक प्रभाग-1, नागपुर के पद पर तैनात थे, ने ग्रिधवा- विकी की श्रायु प्राप्त करने पर, दिनांक 31 ग्रक्तूबर, 1980 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

स० 19/80—इस समाहर्ताक्षेत्र में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, चन्द्रपुर इस नये प्रभाग की निर्मिती होने पर श्री जे० टी० डोंगरे, सहायक समाहर्त्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-11, नागपुर ने, सहायक समाहर्त्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, चन्द्रपुर जो नागपुर से कार्यान्वित हो रहा है, के कार्यालय का दिनाक 24 नवम्बर 1980 के पूर्वाह्म से श्रनिरिक्त कार्यभार ग्रहण किया।

क्रमाक 20/80—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग) नई दिल्ली के दिनाक 15 प्रक्तूबर 1980 के प्रावेण क्रमाक 151/80 के प्रानुसार इस समाहतक्षित्र में प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक श्रेणी "क" के पद पर नियुक्ति करने पर तथा समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक नागपुर द्वारा इस समाहृतिक्षित्र के केन्द्रीय उत्पाद शुरुक प्रभाग-1, नागपुर में प्रधीक्षक (तकनीकी) के पद पर तैनान किये जाने पर, श्री हरजिदर

सिंह, भारतीय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद मुल्क सेवा के परि-विकार्थी ने ग्रधीक्षक (तकनीकी) श्रेणी "क" केन्द्रीय 'उत्पाद णुल्क प्रभाग-I, मागपुर के कार्यालय का दिनाक 10 नवस्बर 1980 के ग्रपराह्म से कार्यभार ग्रहण किया।

ऋमांग 21/80—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली के पत्न संख्या ए-22012/8/80 एडी०-II के ग्रंतर्गत जारी ग्रादेश कमांक 153/80, दिनांक 1-11-80 के ग्रनुसार इस समाहर्ताक्षेत्र में सहायक समाहर्ता के पद पर नियुक्त किये जाने पर, कानपुर समाहर्ताक्षेत्र के ग्रधिक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुरुक श्रेणी "क" श्री विनित्त कुमार ने सहायक समाहर्ता (निवारक)/(तकनीकी) (लेखा परीक्षा) एवं (मूल्यांकन), केन्द्रीय उत्पाद गुरुक, मुख्यालय, नागपुर के कार्यालय का दिनांक 4 दिसम्बर 1980 के पूर्वाह्म से कार्यभार ग्रहण किया।

कमांक 22/80—श्री ग्रार० जै० बेले, सहायक समाहर्त्ता (निवारक)/(तकनीकी)/(लेखा परीक्षा एवं मूल्यांकन), केन्द्रीय उत्पाद शुरूक, नागपुर ने स्थानांतरण पर सहायक समाहर्ना, केन्द्रीय उत्पाद शुरूक प्रभाग-1, नागपुर के कार्यालय का दिनांक 31 श्रक्तुबर 1980 के श्रपराह्म में कार्यभार यहण किया।

विनांक 14 जनवरी 1981

सं० 1/81—इस समाहतक्षित्र के (प्र० श्रे०) निरीक्षक श्री टी० एन० नायडू की प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी "ख" के पद पर पदोन्नत होने पर उन्होंने श्रधीक्षक केन्द्रीय उन्पाद शुल्क रेंज-V, नागपुर का दिनांक 5 जनवरी, 1981 के पुत्रिक्क से कार्यभार संभाल निया।

दिनांक 15 जनवरी 1981

सं० 16/80—इस समाहतिसित के मुख्यालय में कार्यरत कार्यालय श्रधीक्षक, श्री व्हीं वायं देशकर की प्रशासनिक श्रधिकारी/सहायक प्रमुख लेखा श्रधिकारी/लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी, "ख" के पद पर पदोन्नति होने पर उन्होंने प्रशासनिक श्रधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग, चन्द्रपुर, जो नागपुर से कार्यरत है, के कार्यालय का दिनांक 1 विसन्धर 1980 के पूर्वाञ्च से कार्यभार ग्रहण किया है।

के० शंकररामन समाहर्ना

कानपुर, दिनांक 8 जनवरी 1981

सं० 1/81—निम्निलिखित निरीक्षकों (प्रवरण श्रेणी) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के ग्रिश्रीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 पर पदोन्नति होने पर ग्रिश्रीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शस्क वर्ग "ख" के पद का कार्यभार उनके

नाम के सामने दिये गये स	यान तथा तारीख को	ग्रष्ट्रणं कर
सिया ।		
क० नाम	स्थान का नाम जहा	कार्यभाग
स०	प र पदो न्नत पर	ग्रहण करने
	कार्यभार ग्रहण	की तारीख
	किया	
सर्वश्री		
1 जे० एन० वर्मा	मुख्यालय, का नपु र	18-6-80 भ्रपराह्न
2. एन० के० मस्ट्रोन्ना	मुख्यालय, कानपुर	18-6-80
		श्रपराह्न
3. एच० एस० टण्डन	सीता पु र डिवीजन	30-6-80
		श्रपराह्न
 श्रीप्रकाश श्रीवास्तव 	मुख्या लय, का नपु र	3-7-80
		पूर्वाह्न
5. जे ० एम० मिश्रा	मुख्यालय, कान पु र	24-6-80
		पूर्वा ह
 मोहम्मद श्रासिक खान 	मु ख् यालय, का नपुर	16-7-80
		पूर्वाह्न
7. डी० डी० जैन	सीतापुर डिवीजन	30-6-80
_		ग्रपराह्न
 बिशन चन्द कपूर 	रेंज-11, मुरसहायगंज	16-7-80
		पूर्वाह्न
	फर्कखाबाद डिवीजन	
 ठाकुर दास खडूणा 	का नपुर II डि वीजन	21-6-80
		पूर्वाह्न
10. विष्णु नारायण	कानपुर II डिवीजन	21-6-80
		श्रपराह्न
11. मोहम्मद ग्रब्दुल वलि	श्रलीगढ डिवीजन	21-6-80
		श्रपराह्न
12. हरीश चन्द्र सक्सेना	एम० भो० भार०	24-7-80
	टु ण्ड ला	पूर्वाह्म
	ग्रागरा डिवीजन	-1 1
13. श्रशोक कुमार बोस	एम० भ्रो० श्रार०	30-6-80
,	छिबरामऊ	पूर्वाह्र
	फरूखाबाद डिबीजन	6
14. जगदीश चन्द्र श्रीवास्तव	रेंजा, मुर सहायगंज	14-7-80
18	फर्रूखाबाद डिवीजन	पूर्वाहर पूर्वाहर
_,		94

नौवहन श्रौर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेणालय अम्बई-400 001, दिनांक 15 जनवरी 1980

जे० रामकष्णन, समाहर्त्ता केन्द्रीय *छ*त्पाद शृत्क, कानपर

सं० 23-टी० श्रार० (2)/80--नौवहन महानिवेशक, श्री एस० के० सिक्का को 1 दिसम्बर, 1980 (पूर्वाह्न) से श्रागामी द्यादेशों तक लाल बहादुर शास्त्री भाष्टिकल इंजीनियरी कालेज, बम्बई में शस्थाई तौर पर सिम्यूलेटर टेकनिशन के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० एस० सिध् नौबहुन उप महानिदेशक

पूर्ति एवं पुनर्वास मंद्रालय (पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक ग्रभियंता का कार्यालय रायपुर, दिनांक 15 जनवरी 1981

पुनर्वास भूमि उद्घार संगठन

सं० पी० एफ०/जी०/35—सामान्य विदेश सेवा शर्त के अधीन, सिगरनी कोईलरिस कम्पनी लिमिटेड, कोट्गुडम कोईलरी (श्रान्ध्र-प्रदेश) में कार्यकारी प्रभियंता, (रु० 1100 50-1700) के पद पर नियुक्ति पाने के फलस्वरूप श्री के० बी० राव ने सहायक श्रभियंता, एफ० एम० यू०, 2 व 3, पु० भू० उ० मं०, एमबी-79, लक्षीपेटा, जिला कोरापुट (उड़ीसा) के पव का कार्य-भार दिनांक 20-12-1980 को अपराक्ष से छोड़ दिया।

ग्रो० एस० गुप्ता मुख्य यांत्रिक भ्रभियंता

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कयलिय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं मैसर्स बिनोद स्टील लिमिटेड, इन्दौर के विषय में

इन्दौर, दिनांक 13 जनवरी 1981

सं० 933/समापन सी० पी० /6050 --कम्पनी म्राध-नियम, 1956 की धारा 445 की छपद्यारा (2) के म्रन्तर्गत सूचित किया जाता है कि मैसर्स विनोव रटील लिम्टेड, इ.व. र को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, इन्दौर खण्डपीठ के म्रादेश दिनांक 25-11-1980 के द्वारा परिसमापन करने का म्रादेश दिया गया है तथा सरकारी समापक, इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

> सुरेन्द्र कुमार सक्सेमा कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी प्रधिनियम 1956 ग्रौर गोवा एक्सरेटेड वार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पणजी, विनांक 14 जनवरी 1981

मं० 19619— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुषरण में एतक्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि तारीख से तीन मास के श्रवसाम पर गोवा एग्ररेटेड बांटर्स प्राइवेट लिमिटेश का नाम, इसके प्रतिकृत कारण

दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर जन्त कंपनी विधटित कर दी जाएगी।

> एस० एल० बाणवीर कम्पनी का रजिस्ट्रार गोवा, दमण भौर दीव

कम्पनी अर्धिमियम 1956 एवं रॉकी केमिकल्स, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, विनांक 13 जनवरी 1981

सं० 15154/560 (5)—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956की घारा 560 की छपद्वारा 5 के अनुसरण से एसद्वारा सूचना दी जाती है कि राँकी केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट विया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एव ध्रमृत ट्रेडिंग श्रन्ड इन्वैस्ट-मेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1981

सं० 18193/560 (5)—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एत्दब्वारा स्वना दी आती है प्रमृत ट्रेडिंग एण्ड इन्वेस्टमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं श्रश्विनी चिट फन्छ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1981

सं० 14194/560 (5)— कम्पनी घिष्ठिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ध्रनुभरण से एतक्द्वारा सूचना वी जाती है कि ग्रिक्विनी चिट फन्ड प्राह्वेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उबस कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं नाटय निकेतन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

बम्बई, दिनांक 13 जनवरी 1981

सं० 8782/560 (5) — कम्पनी मिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नाटय निकेतन प्राह्वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उवत कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मुसा हाजी पत्नावाला प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 14 जनवरी 1981

सं० 17462/560 (5)—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्वारा सूचना दो जाती है कि मुसा हाजी पत्नावाला प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विघटिस हो गई है।

श्रो० पी० जैन कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी मधिनियम, 1956 भौर रतना चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 8 जनवरी 1981

सं० 2287/560 (5)/77—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद् द्वारा सूचना दी जाती है कि रसना चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दियागया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पचापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम है 656 और तिरुमलै ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 6 जनवरी 1981

सं० 115/560 (3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के श्रवसान पर "तिरुमलें ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड" का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी। बी० कोतेस्वर राव

बा॰ कातस्वर राव कम्पनियों का रजिस्ट्रार पांडिचेरी

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 श्रीर शाहजहपुर सुगर प्राइ-वेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 15 जनवरी 1981

सं० 3718-एल० सी०/63---प्रधिसूचना 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के भ्रवसान पर शाहजहांपुर सुगर प्राइवेट लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा ग्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

> वी० पी० कपूर रजिस्ट्रार ग्राफ कम्पनी यू० पी०, कानपुर

श्रायकर भ्रायुक्त का कार्यालय कोचिन-682016, दिनांक 31 दिसम्बर 1980 श्रादेण

विषय : संस्थापना-आयकर भ्रधिकारी श्रेणी-बी पदोक्षति और तैनाती भ्रादेश जारी करना

मं० 2/एस्ट/80-81—निम्नलिखित पदोन्नति तबादलों ग्रौर तैनातियों को तत्काल से लागू करने का श्रादेण एतव्द्वारा दिया जाता है।

1. पदोन्नति

श्री पी० वी० निलनाक्षन नायर, ग्रायकर निरीक्षक, श्रायकर ग्रायुक्त का कार्यालय (एस० ए० पी० विड०) कोचिन को क० 650-30-740-35-810 ई० बी० 35-880-40-1000 ई० बी० 40-1200 को वेतनमान में श्रायकर ग्रिधिकारी, श्रेणी-बी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए एतद्द्रारा तत्काल से नियुक्त किया जाता है । वह दो वर्ष की ग्रवधि तक परिवीक्षा पर होंगे ।

2. उपर्युक्त पद की नियुक्ति बिल्कुल श्रम्थायी श्रौर सामयिक है, जो किसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। इनकी नियुक्ति, उच्च न्यायालय, केरल में फायल किए हुए मूल याचिका सं० 4023/1978 श्रौर 263/1980 एम० तथा उच्च न्यायलय, दिस्ली में फायल किए हुए सिविल रिट याचिका सं० 25/1979 के फल पर श्राधारित है।

ा। तबादलों भीर तैनातियों

洧0	सं० नाम	से	पर	स्रम्यु क्ति यां
1	2	3	4	5
				श्री एन०पी०
	श्री ६० टी० लू कोस, श्रायकर ग्रधिकारी, श्रेणी-ए	डो० वार्ड, सर्किल-ाा, कालिकट कालिकट	बी० वार्ड, सर्किल-II, कालिकट	पद्मनोभन को दिए गए स्रतिरिक्त कार्यभार से सुक्त करनेके कारण
2.	त्रभा-६ श्री ए० के० के० उप्पी, ग्रायकर प्रधिकारी, श्रेणी-ए	वंबई प्रभार से स्थानान्तरण	ए० वार्ड, पालघाट	श्री ए० के० वेंकिटेश्यरन के स्थान पर ।
	श्री पो॰ बी॰ नलिनाक्षन नायर	श्रायकर निरीक्षक, ग्रायकर ग्रिधिकारी श्रेणी 'बी' के रूप में पदोन्नति	डी० वा र्ड , सर्किल-II, का लि कट	स्थानान्सरण किए गये श्री ई० टी० लूकोस के स्थान पर

3. यदि ग्रावण्यक है तो श्री वेंकिटेश्वरन, ग्रायकर ग्रधि-कारी, ए-बार्ड, पालघाट का कार्यभार श्री लक्ष्मीनारायणन पोट्टी को सींप सकता है। श्री उप्पी को बंबई प्रभार के कार्यभार से मुक्त करने तक श्री पोट्टी ए-बाई, पालघाट का कार्यभार प्रतिरिक्त रूप से संभालेगा।

4. इस कार्यालय आदेश सी० मं० 2/एस्ट/80-81 दिनांक 22-12-1980 के पैरा 1 और पैरा 2 के कम सं० 2 श्रीर 3 एतद्धारा रद्द की जाती है।

> एम० एस० उण्णिनायर श्रायकर श्रायकत, कांचिनन

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एकयू०-1/एस० भ्रार०-III/ 5-80/287—अतः मुझे भ्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए-82 है तथा जो क्रिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 29-5-1980

का प्रांबत सर्पारंत के जीवत बाजार मूल्य से कम क दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांकत संपरित का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था खिपाने में सविधा के लिए;

जतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, जा, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिस व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्री स्वर्ण क्रुमार कालिया, जी-153, मोती नगर, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सेवक सहगल, ए-82, डिफेन्स कालोनी, नई विस्ली:

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिमां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त क्वित्यों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्रि के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक मंजिला बिल्डिंग नं० ए-82 जोकि 181.16 वर्ग मीटर में डिफन्स कालोनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

उत्तर : मकान नं० ए-83 दक्षिण : मकान नं० ए-81

पूर्व : रोड

पश्चिम: सर्विस लैन्ड

भ्रार० पी० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

ता**रीख:** 9-1-81

- प्रइप ग्राई∙ टी० एन∙ एस∙---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीत स्थता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०-1/एस० श्रार०-III/ 5-80/272—प्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रुपये से मधिक है

प्रयोग से प्रधिक है

श्रीर जिनकी सं० 39/19 है तथा जो श्रोल्ड राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में

श्रीर पूर्ण क्य में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 9-5-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूल्य में कम के दृष्यमान
श्रात्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास
करने का कारण है कि यग्रपूर्वोक्त सम्पत्ति का खित बाजार
पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त श्रिधिनियम, का धनकर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम, को धार। 269-ग के अनुसरण में में, उनन अधिनियम की धार। 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री शस्भू नाथ 39/19 श्रीलंड राजिन्द्र नगर, नाई जिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री गुरेन्द्र मोहन ग्रब्बी, एच-213, नारामणा, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्रेप:--

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी क्य कितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, भी भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्य कितयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा मकोंगे।

स्यब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया '

धन्**स्थी**

प्रापर्टी नं० 39/19 स्रोल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिस्ली जोकि 85.9 वर्गगज में बना हुन्ना है।

> श्रार० बी० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर अायुक्त (निरीक्षण) धर्जनरेंजे-1, नई दिल्ली

नारोखा: 9-1-81

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निष्टेंग सं० आई० ए० सी०/एष्य०-1/एस० आर०-111/
5-80/262---अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, अग्यकर पिविषयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'धक्त पिविषय' कहा बया है), की वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्मति, जिसका चित्र वाकार मूल्य 25,000/- रुपए से धिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1/2 हिस्सा एन०-19 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेंगन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाध्य श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 2-5-1980

को पूर्वोक्त सम्मति के उणित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रग्ती रती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए एव पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से दुई किती रात को बाबत उनत क्षिप्तियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविका के किए; ब्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अभ्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर भिभित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के निए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रश्नियम की श्रापा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रश्नियम की श्रापा 269-व की उपश्रापा (1) के अभीन निम्नुसिचित् व्यक्तियों न्यांत्ः- (1) श्रीमती ईश्वर कौर पत्नी लेट श्री गुरबक्ण सिंह एफ-62, ग्रीग पार्क, नई विल्ली-16।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० भ्रार० सुन्दरराजन, ए-27, प्रेस इन्कलंब नई दिल्ली-17।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की भन्निय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 विन की भन्निय, जो भी भन्निय बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में दितवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं असे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

श्रनु सूची

1/12 हिस्सा आधे हिस्से का प्लाट जो कि 666 वर्ग गज ग्रीन पार्क एक्सटेंशन एन 19 नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : रोड पश्चिम: सर्विस लेन

नार्थ : मकान नं० एन-20 माज्य : मकान नं० 18-ए

> श्रार० बी० एल**० श्रग्नवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्जन रेंज-1, दिस्ली**।

तारीख: 9-1-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 15280—यतः मुझे, आर०बी०एस० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एन-19 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 2-5-80

को पूर्वा क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- 3-446GI/80

श्री इन्द्रजीत सिंह कैयर आफ पाल एण्ड एसोसियेट्स जी-48, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16।

(अन्तरक)

(2) श्री के० ग्रार० मुन्दरराजन. ए-27, प्रेस इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

1/12 ग्रविभाजित हिस्सा 666 वर्ग गज में जो कि एन-19 ग्रीन पार्क एक्सटेंगन, नई दिल्ली में स्थित है।

> भ्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-1-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजॅन रेज-1, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1981

निर्देश स० ब्राई० ए० सी०/एक्य्०-1/एस० ब्रार०-III/ 5-80/311---- प्रत मुझे, श्रार० बी० एल० प्रग्रवाल, नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क़ारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्जित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ही ग्रीर जिसको स० डी-183 है तथा जो डिफेन्स कालोनी, तई दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इसमे उपायन ग्रनसूची मे ग्नौर पूर्ण रूप से बॉणन है), रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 26-5-1980 को पूर्वोक्त सम्प्रति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरको) पौर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की धपमारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रोमती कान्ता सिह पत्नी डा० बी० एन० सिह, श्रमर बान क्लीमेन्ट टाउन, देहरादून। (श्रन्सरक)
- (2) श्री एस० सी० डांठा ग्रीर राजीव ढांटा, डी-183 डिफ्ल्स कालोनी, नई विल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोज्ञत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।.

उक्त सम्बन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्काम के राजपन में प्रकाशन की तारीच । में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी क्विध बाव में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी जन्य व्यक्ति कृद्धा, स्थाहिस्ताकृति कें पृत्स विक्ति में किए जा सकोंगे।

स्मृष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो जक्क जिथिनयम, के अध्याय 20-क में पहिस्सिकत हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में क्रिया गया है।

न्तृस्पी

जमीन जो कि क्लाक डी नं० 183 डिफोंस कालोमी, नई दिल्ली में 325 वर्ग गज में बनी हुई है।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख 9-1-1981 मोहर: प्ररूप माई० टीं० एन० एस०-

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०-1/एस० श्रार०-III/
5-80/315—- ग्रत. मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रूपएं से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-34 है तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-5-1980 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के यूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रमीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खिपाने मे सुविधा के किए।

अतः, अब, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रीविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रीका, मिम्निविक्ति व्यक्तियों, प्रयोत :--

(1) श्री मदन लाल सुली पुत्र सरदारी लाल तुली सी-34 मालवीया नगर, नई दिस्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रारिवन्द वर्मा भ्रौर रमनीक वर्मा पुक्ष डा० धर्म देव धर्मा, सी-34, मालबीय नगर, नई विल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उष्तं सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धांकरणं :--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदीं का, जो उक्त ग्रधि-नियमं, के प्रध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं भ्रषं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

धनुसूची

प्रापर्टी न० सी-34 जो कि 288 वर्गे गज में मालबीय नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

> ग्रार० बी० एल० भग्नवाल सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज, नई दिल्ली ।

तारीख: 9-1-1981

मोहरः

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1981

निर्देश सं० ब्राई० ए० मी०/एक्यू०-1/एस० ब्रार०-III/
5-80/168--श्रतः मुझे, श्रार० बी० एन० श्रप्रवान,
पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/६० से प्रधिक हैं

भौर जिसकी सं० जी-64 है तथा जो निजामहीन बेस्ट नई दिल्ली में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध भ्रनुमूर्जी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्लरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चिम्स, के ग्रिश्चीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धवः, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षातः :---

- (1) श्री एम० एन० कपूर पुत्र जी० एस० कपूर, निवासी महारानी बाग, नई दिल्ली, जनरल एटार्नी मिस गीता खन्ना इनकी पुत्री।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बलदेव राज खन्ना पुत्र सहाय राम श्रीर गमगेर खन्ना पुत्र बलदेव खन्ना श्रीर ब्रहम प्रकाण खन्ना पुत्र बलदेव राज जी-8 जंगपुरा एक्सटेशन, नई विल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो का, जो उक्त ग्रीधनियम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गगा है।

भनुसूची

प्रापर्टी नं० जी-64, 198 वर्ग गज निजामुद्दीन वेस्ट नई दिल्ली में स्थित हैं।

> भार० बी० एल० भ्रम्भाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-1-1981

नई दिल्ली, दिनाक 9 जनवरी 1981

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एवयू०-1/एस० ग्रार०-111/5-80/264—श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग्र के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे संक्षिक है

भौर जिसकी स० ग्रार-31 है तथा जो एन० डी० एस० ई०-II, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-5-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा मू य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशा अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य में उका श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाम्रत, उक्त ग्रिश्चित्तियम के श्रश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में क्षमों करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री सरदार करनार सिंह नकहर पुत्र ठाकुर सिंह नियासी गांव ग्रौर डाकखाना शकर डिस्ट्रिक्ट जालन्धर (पजाब) श्रद निवासी ग्रार-31 ग्न० डी० एस० ई०-पार्ट-11, नई दिल्ली वाया माहंगा सिंह मागू म्पेणल एटार्नी। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती दलजीत कार सागू पत्नी सरदारा सिंह सागू निवासी स्नार-31. एन० डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करक पूर्वाक्त सम्पन्ति के क्र<mark>ाजन के लिए</mark> अर्थवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन कं गम्बन्य में शोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस पुत्रना क राजग्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रभित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील स 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रताशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किमी प्रत्य वाकित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखिन में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीश्वरण: ---इसमें प्रयुक्त जब्दों ग्रीर पदों जी उबत ग्राधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्य में दिया गया है।

ग्रनुसूचो

फन्ट पोर्शन ग्राफ फर्स्ट फ्लोर ग्रौर हाफ बरसाती मकान के ग्रागे के हिस्से में नं० ग्रार-31 100 वर्ग गज 1/4 पोर्शन प्लाट नं० ग्रार-31, एन० डी० एस० ई० पार्ट-1 नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है.—

पूर्व : रोड

पश्चिम: 1/2 स्थिर प्रापर्टी नं० भ्रार-31

उत्तर : रोड

दक्षिण : प्लाट नं० ग्रार-३०।

स्रार० बी० एल० स्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रार्जन रोज-1,नई दिल्ली

नारीख: 9-1-1981

प्ररूप आहु⁵.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (†961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एयू०-1/एस० म्रार०-I1I/5-80/265—- म्रतः मुझे म्रार० बी० एस० म्रप्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० आर-31 है तथा जो एन० डी० एस० ई० नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-5-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

(1) श्री परमजीन सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह परमानेन्ट एड्रेस गांव एण्ड पोस्ट ग्राफिस मंकर, डिस्ट्रिक्ट जालन्धर (पंजाब) निवासी ग्रार-31 एन० डी० एस० ई०-II, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रोमती स्वर्ण कौर सागू पत्नी महंगगा सिंह साग निवासी श्रार-31 एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पंक्ति को कर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंब त्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[ा], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्पी

श्रागे के हिस्से का सकात 1/4 पोर्शन श्राफ प्रापर्टी नं० श्रार-41 फीहोल्ड प्लाट 100 वर्ग गज एन० डी० एस० ई० पार्ट-11 नई दिल्लो में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड

पश्चिम: रियर हा पोर्शन प्रापर्टी नं० ग्रार-31

उसर : रोड

दक्षिण : प्लाट न० श्रार-30

भ्रार० बी० एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारोख: 9-1-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रीयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नर्ष दिल्लः

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निर्देश में० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एम० ग्रार०-1]]
5-80/271—-ग्रतः मृझे ग्रार० खे० एल० ग्रग्नवाल
ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' करा गर्भा है), की ग्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मृख्य 25,000/इपए से प्रधिक है
ग्रीर जिसको सं० ई-368 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-11

भौर जिसको सं० ई-368 है तथा जो ग्रेटर कैंलाण-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-5-80

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के निये अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण लिखिन में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संदुर किसो आय का वाब- उक्त अधिनयम के अक्षीत कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी निना आग या किसी घन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिश्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया अस्ता आहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

अतः अब, अबत अधिनियम, की धारा 269-म के अनु-सरक में, में, बक्त अधिनियम की धारा 269-घ की घपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्घीतः :--

- (1) श्रा वेद प्रकाण गहना ग्रीर श्रोमनी णारदा मेहना ई-14, ग्रेटर कलाण इन्क्लेव-II, नई दिल्ली। (ग्रान्तरक)
- (2) श्रामतो म्नाणा चौधरी 27/174 विकम विहार, नई दिल्लो।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

एका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी सालेप :---

- (क) इन सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूजना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्मीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकुद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्यों कीर पर्धों का, जो जक्त न्धांधि-नियम, के मध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, नहीं यर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट नं० ई-368, 249 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है।

> ग्रार०वी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

सारोख: 9-1-1981

प्ररूप प्राई • टी० एन • एस •---

प्रायकर प्रश्निमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निर्देश मं० ग्राई० ए० सः०/एक्यु०-1/एस० ग्रार०-III/ 5-80/277----- प्रतः मुझे आर० बी० एन० अग्रवालः प्रायश्वर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 25,000/- स्प्ए से प्रधिक है ग्रौर जिसको सं० एन-25 है तथा जो एन० डो॰ एस० ई० पार्ट-I, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचा में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ना ग्रधिकारा के कार्यालय, नई दिल्ला में भारताय रिज्यदाकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख 13-5-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे **दुश्यःमान प्रति**फल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है भीर **शन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों)** के बीच **ऐसे मन्तरण** के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलि**खि**त उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण निष्टित में वास्तिविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत उक्त ग्रिध-नियम, के ग्रंधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या ग्रमकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्-सर्ण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात् :--- (1) श्राः निरन्द्र सिह् एन-25, नई दिल्लाः साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्राः तिलक राज खुराना, सताण कुमार खुराना मुणाल कुमार खुराना, श्रामता भगवान देवो निवासो जा-18 बेंद, एन० डेंद० एम० नई दिल्लां।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **शर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता है।

उकत सम्पत्ति के यमत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन को ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर इक्त स्थायर सम्माति में हितबद्ध किमो ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी हरगः :---ध्यमें प्रयुक्त गन्दों प्रौर गर्दों हा, जो उका श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतुसूची

2-1/2 स्टोरो विल्डिंग बिल्ट म्रान प्रापर्टी नं० 25 नई दिल्ली साउथ एक्सटेंगन पार्ट नं० 1, नई दिल्ली 199.6 वर्ग गज में स्थित है।

> भार० बो० एल० भ्रम्नवास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-1-1981

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ण (1) के अधीन सुचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० ग्रार०-गा/ 5-80/328—ग्रतः मुझे, श्रार० बो० एस० ग्रग्नवाल आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं श्री-11 है तथा जो एन० डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 11 3-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित दाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक अप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (न) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्निलिखित व्यक्तियों, अथौत्ंः—

- (1) ष्टा० श्रमर नाथ घई सैक्टर 15 बंगलो नं० 1142 फरीदाबाद डिस्ट्रिक्ट फरीदाबाद (हरियाना) (श्रन्तरक)
- (2) लेफट० कर्नल कंबलजीत सिंह डी-360 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुज्ञी

सिंगल स्टोरी हाउस प्लाट नं० बी-II एन० डी० एस० ई० पार्ट-II नई दिल्ली में 200 वर्ग गज में बना हुआ है।

> ग्रार**्डा**० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-1-81

प्रकप बाई • टी • एन • एस • -----

आयकर **प्रधिनियम, 1961** (1961 का 43) की घारा **269-व** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 जनवरी 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी:०/एक्यू०-1/एस० ग्राप०-II]/ 5-80/307--- प्रतः मुझे प्रार० बी० एल० प्रग्रवाल **भायकर अधिनियम, 1961 (1961** का 43) इसमें इसके परचान 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के अधीन सवाम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/- ₹∘ से आधिक है श्रीर जिसकी सं० 58 है तथा जो बसन्त मार्ग बसन्त बिहार नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपावड़ अन्सूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान तारीख 28-5-1980 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाजार नत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए पन्नरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मृत्य, असके प्रवमान प्रतिकल से, ऐसे प्रवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अम्सरितियों) के बीच ऐसे अम्बरण के लिये वय पाया गबा प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसपे उन्नने में मुक्थि। के थिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर पिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए ।

कतः अब, उक्त मधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में. में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो सतीन्त्र सिंह, श्रीमती हरी दरशन सतीन सिंह, 58 वसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बरबडा महाजन बी-726, नया राजीन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीश्व सम्पति के पर्जन के **लिए कार्यवाहिमां करता हूं**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से कि ... व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में ग्रहाना को नारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावट मस्पत्ति में हिनबद किमी अस्य अपक्ति द्वारा, प्रशोदस्वाभारी के उस लिखित में किए जा सकेंगे।

पठटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याग में दिया गया है।

श्रनु सूची

एक दुमंजिला बंगला ज्लाट नं० 58 **ब**सन्त बिहार, नई दिल्ली।

> ग्नार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्राजैन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख: 9-1-1980

प्रकप ग्राई • टी • एम • एस •----

आयकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भिष्ठीत सुवता

भारत सरकार

कार्याक्तय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 जनवरी, 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०-1/एस० आर०-11/5-80/317---अतः मुझे, आर० बेः० एल० अग्रवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 6/10230 है तथा जो प्लाट नं० 85 करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुखाः में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारों के कार्यालय नई दिल्लों में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख 23/5/1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निरुवास करने का कारण है कि यसपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भग्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया हैं—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी अन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण मे, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित अपनितयों, अर्थात्:—— (1) श्रो वो एस० ग्रानन्द पुत्र श्री सवानन्द निवासी 3309 रनजीत नगर, नई दिल्ली, नरेन्द्र पाल पुत्र सादानन्द निवासी 17/5 पश्चिम पटेल नगर, नई दिल्ली, पूसा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) रीयल फुड प्राइवेट लिमिटेड मनेजिंग डाइरेक्टर, मुरिन्द्र सिंह निषासी 14/104 गोता कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के ग्रावंत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ।--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की पंचीब या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितवह किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए। जा सकेंगे।

स्पब्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जोर पर्दों का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं 0.16/10230 खसरा नं 0.16/6/8.5 ब्लाक नं 0.6 प्लाट नं 0.85, 0.230.44 वर्ग गज डब्ल्यू ई ए करोल बाग, नई दिल्ली।

ग्रार० बी० एल० **भ्रग्नवाल** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, नई विस्सी

तारीख: 9-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिस्सी

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-III/ 5-80/354—अतः मुझे आर० बी० एल० अप्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 19 सिनेमा कम्प्लेक्स है तथा जो ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुसुकी में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय नई दिल्ला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-5-80 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के भीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण, से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निष्चित व्यक्तियों, जुर्थात्≟--

- (1) श्री बी॰ एस॰ एफ॰ यूनाइटेड लि॰, 21-22 नरिन्द्रा प्लेस, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (प्रन्सरक)
- (2) श्री विनोद कुमार नागपाल और चन्द्र मोहन खन्ना, 10 मोहन नगर, गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी को पास लिखित में किए जा सकागे।

स्थव्योकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुजुषी

दुकान मं० 19, ग्राउन्ड फ्लोर सिनेमा कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश II, नई दिल्ली एरिया 319.3 वर्ग गज।

> श्रार० बी० एल० अग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-1-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 जनवरी, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-III/
5-80—श्रतः मुझे श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल
प्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त पश्चित्रियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के
प्रोा पश्चन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से
अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ए 71/8 (जी० एफ०) है तथा जो सिनेमा कम्प्लेक्स, ग्रेटर कलाग, नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो में भारताय रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-5-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के निए यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के रोज हो अन्तरा के निए ता गारा गया प्रतिक्त, निम्निविद्य उद्देश्य न उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्किश के लिए,

भतः भव, उक्त भिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुतरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :~

- (1) श्री डो॰ एल॰ एउट॰ यूनाइटेड लि॰, 21-22 नरिन्त्रा प्लेस, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिस्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री सी० एम० खन्ना श्रीर बी० के० नागपाल 10 मोहन नगर, गाज्याबाट (उत्तर प्रदेश)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की बाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त ग्रिश्वितियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 18 (माउन्ड फ्लोर) सिनेमा कम्प्लेक्स ग्रेटर कलाश- Π , नई दिल्ली (एरिया 320 वर्ग फीट)।

भार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई विल्ली

तारीख: 941-1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी, 1981

्रें निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/ क्यू०-1/एस० भ्रार्ट-र्∐/ 5-80/356—अत: मुझे श्रार० बी० एल० श्रमवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रा. से अधिक है

श्रौर जिमको संख्या 17 (श्राउंड फ्लोर) है तथा जो सिनेमा कम्पलेक्स ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रीक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-5-1980

का पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल कित निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जर: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तित्यों, सुधीत्∷-- (1) श्री० एक० एफ० यनाइटेड कि०, 21-22 नरिन्द्रा प्लेस, पालियामेट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्र मोहन खन्ना पुत्र के० जी० खन्ना; विनोद कुमार नागपाल पुत्र ग्रमर लाल निवासी 10-मोहन नगर, गाजियाबाद। (ग्रम्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्थन के फिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहो कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

खाली दुकान नं० 17 (ग्राउन्ड फ्लोर) सिनेमा कम्प-लेक्स, ग्रेटर कैलाश-^{II}, नई दिल्ली 412.8 **वर्ग फुट।**

> भ्रार० बी० एल० भ्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली।

तारीख: 9-1-1981

प्रस्त आई• टी॰ एन॰ एम०~----

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ल्घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यांलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

थ्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी, 1981

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्य०-11/एस० भ्रार०-[[[/5-80/339--ग्रत: मुझे ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका 25.060/-रुपये वाजार म≈य भौर जिसकी संख्या 2 कामिणयल कम्पलेक्स है तथा जो ग्रेटर कैलाण-11 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध म्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजम्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-5-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिखंखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अग्सरण से हुई किसी आय की बाबत खकत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसो आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति√ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, अब, उका प्रधितियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नितिखत व्यक्तियों, श्रियीत:----

- (1) मैसर्स प्रग्रवाल बिल्डिंग एण्ड कन्सट्रक्शन कं० 63 माइल बस्ती करौल बाग, नई दिल्ली वाया पार्टनर भ्रानन्द स्वरूप गर्ग के० भ्रार० भ्रग्रवाल, ग्रनिल गर्ग वाया एटानी श्री भ्रनिल गर्ग। (ग्रन्तरक)
- (2) दि इन्डयूर प्रा० लि० म्नाफ इण्डयूर हाउस, ग्रेटर कैलाश-II. नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप !---

- (क) इन सूचना के राजाज में प्रकाशन की तारीआ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रवृक्त शब्दां और पदों का, जो अक्त अग्नि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अख्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 2 जो कि मैकन्ड फ्लोर जी० एल० एक० कामशियल क-प्लेक्स नीयर सावित्री सिनेमा ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली।

> श्रार० बी० एस० श्रग्नकाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नारीखा: 9-1-1981

प्रकप धार्र ही । एत । एस ।-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायकत (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 जनवरी, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एमय०-1/एस० आर०-]]]/
5-80/298—अतः मझे आर० बी० एल० अग्रवाल भायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यान् 'उक्न मिलियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से प्रीष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० के-106 है तथा जो होजखास नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख 29-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्त बाजार मूरय से कम के दृश्यमान प्रति-कत के लिए अन्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य उसके वृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक स्प से चित्रत नहीं किया यव है:——

- (क) चन्तरन के हुई किसी माय की बाबत बक्त प्रधि-निवम के समीन कर देने के सन्तरक के वायिस्त में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्राह्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धनकर ब्राब्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था प्राक्षिया जाना वाहिए या, खिपाने म सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त धिवनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त धिवनियम की घारा 269-व की वपधादा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) डा० केवल क्रिशन मयोर, जवाहर नगर, दिल्ली-7 (भ्रन्तरक)
- (2) श्री प्रमोद कुमार जैन के०-120, हीजखास, इन्क्लेय, नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भरके पूर्वीक्त संपत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाकाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीला से
 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति शरा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में
 हितवड किसी मध्य स्पक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पच्छीकरण। -- इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, को उसत भिवित्यम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्ट होगा जो छस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

2 ओर एक ग्राधा मकान बना हुन्ना 500 गज न० के-106 होजखास इन्कलेव, नई दिल्ली।

> भ्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 9-1-1981

प्ररूप आर्ष: टी.एन.एस..------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० 1891/देहरादून/80-81---म्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो चकराता रोड, देहरादून में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध भ्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख 28-7-1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
5—446GI/80

(1) श्री वी० एस० वर्मा पुत्न श्री दयाराम वर्मा, नम्बर-10, ग्रीनपार्क, न्यू दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री म्रोम प्रकाश बोहरा पुत्र श्री सीताराम बोहरा 45 कोलागढ़ रोड, देहरादून।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक किला मकान नम्बर 45 बसन्त विहार चकराता रोड, देहरादून में स्थित है जो कि 75000/- रु० में बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 18-12-1980

मोहर :.

प्रकारधार्षक टी । एत० एस -----

ग्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० 1890-ए/देहरादून/80-81---- ग्रह मझे बी० सी० चसुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह किस्वास करने का जाएण है कि 'स्कावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- द० से मधिक है ग्रीर जिसकी स० 43/3 मकान है तथा जो उन्द्ररोड, वेहरा-दून में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर

दून में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वेहरादून में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 28/7/80

की पूर्विक्त सम्पत्ति के छाँचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्मत्ति के उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से मिषक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तिरती (अन्तरितिभीं) के बीच ऐसे अन्तरण के निए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचन प्रनारण निधित में वाल्यंविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण के हुई कियो आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1981 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के काथिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, 1961 या धन्कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अच, उक्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-क की उरकारा (1) के को अधीन निम्मलिक्ति व्यक्तियों अधितः-- (1) श्री रिनियारामवेरा पुष वातवरागवेरी 9 पलटन बाजार, देहरादून।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगद्यसिंह तथा श्रीमती महेन्द्राकौर पत्नी जगत सिंह निवासी 147 पलटन बाजार, देहरा-दूत।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यमहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रास्त्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजफत में प्रकाणन की तारी खासे 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिस्सा किसी प्रन्य उपित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें श्रिमुक्त लख्तों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ऋध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होना, जो उन अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखो

एक किता मकान इन्द्ररोड, देहरादून मे स्थित है जो कि 4500/- रु० का बेचा सया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रापकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, कानपूर

तारी**ख** 18-12-1980 मोहर प्रस्प भाई० टी० एन० एस०

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 18 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० 1949-ए/देहरादून/80-81—श्रतः मुझे ची० सी० चतुर्वेदी

श्रायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्पये से श्रीधक है

सं० जायदाव नं० 86 है तथा जो कानपुर रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-7-1980 को

पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार म्ह्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य र उत्तर प्रतरण लिखिन में अस्तिक क्य से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) यन्तरण में हुई किसी भाष की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः भ्रम, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '——

- (1) श्रीमती रक्षा कपूर पत्नी रामकुमार द्वारा मुख्तार श्राम रामकुमार पुत्र भगवान दास कपूर व खुद राजकुमार कपूर पुत्र श्री भगवामदास कपूर निवासी 86 करमपुर रोड, देहरादून। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमसी विमलदेवी परनी एस० सी० श्रग्नवाल निवासी बरन श्रीमली उसा देवी पत्नी श्री सी० एन० श्रग्नवाल निवासी निम्झवाला जिला देहरा-दून।

(भ्रम्सरिती)

को वह मुखना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता है :

उक्त पनाति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्वश्वर सम्पत्ति में हितकड किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्तासरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त मधि-विश्व के अवशाय 20-क वें परिभाषित हैं, वही अये होगा, जो छस ग्रव्याय में विया गया है।

अनु सूची

एक किता जायदाद नं० 86 पार्ट करनपुर रोध देहरादून में स्थित है जो कि 40,000/- छ० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सह्यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 18-12-1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० -------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० 1982-ए/दिहरादून/80-81—-ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा० से अधिक हैं

सं० मकान है तथा जो देहरादून में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय देहरादून में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 28-8-1980

कां पूर्णांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रिताल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का रूपित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिक्षा के लिए;

 लेफ्टिनेन्ट कर्नल पी० ए० एस० घुमान, 203 प्रताप चौक, देहली केन्ट-10।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विश्वनाय खन्ना पुत्र रायजादा परमानन्द खन्ना, निवासी टरनर रोड, किलेमेन्ट टाउन, वेहरादून।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक किता मकान एक मंजिला किलेमेन्ट टाउन देहरादून में स्थित है जो कि 80000/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, कानपुर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिश्चित व्यक्तिया अर्थात.——

तारीख: 18-12-1980

रु से अधिक है

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269**ष**(1) के **प**धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 9 दिसम्बर, 1980

निदश सं० 3094-ए/सहारनपुर/80-81—श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की श्रारा 269ख के अधीन सक्षम शाशिकारी गो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन बाजार मुख्य 25,000/-

ग्रौर जिसकी सं० व्लाट है तथा जो पटानपुर सहारनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 13-6-1980

के अधीन तारीख 13-6-1980 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे पह निश्चाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त अपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (त) अन्तरम सं दुई िकसो आय की बाबत, उक्त आध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिओं को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अद्वितियम की घारा 269-ग के धनुसरण ने, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :--

- (1) श्री खिरन्जी लाल पुत्र श्री खेमचन्द्र कारण जाति राजपूत पूशा मुलाजमत निवासी ग्राम चीनी डा० खानाव परगना इस्लामनगर, जिला बदायू। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री लाल सिह शर्मा पेशा विजनेस निवासी मुहल्ला गिल कालोनी, सहारनपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बार्य ≰रके पूर्वाक्त सम्पति के अर्<mark>ज</mark>न के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियो पर एचना की तामीज से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रजिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशंकन व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रामपन्न में प्रकाशन की तारी आप में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति झरा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा करन

स्पष्टीकरण: --- इनमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उसत र भित्र के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट श्राराजी रकवर्ष 500 वर्ग गज मुस्ता-विक $416-2\times3$ वर्ग मीटर जिसकी नाप उत्तर से वक्षिण तक 86 फीट 3 इंच श्रीर पूरब में पश्चिम तक 50 फीट 6 इंच मथराम्ना मुश्तरका जो श्राराजी नम्बर 5/11 बाके पठानपुरा सहारनपुर में स्थित है जो कि 50000 ६० का बेची गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख ' 9-12-1980

प्ररूप आई . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 3128-ए/सहारनपुर/80-81—श्रतः मुझे, बी० सी० चतर्वेदी

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान है तथा जो गिल कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पृर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-7-1980

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः--

- (1) सरवार गुरबल्धा सिंह, सरक्षार मेहर सिंह निवासी हकीकत नगर सहारनपुर हाल क्वाटर नं० डी० श्रामोक विहार फेस 1 दिल्ली नम्बर 52। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मन्तोष रानी पत्नी जोगेन्द्र सिंह निवासी जवाहर पार्क, बेहट रोड, सहारनपुर हाल गिल कालोनी, सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किया मकान गिल शालोनी सहारनपुर में स्थित है जो कि 35000 रु० में बेचा गया है।

> बी० मी० चतुर्वेदी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

दिनाक: 9-12-1980

प्रकप चाईं । टी • एन • एम • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारस सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 9 दिसम्बर 1980

निदेश स० 3127-ए/सहारनपुर/80-81--श्चत. मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो गिल कालोनी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहारनपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रयधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-7-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण ही कि एथापूर्वाक्त सपित्त का उचित बाजार गल्य, उस्पोर पिल्यान स, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की आधत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, आर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुतिधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- गरवार गुरश्वनन सिंह पृत्व श्री शरदार मोहर सिंह निवासी हकीकत नगर, महारनपुर हाल कुबाटर नम्बर डी०-90 श्रशोक विहार पेस बन दिल्ली नम्बर 521

(म्रन्तरक)

(2) श्री जोगेन्द्र सिंह खेडा पुत्र श्री गोकल चन्द्र खेडा निवासी जहावर पार्क वेहट रोड, सहारनपुर हाल गिल कालोनी, सहारनपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्तित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक किता मकान नम्बर 2/2431 गिल कालोनी सहारनपुर में स्थित है जो कि 35000 र० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख 9-12-1980

प्रस्त आई० टो० एत० एस०----

आयकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268 घ (1) के ग्रधीन नुषना भारत सरकार

कार्यानय, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 दिसम्बर 1980

क्षायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० मकान 14/76 (डी) है तथा जो निविल लाइन कानपुर में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 9-6-1980

को पूर्वांक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह शित्रास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्न्रण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, अबत अधि-नियम के सभीन कर देने के अम्तरक के वायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐती किसी अग्य या किसी धन या अन्य आहित मों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

श्रतः सब, उन्त मधिनियम की घारा 269-म के मनुसरण में, मैं, उक्त समिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→→

- (1) डा० बुजलाल अर्मा पुत श्री बिहारीलाल वर्मा निवासी व श्रीमती रमा वर्मा पत्नी इत् पृजलाल वर्मा खुद व बहैसियत संरक्षिका चि० देवेश वर्मा, श्रिनण वर्मा श्रवयस्क पुत्रगण डा० बुजलाल वर्मा सरवेश, व राजेश कुमार वर्मा पुत्रगण बुजलाल वर्मानि 1476 डी, सिविल लाईन कानपुर, हाल निवासी 10 स्टेशन रोड, इलाहाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मुलेखा सिंह पत्नी रणबीर सिंह निवासी 126/51 फीलखाना कानपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपक्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों घीर पदों का, जो अक्स ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अक्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

एक किता जायदाद नि० 14/16 डी, बाके सिविल लाइन कानपुर जिसका रकवा 500 वर्ग गज है जो कि 2,25,000/- रु० में बेची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानप्र

तारीख: 15-12-1980

प्ररूप आइ दी एन एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 प्रक्तूबर, 1980

निदेश सं० 538/म्रर्जन/मेरठ/<math>80-81—मृतः मृह्में, बी० सी० मृत्येदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीश सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उजित बाजार मध्य 25,000/- रा में अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो सुरीर बिजऊ बड़ा निवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय माट में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीखा 15-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घीर अन्तरिती (अन्तरिति में) के बीज ऐन अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कन निम्नलिखन उद्देश में उका अन्तरण निखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दाधिस्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 ता 11) या उकत अधितियम, या धनकर अधितियम, या धनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनूसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--6—446GI/80 (1) श्री कृष्ण मुरारी पृत श्री मदन मोहन निवासी कटरा इलाहाबाद खमेण बहादुर मुन्मिफ मजिस्ट्रेट जिला भेरट, बालसुरम पुत्र श्री मदन मोहन निवासी कम्त्रा मुरीर बिजऊ बहा सुरीर जिला मथुरा। शिक्षा-विभाग-7 लक्ष्मीकान्त गुप्ता सेक्रेटरीएट लक्ष्मऊ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनीणकर पुत्र स्व० डालचन्द्र व 2. राज बहादुर, 3 जयबहादुर पुत्रगण भोला णंकर, निवासी कस्बा सुरीर बिजऊ तहसील माटे, जिला मधुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों रह सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-द्या दिली प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदो का, जो एक्स अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक किता प्लाट कस्बा बिजऊ तहसील माट जिला मथुरा में स्थित है जो कि 18000/- रु० का बेचा गया है।

> बी० मी० चतुर्वेदी, सक्षम ग्रिघिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुवन (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 21-10-1980

प्ररूप आहें. टी. एन एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायां लिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 21 ग्रक्तुबर 1980

निर्देश सं० सी/1795-म्पर्जन/80-81/मेरठ--म्प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कोठी नं० 276/277 है तथा जो सिविल लग्इन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 17-9-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विध्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त मंगीत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिविक कप से किथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपगारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों संभातः— (1) श्री ग्रर्जुनदास बैजल पुत्न ग्रमरदास बंसल व श्री किंगनदास बन्सल कर्मा संयुक्त हिन्दू स्वयं व श्री लक्ष्मण दास बन्सल व श्री बीरेन्द्र दास बंसल पुत्र श्री ग्रर्जुनदास बन्सल नियामी 163 मिविल लाइन्स शहर मेरठ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अनूप सिंह मेम्बर मिलक सर्विस कमीशन उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद पुत्र श्री बिशन सिंह व कुमारी कल्याणी सिरोही पुत्री श्री अनूप सिंह उपरोक्त निवासी हाल इलाहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्थक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनु सुची

हमगी व तमामी कोठी नम्बर 276-277 हाल नं० 162 बाके सिविल लाइन्स मेरठ जिसका क्षेत्रफल 350 मीटर है जो कि 150,000/- रु० में बेचा गया है।

> बी० मी० चनुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-10-1980

प्ररूप बाहै ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजीन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 21 श्रम्तूबर 1980

निर्देश सं० 1794-ग्रर्जन/मेरठ/80-81—श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो तहसील ग्रलीरजा मेरठ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुधी) ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10-9-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्ष्येय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) पेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित स्यक्तियों, अर्थातः ---

- (1) श्री सुरेश कुमार मेहता पुत्र श्री श्री राम किसन मेहता, साकिन ताम्रलीरजा शहर, मेरठ। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री रघुबीर सिंह नन्दा निवासी रौनक पुरा, शहर मेरठ। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्रची

एक किता मकान नम्बर 132 ता० 138 हाल नं० 42 मय भाराती तहती रकवई 120 मुख्या गज बाके छताभ्रली रजामेर शहर में स्थित है जो कि 35000/- ६० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेवी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 21-10-1980

प्ररूप आर्थ ० टी० एन० एस० 🕶

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981 खदेव

निदेश सं० चण्डीगढ़/41/80-81---श्रतः मुक्षे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान नं० 100 है तथा जो सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (स्रोर इससे उराबढ़ प्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्गालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अजीत सिंह सुपुत श्री सुन्दर सिंह रेलवे रोड, कुरूक्षेत्र।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री लाल सिंह रिहायणी मकान नं 100 सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
- (3) 1. श्री जोगिन्द्र सिंह 2. श्री रछपाल सिंह मकान नं 100 सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांक् भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के भास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

रिहायगी मकान नं॰ 100 सेक्टर 33-ए चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 183 मई, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

नारीख: 13 जनवरी, 1981

मोहर ।

प्ररूप गाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीत मूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लिधियाना

लुधियाना, दिनाक 13 जनवरी, 1981

निर्देश सं० लुधियाना/51/80-81--- अत मुझे, मुखदेव चन्द अप्रायकर ग्रिप्तिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धार। 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है भ्रौर जिसकी मं० मकान न० वी-20-114 है तथा जो बाबा बालक नाथ मन्दिर रोड, घुमार मण्डी, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के क्यालिय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) **प्र**धीन, तारीख मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पर्शि के उचित बाजार मुख्य मे कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मंत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत अधिक है गौर अन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया भया 🗦 :----

- (क) मन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपनारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री नन्द लाल सुपुत्र श्री णाम लाल मार्फत श्री मुरिन्द्र मोहन सुपुत्र श्री ग्रमरीक चन्द रिहायशी चौड़ी सडक, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लखिवन्दर कीर पत्नी श्री राजिन्द्र सिंह मकान नं० बी-20-115, बाबा बालक नाथ मन्दिर, घुमार मण्डी, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर**के पूर्वोक्**त सम्पत्तिके **प्रजं**न के रिष्ठ कार्यवाहिया करना हुं।

उका सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामोत्र से 30 दिन की प्रविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इन म्चना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थायर सम्यक्ति में हितखब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जी सकींगे।

स्पक्ष्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खबरा अधि-नियम के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं० वी-20-114, घुमार मण्डी, बाबा बालक नाथ मन्दिर रोड, ल्धियाना।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 1166, मई, 1980 में दर्ज है।)

> सु**खदेव चन्द,** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 13 जनवरी, 1981

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 8 जनवरी 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/48/80-81---प्रतः मुझे, सुखदेव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 212, है तथा जो सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उराबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रश्यमान प्रितक्तल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, कि लिखित है से अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का जिए; जौर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1' के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री सितन्द्रपाल सिंह पाठिजा पुत्र श्री हरबस सिह पाटिजा, निवासी मकान नं० 211. सेवटर 33-ए, चण्डीगढ़ द्वारा श्रीमती हरजिन्द्र कौर पुत्री श्री णमशेर सिंह, अनूप निवास, ध्री गेट, संगरूर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री तरलोक सिंह नाग पुत्न डा० किशन सिंह सुपरिटैण्डिंग इन्जीनियर, थीं डैम सर्कल, पोस्ट बाक्स नं० 12, पठानकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप:--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाट नं० 212, सेश्टर 33-ए, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 233, मई 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

नारीख: 8 जनवरी, 1981

मोहरः

प्रक्रप पाई• टी० एन० एस०-----

अ।प्रकर अधिनियम, 1961 (193) का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन পুশ্ব

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनाक 13 जनवरी 1981

निदेण स० चण्डीगढ़/36/80-81—अत मुझे, सुखदेव चन्व आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया '), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25000/- ६० में अधिक है और जिसकी स० प्लाट क्षेत्रफल 1600 वर्ग गज है तथा जो तर्फ पीक बन्धा, लुधियाना में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

मई 80
को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य
उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से :ई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के धक्षोन और पेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अपने एकन व सविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन पा प्रत्य झास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 19.22 (1922 का 11) या उक्त बर्धिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उना अवितिया की धारा 269-म के भनुसरण मे, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तनिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री हरदेव सिंह सुपुत्र श्री ग्रमर सिंह रिहायशी 164-1 सराभा नकर लुधियाना मार्फन श्री रिजन्द्र पाल, रीडर ग्राफ दी कोर्ट ऑफ जी० मी० वेदी, सब जज लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रिबेल सिंह सुपुत्र श्री जीत सिंह रिहायणी 3-ए, शास्त्री नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **बर्जन के लिए** कार्यवाहियाँ करता हूं।

खनन सम्पति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **पाक्षे**प :---

- (क) इस सूचना के राजन व में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भातर प्वॉन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंगे।

स्वब्होकरण '---इसमें प्रपृक्त शब्दों और पदों का, जो न्कत अधिनियम के मध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1600 वर्ग गज है तर्फ पीरू बन्दा पीछे बस स्टैण्ड, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख सच्या नं० 899 मई, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 जनवरी, 1981

मोहर.

बक्प आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/46/80-81--श्रतः मुझे, सुखदेव

चन्द

वासकर व्यधिकियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा सं अधिक है और जिसकी सं०

गोदाम मं० 183, है तथा जो दाना मण्डी चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1980

की पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का बिश्व बाबार मृत्य, उसके द्रुव्यमान प्रतिकल से, एसे द्रुव्यमान प्रतिकल का पन्तद्र प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाण गया प्रतिकल मिमलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, शक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (*) ऐसी किमी आय या किसी धन या धन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आभक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के क्लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों अर्थात:--- (1) श्रीमती दर्शना देवो पत्नी श्री श्रोम प्रकाश, रिहायशी एस० सी० एफ० न० 20, सैक्टर 18 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) साबित्नी देवी पत्नी श्री मदन गाल गौरी, मकान नं० 3075, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(म्रन्तरिती)

(3) श्री मदन लाल गावरी, गोदाम न० 183, दाना मण्डी, चण्डीगढ़।

> (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है।)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति की अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील ले 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संभापत होती हो, के भीतर पूजांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्टिंग।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में सिया गया है।

मन्स्ची

मकान नं० 183, दाना मण्डी चण्डीगढ़ मे स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 194, मई 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुक्षियाना

तारीखा: 13 जनवरी, 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कोठी नं० 273-श्रार, म्युनिसिपल नं० बी-18-737) है तथा जो माडल टाइन लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाकत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत म अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) क बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अधीतः -- 7—446GI/80

- (1) श्री करम सिंह सुपुत्र श्री सन्ता सिंह रिहायशी गुरु नामक देव यूनिवर्सिटी, श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी श्री हन्स राज रिहायशी 893/23, लिम्क रोड, लुधियामा। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकीये।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 273-धार० (मकान नं० बी-18-737, भाडल टाऊन लुधियाना।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या नं० 673 मई, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, सुधियाना

तारी**ज:** 13-1-1981

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूर्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1981 निदेश सं० चण्डीगढ़/123/80-81—श्रतः मुझे सुखदेव चम्द

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 11 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव बहुलाना, यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थति:-- (1) श्री उत्तम सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह व श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री हजारा सिंह द्वारा उनकी श्रटारनी श्री सेवक सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह, निवासी गांव मानकापुर, तहसील राजपूरा, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री देविन्द्र सिंह मान पुत्र श्री निरंजन सिंह मान निवासी मकान नं० 516, सेक्टर-16, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करी तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 कनाल, 14 मरले गांव बहुलाना, यू० टी० चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मं० 684, जुलाई, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 जनवरी, 1981

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 18 कनाल 4 मरले है तथा जो गांव बहलाना, हाउस एच० बी० नं० 331, यू० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हा अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री उत्तम सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह निवासी गांव बहुनाना यू० टी० अण्डीगढ़ ग्रव गांव मानकपुरा, तहसील राजपुरा द्वारा जनरल पावर ग्राफ श्रटारनी श्री सेवक सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह निवासी गांव मानकपुरा, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० एस० मान पुत्र श्री निरंजन सिंह व श्रीमती श्यामा मान पुत्री श्री जी० सी० वहल मकान नं० 516, सेक्टर 16, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पडितकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अन्स्ची

भूमि क्षेत्रफल 18 कनाल 4 मरले गांव ^{वि}ह्लाना यू० टी० चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता घिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मंख्या नं० 443, मई 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 जनवरी, 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981 निदेश सं० चण्डीगढ़/122/80-81—भतः मुझे सुखदेव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दोजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० जायदाद 18 कनाल 3 मरले है ततथा जो गांव बहुलाना यू० टी० चण्डीगढ में स्थित है (श्रीर इसमे पाबद प्रतुप्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख को पूर्वांक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रींक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती अन्तरितां। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रोमती सवरन कौर सुपुती श्री हजारा सिंह द्वारा मुख्स्यारे ग्राम श्री सेवक सिंह सुपुत्र श्री हजारा सिंह रिहायशी गांव मानकपुर तहसील राजपुरा, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देविन्द्र सिंह मान और नरेन्द्र सिंह मान सुपुत्र श्री निरंजन सिंह मान रिहायशी मकान नं० 516, सेक्टर-16, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, तहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनु**सूची**

जायदाद 18 कलाल 3 मर्ले गांव बहुलाना, संघीय क्षेत्र चण्डीगढ़।

(जायदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 692 ज्लाई 1980 में दर्ज है।)

मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-1981

प्ररूप आर्झ टी एन एस ------- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनाक 13 जनवरी, 1981 निदेश सं० चण्डीगढ/54/80-81-----श्रत मुझे मुखदेव चन्द

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पनि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स् श्रिक है

श्रौर जिसकी म० प्लाट न० 2293 सेक्टर 35-सी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1980

(1908 का 16) के अधान, ताराख मह, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोकन समानि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्ततिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिवियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने मे सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसो बन या प्रन्त आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधाननम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उत्त यिधितियम को धारा 269-ग है प्रतृतरम में, में उक्त अधितियम, को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः --- (1) श्री हरनाम सिंह सुपुत्र स० हरदियाल मिह निवासी प्रकान न० 4722/3 पटेल रोड श्रम्बाला मिटी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सोहन सिंह सुपुत्र श्री मेहर सिंह निवासी मकान न० 1396, सेक्टर 23-बी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दी ग्रीर पदो का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है '

अनुसूची

प्लाट न० 2293 सेक्टर 35-सी चण्डीगढ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ के विलेख स० न० 263 मई, 1980 में दर्ज है।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना।

दिनांक 13 जनवरी, 1980 मोहर: प्रस्य धाई० डी० एत० एत०---

श्रायकर श्रोधनियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा

269-घ (1) के **अधीन सूच**ना

भारत सरकार

कायनिय, सङ्गान ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

चण्डीगढ, दिनाक 13 जनवरी 1981

निदेण सं० सी० एच० डी०/62/80-81 अतः मुझे सुखदेय चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार् उबत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशान नक्षन प्राध्यका कि को पर विषयान करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिनका उचित बाजार भूल्य 25,000/- स्प्यं से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी स० मकान न० 2184 है तथा जो सेक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपावक ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चण्दीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 5/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृत्रयमान प्रतिफल से ऐसे वृत्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तथ पात गया प्रतिभन्न निम्नलिखित उद्देश्य से उना प्रस्तरण लिखिन में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रम्लरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त शिवः हुँनियम के घडीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ्में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; धूपीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वृजाना चाहिए था, छिकाने में सुविधा के जिए;

भतः, मय, उक्त पश्चिमियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अविनियम की धारा 269-व की उपज्ञारा (1) के सबीम, निक्निलियान व्यक्तियों, प्रचौत :---

- (1) श्री गुरप्रताप सिंह बराड सुपुत्र श्री जगत सिंह रिहायणी मकान न० बी-XII-69 हरिन्द्रा नगर फरीदकोट।
- (2) श्री रोधन लात गर्मा सुपुत्र श्री लक्ष्मण दास शर्मा निवासी 22, सेन्ट पाल'ज रोड सलो (वेरकस) यू० के० मार्फत मुख्यारे-ग्राम श्री हरनेश कुमार शर्मा सुपुत्र मोहन लाल रिहायशी मकान नं० 708, सेक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।
- (3) श्री एस० के० णर्मा, मकान नं० 2184, सेक्टर 21-सी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्ठिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकन सम्पत्ति के श्राजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन पर्वात के अर्जन के नम्बन्ध में कोई नी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपात में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखांस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरगः -- इपमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के ग्रह्माय 20-क में परिमालित हैं, वही धर्म तोगः, ता उस प्रश्वात में दिया गया है।

भ्रनुसूची

मकान नं० 2184 सेक्टर 21-मी चण्डीगढ में स्थित है।)

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं॰ 323, मई 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 जनवरी, 1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/49/80-81----- प्रतः मुझे सुखदेव नन्द

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० गोदाम नं० 163 है तथा जो िन मार्केट चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इसस उपाबद्ध धनसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त नंगत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसने दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरित्यों) के बीत ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत उक्त मिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस : अब, उक्त ग्रिंशियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, छक्त ग्रिंशिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, गिम्नीलिखिस व्यक्तियों, अधीस :——

- (1) श्री बलबीर सिंह कन्डा सुपुत्र श्री भगत सिंह निवासी मकान मं० 14/सेक्टर 9-चण्डीगढ़। (भन्तरक)
- (2) श्री जोगी राम सुपुत्र श्री धनवारी लाल श्रीर श्री राम धनतार सुपुत्र श्री बाबू राम निवासी 167, ग्रेन मार्केट चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

- (3) 1. श्री नारिंग स्टोर
 - 2. निम्को वाच कं०
 - 3. श्री सोहन लाल
 - 4. श्री सुभाष चन्द्र
 - 5. श्री राना
 - श्री धनी राम सभी रिहायशी 163, ग्रेन मार्केट, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के
 पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त प्रधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुखी

गोदाम नं० 163 ग्रेन मार्केट चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० 235 मई 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

ज्ञाय्कर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

काय्रांशय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/108/80-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिमका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या रिहाईशी प्लाट नं० 1158, सेक्टर 33-सी चण्डीगढ़ में स्थित है तथा जो (श्रौर इससे उपाबन्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ मे , रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16 के भ्राधीन, तारीख ज्न, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का लारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जनतंत्रण से हुई किसी आय की बाबत उक्त शिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उस्से ब्लने में सुविधा के लिए; शिक्ष/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जला चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भ, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु—— (1) विंग कमाण्डर ए० एस० भ्रहलुवालिया सुपुत्र श्री प्रतापिंसह निवासी डी-302, सर्वोदय एनकलेव नर्ष दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश कौर परनी श्री फकीर सिंह निवासी मकान नं० 1147, सेक्टर 33-सी, चण्डीगक । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

शन्स्यी

प्लाट नं० 1158,, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ (जायधाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 619, जून 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिघियाना ।

तारीख: 13-1-81

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/111/80-81----श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 3583 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबन्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,1908 (1908) का 16 के ग्रधीन, तारीख जून, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण मे, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिए व्यक्तियों वर्थात्:-- _ 8--446GI/80

- (1) श्री गुरचरनजीत शर्मा सपुत्र श्री पं० हंसराज मकान नं० 320/12, गली नं० 5, शरीफपुरा श्रमृतसर मार्फत मुख्येरेग्राम श्री सुशील कुमार जैन सुपुत्र श्री देशराज निवासी मकान नं० 1693, सेक्ट -34 श्री० चण्डीगढ़।
- (2) श्री सुरजीत सिंह सपुन्न श्री तुलसा सिंह निवासी मकान नं XVII 2579, जम्मू कालोनी, लिक रोड, लुधियाना ।

(ग्रंतरिती)

(,ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्तों का, जो एक्त श्रिक्ष-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

भनुसूची

मकान नं० 3583, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० 632 जुन, 1980 में दर्ज हैं।)

> सु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीझक्षण) श्र**जं**न रेंज, सुधियाना

नारीख : 13-1-81

प्रस्पि जाई .टी !एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाँरी 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक आयेकर आयेक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जंन रेंज, लुक्षियाना लुक्षियाना, 13 जनवरो, 1981

निदेश सं० लुधियाना/44/80-81/—-श्रतः भुक्षे, भुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम 'प्रीविधंकारी को यह विधंवास करने का कारण हैं कि स्थविर सम्बद्धित, जिसेका धिकत बाजार मूल्य 25,000/- रु. 'से अधिकारहैं

ग्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग जायदाद खनी हुई फ्लाट नं० 2 है तथा जो माना सिंह कालोनी, पखोबाल रोड, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908) का 16 के ग्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उंचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तिरित 'की माई' हैं 'और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तिरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-केर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः नव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती रामप्यारी पत्नी केसर दास पुद्ध श्री कन्यो राम व श्रीमती शाहनी बाई विधवा पत्नी श्री रमेश चन्द, कृष्णा रानी, सुमिक्षा देवी पुलियां श्री सीताराम निवासी वी-11-55, वारऊन रोड, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

(2) सं इन्द्रजीत सिंह मांगट पुत्र श्री साधू सिंह निवासी गांव वेगोवाल जिला लुधियाना मार्फत सिविल हस्पताल लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

क्ये थाह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त श्रुक्तें और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसू**ची**

बनी हुई जायदाद का 1/2 भाग प्लाट नं० 2 , माना सिंह कालोनी. पखोवाल रोड, लुधियाना । (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी लुधियाना के कार्याक्य के विलेख संख्या नं० 1087, मई 1980 में दर्ज है ।)

> मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना।

तारीख: 13-1-81

प्ररूप आई .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981

निवेश सं० लुधियाना/39/80-81/--ग्रतः मुझे, सुखदेव भन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव मकान नं बी-XVII-356, है तथा जो भारत नगर लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण कैंप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनियम,

1908 (1908) का 16 के प्रधीम तारीख मई, 1980 को पूर्भीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रूरथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती बलवन्त कौर पत्नी श्री बलदेव सिंह निवासी बी-17-356, भररत नगर चौक, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री राणा प्रताप सिंह पुत्न श्री नन्द सिंह निवासी गांक प्रताप पुरा, तहसील फिलीर जिला जालन्धर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वा कत सम्मरित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयुक्तियों घर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-17-356, क्षेत्रफल 212 वर्ग गज, भारत नगर, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० नं० 971, मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्रापिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, सुधियाना ।

तारीख: 13-1-81

मोहर 🖺

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)_, श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० लुधियाना/60/80-81/—-भतः भुमे, सुखदेव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 490 (जी- नं० बी-18-565/बी है तथा जो माडल टाऊन, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय , लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन, तारीख जुन, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस्प से कश्थित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिस-नियम के घडीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री तेजासिंह पुत्र श्री निहाल सिंह निवासी कोठी नं 490, माङल टाऊन, लुधियाना । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नी श्री हरजीत सिंह निवासी 490, माडल टाऊन, लुधियाना ।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पास के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संग्रत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 490 (मकान नं० बी-18-565), माडल टाऊन, के विलेख संख्या नं० 1262, जून 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 13-1-81 मोहर : प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनॉक 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/63/80-81/---श्रतः मुझे, सुखदेव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० रिहाईशी प्लाट न० 309 है तथा जो सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रीधनिउतारीख जून, 1980

को पूर्वा कर सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायत्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों अर्थातः-- (1) कर्नल वरिन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री बलवन्त सिंह हैडक्वार्टर्स-2, श्रामंश्रोडं ब्रिगेड, मार्फत 56 एपीश्रो द्वारा उनकी जनरल पायर श्राफ श्राटारनी श्री दल-जीत सिंह मान पुत्र श्री तेजासिह निवासी मकान नं० 3059, सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जनक भ्रहलुवालिया पत्नी श्री डी० एस० भ्रहलुवालिया, पुत्र श्री जज्जा राम सिह भ्रहलुवालिया, श्री सुनील भ्रहलुवालिया पुत्र श्री डी० एस० भ्रहलुवालिया निवासी 88, महाराणा प्रताप रोड, भ्रम्बाला कैंट ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

रिहाईगी प्लाट न० 309, सेक्टर 33 ए, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या न० 330, मई 1980 में दर्ज है)।

> सखवेव चन्द उक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 13-1-81

प्ररूप प्रार्हे । टी । एन । एस ---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, विनांक 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० लुधियाना/40/80-81—-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से भिधिक है,

श्रीर जिसकी संख्या एस० सी० एप नं० 42 है तथा जो फेज-1, सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण, श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन, नारीख मई 1980

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की मा है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त स्थिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. तिम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिलित में बास्तिक रूप ने किया नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण स हुई किसो आय की बाबत, धक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे प्रधीन निम्नानिश्वित व्यक्तियों, प्रणीत'— (1) श्री राजपाल सिंह पुत्र श्री केहर सिंह 80-जे, सुभाष नगर, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री सोहन लाल निवासी टी-51, रेलवे कालोमी, लुझियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास तिबित में किए जा सकेंगे।

स्पवटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो एक्त श्रिश्वितयम, के श्रीष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो एस श्रष्ट्याय में विया गया है।

अमुसुची

एस० सी० एफ नं० 42—फेंज I, सुभाष नगर, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख मंख्या नं० 984 मई 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**ः13-1-81 मोहर प्रकप आई'.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिमांक 13 जनवरी, 1981 निदेश सं० एमकेएल/17/80-81—श्रतः मुक्षे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि 7 बीघे 12 बिस्वे है तथा जो गांध सदरा बाड मालेर कोटला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मालेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वो क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवभा के लिए;

अत्तः अत्वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री सुरजीम सिंह पुत थी इन्दर सिंह निवासी गाव सादरा बाद, मलेरकोटला ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेररज नाभा पेपर मिल्ज प्राइवेट, लिमिटेड, धुरी रोड, मलेरकोटला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**त्रुची**

भूमि क्षेत्रफल 7 बिघे 12 बिस्वे गांव सावरा बाद तहसील मलेरकोटला । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मलेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1163 मई 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लुधियाना

नारीख : 13-1-81

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजँन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० एम के एल/18/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की पह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 7 बीघे 12 बिस्वे हैं तथा जो गांव सराबाद नहसील मलेरकोटला 117 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई 1980

को पूर्जोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्जोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यकान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखिट के प्रतिक्त इप से क्षित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अबः उपत बिधिनियम की धारा 269-ग के अमुक्तरण में, मैं, उपत अधिनियम की बारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री साधू सिंह पुत्र श्री उन्दर सिंह निवासी सदराबाद, तहसील मलेरकोटला ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स नाभा पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, धुरी रोड, मलेरकोटला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के सर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की प्रवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वो का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रष्ठोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पक्ति श्राप्त शब्दों और पदीं का, को अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित है, वही पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुधी

भूमि क्षेत्रफल 7 बीघे 12 बिसवे गांव सदरा बाद तहसील मलेरकोटला ।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मंलेरकोटला के कार्यालय के विलेख सं० नं० 1164 मई 1980 में वर्ज है)।

> मुखदेव चन्द मक्षम प्राधिगकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-1981

प्ररूप ग्राई० टी०ए८०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के घंधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० डी० बी एस०/5/80-81--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के धधीन समम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिन्त बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 कनाल 5 मरले है तथा जो गांय लोहगढ़, तहमील डेरा बसी में स्थित है (और इससे उपावज ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, डेराबमी मे, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की नावत सकत अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कभी करने या उबसे वजने में सुविधा के शिए। ग्रीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयागनायं घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।— 9—446GI/80 (1) श्री महिन्द्र मिह, श्री गुरवचन सिंह पुत्र नत्था मिह उर्फ नत्थ् निवासी गांव लोहगढ़, तहसील डेरा बसी ।

(प्रन्तरक)

- (2) श्र्यं। जसवीर सिंह सोनी पुत्र श्री तेणा सिंह नियामी मकान नं० 3376-32 डी० खण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रं। गुरमुख सिंह मीनी पुत्र श्री तेजा सिंह विग नं 127, जी० छव्ल्यू० डी०, ए पोक्सन 3231 मुदा गली बगदाद, ईराक ।
- 3. (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **अर्जन** के लिए कार्यवाहियों करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहक्साक्षरी के पास
 जिख्य में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण !--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची]

भूमि क्षेत्रफल 6 कनाल 5 मरले, गांव लोहगढ़ तहसील डेरा बर्सी, जिला लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधनारी **डेरा बसी** के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 108 मई 1980 में दर्ज है)।

> मुख**देव चन्य** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्र**क्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख** 13-1-81 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
श्रर्णन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० ए० एम० एल०/14/80-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भ्मि क्षेत्रफल 5 वीघा 1 विस्वा है तथा जो गांव जसरां सब तहसील श्रमलोह में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्यों कर संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रो जोरा सिंह पुत्र जगत सिंह, निवासी गांव जहरां सब तहर्माल ग्रमलोह, जिला पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्ज अप्रवाल स्टील रोलिंग मिल्म व मैंटल इण्ड-स्ट्रीज, श्रमलोह रोड, मण्डो गोबिन्दगढ़-147301 पंजाब ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृतित के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 5 बोघा 1 बिस्वा गांव जसरां सब तहसील श्रमलोह ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 199, मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्दः सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-81

प्ररुप धाई • टी • एम • एस •---

आयकर समिनियम, 1961 (1971 का 43) की धारा 269-म (1) के समीन सचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी, 1981 निदेण सं० एस श्रो एल/1/80-81—-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख का धिकीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० भूमि क्षेत्रफल 1628 वर्ग माटर है तथा जो लोबर बाजार, सोलन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनु-सूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकतां अधिकारी के रायिष्य, योलन में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनिष्कर, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख जून, 1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए स्थ पाया गया प्रतिफल क्य से किथत नहीं किया गया है दिन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कर्ने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; आहेर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रव, उस्त ग्रमिनियम की धारा 269-न के प्रमुखरण में, में, उक्त ग्रमिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्नशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रांमता कलावता कश्यप विधया पत्ना श्री बो॰ एन० कश्यप, निवासा 11-के-84, साजपत नगर, नई दिल्लो-24 द्वारा उभकी ग्राटारनो श्री विजय कुमार पुत्र नानक बन्द निवासी 83, गंज बाजार, सोलन (हि॰ प्र॰)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा शोला चन्द्रा पुत्र श्रा नानक चन्द स्वाधय, ग्राश्रम, दो माल, शिमला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुजना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बग्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर न
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए चासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त घछि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहां धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि क्षेत्रफल 1628 वर्ग मीटर लोयर बाजार, सोलन ।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारो मोलन के कार्यालय के विलेख सं० नं० 183, जून 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी चेहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रैंन, लुधियाना

तारीख: 13-1-81

प्रकृप धाइवटी । एन । एस ।-----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, लुधियाना लुधियाना, 13 जनवरा, 1981

निदेश स० चण्डोगढ़/60/80-81—म्प्रत. मुझे, सुखदेव

चन्द

आयकर धिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

मीर जिसके। स० रिहाईशः। व्लाट न० 357, है तथा जो सैक्टर 35-ए चण्डागढ में स्थित है और इसग उपाबढ़ मनुसुष। में मीर पूर्ण रूप स विणत है,), रिजस्ट्र वर्ता मिन्सिम, कारा के कार्यालय, चण्डागढ़ से रिजर्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख मई, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के छित्तर बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित का गई है और मुन्न यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सपत्ति का छित्तत बाजार मूल्य, छसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) धीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किया आय की बाबत, धक्त मिल्लियम, के अधीन कर दो के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के निए;

अत: तब, उनत यांचिनियम की धारा 26% ग के बबुधरण में, मैं, उनत वांचिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रा राज्निद्ध सिंह सन्धु पुत्र श्रा किणन सिंह सन्धु मकान न० 1534, सैंक्टर 18 डा०, चण्डागढ़ द्वारा उसको जनरल पावर प्राफ ग्राटारनी श्री नारिन्द्र सिंह दिल्लो गांव व डाकखाना भिण्डर वाया राया तहसाल व जिला श्रम्तसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केहर सिंह पुत्र थे। मसताब सिंह, मकान न० 1349, सैक्टर 34-सा०, चण्डीगढ़। प्रबंसकान न० 354, सक्टर 35-ए, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजैन के सबध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतरपूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थे होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

रिहायशो प्लाट न० 357, सक्टर 35 ए, चण्डीगढ़। (जायबाद जैसा कि रिजिस्ट्रीनर्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सख्या न० 305, मई 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द , सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, लुधियाना

तारीख : 13-1-81 मोहर : प्ररूप भाई • टी • एन • एस • →

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, 13 जनवरी 1981

निदेश सं० लुधियाना/श्रार/19/80-81~-श्रतः मुझे, सुखदेय चन्द आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मृस्य 25,000/- घपये से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि क्षेत्रफल 3-8-17 बीघा है तथा जो गांव दाद तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीप इमग उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्राकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधान तार्य ख जून 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदृश्य से उन्त अन्तरम लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उनत अधिनियम की बारा 269-म के भ्रनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की घारा 269-म की उपमारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---- (1) श्रो दलोप सिंह पुत्र श्रो नारायण व श्री गुरनाम मिंह जरनैल मिंह पुत्र श्रो गीता निवासी गांव दाद, तहसील लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जंगी लाल घोमवाल पुत्र श्री विद्या सागर ग्रोसवाल निवासी छुमार मन्दिर, लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति बारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरग: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीरपदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3.8.17 बीघा, गांव दाद, तहसील लुधियाना ।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2498, जून 1980 में वर्ज है।)

> सुखदेय चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रैंज, लुधियाना

तारीख : 13-1-81

प्रकप बाई•टी•एन•एस•---

आयकर **मधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के मधीन सुचना

थारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना,13 जनवरी 1981

निदेश सं० चण्डोगढ़/67/80-81—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर ग्रविनियम. 1961 (1961 फा 43) (जिसे

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीनत बाजार मूह्म 25,000/- ६० से ग्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० रिहायणा मकान नं० 3189 है तथा जो सेक्टर 28-डी, चण्डोगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डोगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, मई, 1980

की पूर्वीकृत सम्पत्ति के छनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक बृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत सिक्षक है भीर सन्तरफ (सन्तरकों) भीर सन्तरिती (सन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया यया प्रतिफल; निम्मलिखित विदेशय से उक्त सन्तरण निखित में बास्तविक क्य से किशत मही किया गया है म्या

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या धरसे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः। अब, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त श्रीधिभियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्र. कुपाल सिंह सपुत्र श्र. जगत सिंह निवासः मकान नं० 653, इण्डल्स्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केंदार नाथ सेठो मपुत्र श्रो ज्ञान चन्द सठी, श्रोमती णकुन्तला सेठो पत्नी श्रो केंद्रार नाथ सठो निवासो 3189, मेक्टर 28-डो, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारो करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो 'उक्त श्रीयनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, क्षेत्रो अथ हाना जा उस श्रद्भाय में दिया एपा है!

अनुसूची

मज्ञान नं० 3189, सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी चण्डोगढ़ के के विलेख संख्या नं० 388 मई 1980 में दर्ज हैं।)

> सुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी 1981

निदेश मं० के एन एन/11/80-81—-प्रतः मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जायदाद 3 कताल 6 मरले के साथ है जो खन्ना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूर्वः में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रेक्ति श्रीधकारी से कार्यालय खन्ना में रिजस्ट्रेकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिलत उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्निसन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्राः जयपाल सपुत श्राः शिवराम खन्ना । (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स, इस्पात उद्योग खन्ना। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद के साथ 3 कनाल 6 मर्ले जगह (जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी खन्ना के विलेख मई 1980 में दर्ज है ।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारोख : 13-1-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, आयकर भवन, लुधियाना लुधियाना, 13 जनवरी 1981

निद्देश सं्सी. एच. डी./47/80-81--अतः सुखदेव पन्द *भायकर अ*धिनियम, 1961 (1961 का 43) **(**जिसे **इ**समें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित दाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या रिहायशी प्लाट नं. 1553 है तथा जो सैक्टर 34-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसुची मे और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीस मई 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और घन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत जक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतःअब, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) लै. क. गुरप्रीत सिंह सपुत्र मेचर रधुवीर सिंह मार्फत श्री बस्सी सिंह डी/1059, न्यू फ्रोन्डज कोलोनी, न्यू दिल्ली ।

(अंतरक)

(2) डा. वलवन्त राय औन सपुत्र श्री कर्म चन्द जैन डा. मिसेज सुधा जैन पत्नी श्री वलवन्त राय जैन मार्फत श्री औ. पी. जैन, मकान नं. 2247, सैक्टर 21-सी चण्डीगढ़। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-वद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्राध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं . 1553, सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख सं . नं . 231 मर्ड 1980 में दर्ज हैं) ।

> सुखदेव घन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, लुधियाना ।

तारील ः 13-1-81 मोहर ॥ प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस●----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रैंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी 1981

निदेश मं० केएनएन/20/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल है तथा जो खन्ना कल, जिला लिधियाना में स्थित

है (श्रीर इससे उपाषद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, खक्षा में, रिजस्ट्री करण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, जून 1980 को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वार कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उमके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की मायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधील, निक्तिलिक्षित व्यक्तियों अर्थात:—— 10—446GI/80 (1) श्रोमती जागीर कौर माता श्री भूपिन्दर सिंह, निवासी वार्ड नं० 9, मकान नं० 164, खन्ना कलां, लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह निवासी वार्ड नं० 12, माजल टाऊन, खन्ना । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्तु सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अवस्में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्वव्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि क्षेत्रफल 8 कनाल खन्ना कलां, लुधियाना । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खन्ना के य के विलेख संख्या नं० 832 जून 1980 में दर्ज हैं ।)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारः महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारी**ख**:13-1-81

प्रकथ धाई• टी• एन• एस•--- ---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रैज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निवेश सं० बीक्षीएस/5/बी/80-81—श्रतः मुझे, सुख्येव चन्द

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

मीर जिसकी मंख्या भूमि क्षेत्रफल 1 कनाल 15 मरला है तथा जो गांव लोहगढ़ डेरा बमी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् भूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, डेरा बसी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से पिष्ठक है पीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उन्तर अन्तरक लिखित में वास्तिक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घ्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अण्य मास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अन, उन्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्वातः--

- (1) श्री मोहिन्दर सिंह, गुरचरन सिंह पुत्र श्री नथा सिंह उर्फ नथू निवासी गांव लोहगढ़, डरा बसी। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री नारन्जन सिंह निवासी खिजर गढ़, डेरा बसी। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भविधिया तत्सम्बग्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मित न हित्वह
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहम्नाक्षरी के पास
 जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी तरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पद्धों का, जो उक्त सिक्षितियम के अध्याय 20- में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1कनाल 15 मरले, गांव लोहगढ़, तहमील डेरा बसी ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय डेरा बसी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 107 मई 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेत्र चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैज, लुधियाना

तारीख: 13-1-81

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

मायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० डीबी $v\pi/5$ v/80-81---ग्रतः मझे, मुखदेध

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल 5 मरले हैं तथा जो लोहगढ़ डेरा बसी में स्थित है (ग्रींग इसमें उपाबद्ध श्रनृभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय डेरा बसी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908) का 16 के ग्रधीन, तारीख मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में गस्त्रिक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐनी किन्नो ब्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय ब्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की प्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मोहिन्दर सिंह गुरचरन सिंह पुत्र श्री नत्था सिंह उर्फ नत्था निवासी लोहगढ़, डेरा बसी। (धन्तरक)
- (2) श्री जगदीप सिंह, मोहिन्दर सिंह, हरीपाल सिंह पुन्न श्री चन्बा सिंह निवासी राम गढ़, तहसील डेरा बसी, जिला पटियाला । (भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इप सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी श्रविसयों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्वष्टीकरण:—इममें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल 5 मरले, गांव लोहगढ़, तहसील डरा बसी, जिला पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 109 मई, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-81

प्राक्षम भाई। टी। एन। एस।-

भागकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थ(1) के मधीन सूचना चारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, 13 जनवरी, 1981

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन नक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका छित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 21 कनाल जायदाद खेतीवाड़ी वाली है तथा जो वसी, तहसील सरिहंद, मे स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिकस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सरिहंद , रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के ग्रधीन, तारीख मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रविष्ठल के लिए धन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पत्त्रह प्रतिगत श्रिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए 11 पाया गा गिन निम्निजित उद्देश्य से उक्त अन्तरक जिल्लाख में शस्त्रविष्ठ कर से कित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की वावत उक्त प्रश्नित्यम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविज्ञा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत । सब, उनत पश्चितियम की झारा 269-न के धनुसरण में, में, उनत प्रष्टिनियम की धारा 269-न की उपबारा (1) के अज्ञीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री घरनसिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी वसी पटांन तहसील सरहिंद, जिला पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरबन्स सिंह सपुक्ष श्री ग्रजीत सिंह निवासी गांव भुच्ची, तहसील सरहिंद, जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में दिनबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाबित है, बही मर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी वाली जायदाद 21 कनाल (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सर्राहद के विलेख सं० नं० 491, मई 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-1-81

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी 1981

निदेश सं० एसभ्रारडी/14/80-81—-म्रतः मुझे, सुखदेव बन्द

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलको मं० खेतीबाड़ी भूमि 18 कनाल 4 मरले हैं तथा जो गांव वस्मी पटानां, तहसील सरहिद में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं),-रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, सरहिद में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रिधीन तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री चरन सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निषासी वस्मी पठानां तहसील सर्राहद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुपिन्दर सिंह पुत्र श्री ग्रजीत सिंह निवासी गांव भूची, तहसील सरहिंद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18 कनाल 4 मरले गांव वस्सी पठानां तहसील सर्राहेद ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सरहिंद के कार्यालय के विलेख सं० नं० 490, मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, लुधियाना

नारीख: 13-1-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, 13 जनवरी 1981

निदेश सं० एस श्रार डी/13/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 21 कनाल 3 मरले हैं तथा जो वस्सी पठानां, तहसील सर्राहद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, सर्राहद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठ-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे द्वर्यमान प्रतिफल का क्ष्में प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक कृप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः--

(1) श्री चरन सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह सुपुत्र श्री गुलाब सिंह निवासी वस्सी पठानां, तहसील सर्राहंद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री श्रजीत सिंह पुत्र श्री वर्रययाम सिंह निवासी गांव भूची, तहसील सर-हिन्द।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती बाड़ी भूमि क्षेत्रफल 21 कनाल 3 मरले, वस्सी पठानां, तहसील सर्राहंद ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सरिहन्द के कार्यालय के विलेख सं० नं० 489, मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-1-81

प्रस्प आइ² टी एन. एस ----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, 13 जनवरी 1981

निवेश सं० एसम्रारडी/12/80-81---म्रतः मुझे, मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 21 कनाल 6 मरिल है तथा जो वस्मी पठानां, तहसील सर्राहद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सर्राहद में, रिजिस्ट्रीकरण स्विनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, मई 1980 को पृष्णिक्त स्पात के उचित बाजार मर्व में कम के दश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनारण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विधा के लिए;

वत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री चरन सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी गांव बस्सी पठानां, तहसील सर्राहंद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजीत सिंह पुत्र श्री वरयाम सिंह निवासी गांव भूची, तहसील सरहिंद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 21 कनाल 6 मरजे मांत्र बस्सी पठानां तहसील सर्रहिंद ।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के सर्राहंद के कार्यालय के विलेख सं० नं० 488, मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-1-81

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी 1981

निदेश सं० पीटीए/15/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० भूमि क्षेत्रफल 17 कनाल 8 मरले हैं तथा जो गांव झिल, तहसील पटियाला में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्छे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियमें अर्थात्:--

(1) श्री निरिन्दर सिंह पुत्र दरबारा सिंह पावर ग्राफ ग्राटारनी श्री दरबारा सिंह पुत्र नारायण सिंह, 58-ए, सराभा रोड, लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री वारिन्द्र सिंह, राविन्द्र सिंह, मलविन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, सारे पुत्र श्री हरदियाल सिंह व श्री हरदियाल सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह निवासी गांव झिल, तहसील पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में <u>दि</u>या गया है।

अनसची

भूमि क्षेत्रफल 17 कनाल 8 भरले, गांव झिल, तहसील पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख मं० नं० 628, मई 1980 में दर्ज है) ।

> सृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख :13-1-81

मोहर 🖫

प्ररूप आई०टी०एन०एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) महायक भ्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनाँक 13 जनवरी, 1981 निदेश मं० एएमएल/24/80-81—-श्रतः मुझे, सुखदेव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 18 कनाल 7 मरले हैं तथा जो रायपुर चापदरां, सब तहसील श्रमलोह में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन सारीख मई 1980

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्ति के लिए जलारित को अर्ड हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त सं, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पन्त्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एेमी किसी आए रा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--11—446GI/80

(1) शांति कौर उर्फ परम जीत कौर पुत्री श्री जंगीर सिंह, गांव रायपुर चापदरा सब तहसील श्रमलोह टाकखाना जंदाबदा ।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्नेश्री बलदेव सिंह, श्रवतार सिंह, नेत्र सिंह' पुत्र शिगारा सिंह निवासी गाव मिलकपुर, सब-तहसील पायल जिला सुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिमित में किए जा सकरो।

स्पक्किक्स्णः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18 कनाल 7 मरले, रायपुर चपदरा, सब तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला।

(जायदाद जमा कि रजिस्ट्रीकना श्रिधकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख मंख्या नं० 354, मई 1980 में दर्ज है)

> मुखदेव चन्द सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 13-1-81 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, 13 जनवरी 1981

निदेश मंख्या एएम एल/23/80-81---श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 18 कनाल 6 मरले हैं तथा जो रायपुर चापदर्ग, सब तहसील श्रमलोह में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्रम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा के बन्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्वत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- .(1) निर्मल कौर पुत्री जंगीर सिंह पुत्र श्री मेघ सिंह निवासी रायपुर चापदरां सब तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह, ग्रवतार सिंह, नेव सिंह पुत श्री शिगारा सिंह पुन्न वाजीर सिंह निवासी मलि**कपुर, स**ब तहसील पायल, जिला पटियाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ससे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 18 कनाल 6 भरले, रायपुर चापदरां सब तहसील ग्रमलोह, जिला पटियाला ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यारूय, ग्रमलोह के विलेख संव नंव 352, मई 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/86/80-81--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 250 वर्ग गज का प्लाट --10कि० हिस्सा है तथा जो स्ट्रीट-डी, सेक्टर 3/ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नितिखत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ अर्थातः--

- (1) लैंक श्याम रत्न सुपुत्र श्री राम रत्न
 - 2. प्रेम रत्न पुत्र श्री राम रत्न
 - 3. प्रीमुला प० मुपुत्री श्री राम रत्न
 - 4. मिसेज मतोष रत्न पत्नी कैंप्टन अनमोल रतन
 - 5. मिसेज मीरा भिड्डा सुपुत्री कैंप्टन श्रनमोल रत्न
 - 6. मिस्टर सिद्धार्थ रतन
 - मिसेज मजय रत्न पुत्र श्री श्रनमोल रत्न द्वारा हिस्सेदार व मुख्तयार श्राम श्री श्रादर्श रत्न सुपुत्र श्री राम रत्न रिहाईगी रत्न विल्ला राम मुन्गी बाग, शिवपुरा, श्रीनगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह ग्रश्नद सुपुत्र श्री बलदेव सिंह निवासी मकान नं० 540, सेक्टर 10-डी, चण्डी-गढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

250 वर्ग गज का प्लाट (10 किला के म० का हिस्सा सेक्टर 38, चण्डीगढ़।

(जायशाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी चण्डीगढ के विलेख सं० नं० 537 जून 1980 में दर्ज है)।

> सखवेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, सुधियाना

तारीख 13-1-81 मोहर: प्रारूप शाई • टी • एन • एस •-----

आपकर आधानयम, 1961 (1961का 43) की बारा

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निदेश संख्या एस एमग्रार/13/80-81—ग्रत: मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रधीन सक्षग प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-

कि में प्रधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 8 मरले हैं स्था
जो समराला तहसील समराला में स्थित हैं (श्रीर इससे
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्सा
श्रधिकारी के कार्यालय, समराला में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908) का 16 के श्रधीन, तारीख जून 1980
को पूर्वाक्त सम्पनि के अचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है रौर मुझे यह विश्वाम करने
का कारण है कि पथापूर्थोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य,
इसके दृष्यमान प्रतिफल हो ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पखाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरित (श्रक्तरितियों) के बीध ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्त्रिक रूप य कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी यात्र का किमी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में भृविधा के लिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अका प्रधि। यम ी अगरा 269-व की उपधारा (त) के अधीन निम्निविद्या व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी श्री लाल सिंह निवासी गांव मादपुर तहसील समराला श्रव ए-1, सेक्टर 6, रूड़केला (उड़ीसा)।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री निर्मल सिंह निर्मल सिंह पुत्र चेत सिंह , चेत सिंह पुत्र सुन्दर सिंह निवासी गांव पपरोदी, तहसील समराला, जिला लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्बत्ति के ग्राचन के संबंध में कोई भी अक्क्षीप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रतिश्व या तरसम्बन्धी काकितयों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी धविष्ठ नाथ में मसाप्त होनी हा. के भीतर पूर्वों बत व्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति शाहा :
- (ख) हम सूचना क राजपञ्च में प्रकाणन की तारी क स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत किसी प्रस्य ध्यांक्त द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित भें फिए आ सम्बेंगे।

स्पाद्धीकरण :--इसमें प्रमुक्त गान्दों भीर पक्षों का, जो सकत प्रश्चितियम के प्रध्याय 20क में परिचाणित है, बहुं। भाषे होगा, को उस अध्याय में वियो गया ही।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 8 मरले, समराला जिला लुक्षियाना ।

(जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी समराला के कार्यालय के विलेख स० नं० 2010, जूम 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

सारीख : 13-1-81

भारत यरकार

कार्याचय, महायह भागकर प्रायुक्त (निशीक्षण)

म्रर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निदेश स० एसएमझार/12/80-81—मृत मुझे, सुखवेव चन्द
प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिर इन्हें इन्हें पश्चान् 'छन्त प्रिश्चितियम' कहा गया है), को बारा 269-ब के प्रश्चोत सञ्जन अधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर मन्त्रति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रूपए से अधिक है और जिसकी स० भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 18 मरले है तथा जो समराला, तहसील समराला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्वी अधिकारी के कार्यालय, समराला में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908) का 16 के अधीन,

तारीख जून 1980 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य य कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए भन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन मे, ऐने दृश्यमान गिकन का पर्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्नरिती (अन्नरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन एडेश्य से उनन अन्तरम खिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई १५ मी भा५ के कावन, उनन प्रधिन्तियम के श्रधीन कर देने के भारतरक के दायित्व मे कभी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किनो पान पा किनो जन या प्रत्न सास्तियों को, जन्हें सारतीय भायकर अधितियम, 1922 (1922 रा 11) या उक्त अधितियम, या धनकर अधि-तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अनः, अव, समत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, समत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्रीमती हरबस कौर पत्नी श्री लाल सिंह निवासी मादपुर, तहसील समराला, श्रव एब1, सेक्टर 6, मडकेना (उडीसा)।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री दया सिंह, कुलकीप सिंह, हरकेयाल सिंह पुत्र श्री वन्त सिंह निवासी गांव बम्ब डाकखाना नागरा, जिला समराला।

(भतरिती)

को यह सुबना जारी करते पूर्वीका कास्ति अध्यर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के मम्बन्ध में कोई मी माक्षेपः --

- (त) इस सुवार के राज्यपत्त में प्रशासन की ताक्षित से 4.5 वित की प्रशिध या तरसम्बन्धी व्यक्तिको पर सूक्षणा की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी स्रवाधि सहद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों भें स सिसी व्यक्ति द्वादा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में शितवा किनी ग्रनाव्याकत द्वारा ग्रधाहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किये जा सकींगे।

ह्वड्डोक्ट्ग .--इनमे प्रयुक्त जन्दो थीर नदी का, जो उक्त विश्व नियम के अध्याय 20-1 में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षाना, ना उस अध्याय में दिया नया है।

अमुसुची

भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 8 मरले, समराला । (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी समराला के कार्यालय के विलेख स० न० 2029, जून 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 13-1-81 मोहर प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

ल्धियाना, 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/88/80-81--- स्रतः मुक्षे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट 200 वर्ग गज प्लाट नं० 10 का हिस्सा है जो तथा जो स्ट्रीट डी, सेक्टर 3-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर उपाबद्ध अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ में. रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16 के अधीन, जून 1980

को पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक खप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) 1 लोक कवल रन्न सुपुत्र श्री राम रत्न
 - 2 मिसेज कमला खौसला सुपुत्री श्री राम रतन
 - 3 लैं० क० केवल रत्न सुपुत्र श्री राम रत्न
 - 4 मिसेज विमला प्रकाश सुपुत्री श्री राम मार्फत हिस्सेदार श्रीर मुख्तयारे ग्राम श्री श्रादर्भ रत्न सुपुत्र श्री राम रत्न सभी रत्न विल्ला राम मुन्शी राम, शिवपुरा श्रीनगर (जे० श्रीर के०)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह स्नानन्द सुपुत्र स्व० बलदेव सिंह रिहाईणी 540, सेक्टर 10-डी, चण्डीगढ़। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाना;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

200 वर्ग गज का प्लाप्ट (प्लाप्ट नं० 10 पी का हिस्सा सेक्टर 3-ए, चण्डीगढ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी चण्डीरह के विलेख सं० नं० 538 जून 1980 में दर्ज हैं)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीखा :13-1-81

-प्ररूप आ**इ**ं.टो. एन. एसं. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निदेश मं० चण्डीगढ़/85/80-81----ग्रतः मुझे, सुखदेय चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट 550 वर्ग गज 10 पी के प्लाट का हिस्सा है तथा जो स्ट्रीट, डी, सेक्टर 3-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन, तारीख जून 1980

को पूर्वांक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे याह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल के 15 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्निलिखत उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) लैं० क० केणव रत्न सुपुत्र लेट राम रत्न, रिहा-ईणी बी-355, न्यू फेंड्स कालोनी, न्यू दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जोगिन्दर सिंह ग्रानन्द सुपुत्र स्व० बलदेव सिंह 540-10 डी-- चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

क्येयह सूचनाजारीकरके पूर्वाक्तिसम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेग।

स्मष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

550 वर्ग गंज का प्लाप्ट (10 पी का हिस्सा) स्ट्रीप्ट डी, सेक्टर 3ए, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रिजम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 536 जून 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्रापिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीखा : 13-1-81

प्रसप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰ -----

भागभर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निर्देश सं० लुधियाना/42/80-81----प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द ग्रायकर ग्राह्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

प्रायकर प्रायमियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चमत् 'खक्त प्रधिनियम' सहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन संज्ञम प्राधिकररी को, यह विश्वाप करने का कारण १ कि स्थातर उपनित, निका उतित का जार पूरुष 25,000/-रुपए से प्रधिक है

की सं 1/2 भाग बनी हुई जायदाद प्लाट नं 2 है तथा जो माना सिंह कालोनी, पखीवाल रोड, लुधियाना में स्थित है (धीर इससे उपाबद प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विकल है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के प्रधीन तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास का का का का का है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किंवत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त प्रधि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जनन में मुक्थि। के लिए, शीरायः
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-पर श्रिधनिकम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनिकम, या धन-जर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रुविधा के लिए !

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिकित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- ()1 श्री किन लाल पुत्र श्री केसर दास पुत्र श्री कन्शी राम निवासी बी-IX-618, रेड़ी मुहल्ला, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
 - (2)श्री इन्द्रजीन मांगट पुत्र श्री साधू सिंह निवासी वेगोबाल जिला लुधियाना ग्रब मार्फत सिविल हस्पताल, लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्य**वाहि**यों करता हूं।

उना सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्थ कार्कित द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास जिखित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसर्ने प्रयुक्त ग्रब्दों भीर पत्तों का, जो उक्त प्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसुधी

1/2 भाग जायदाद बनी हुई प्लाट नं० 2, मान सिंह कालोनी पखोबाल रोड, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० नं० 1070, मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, लुधियाना लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/61/80-81—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर प्रिप्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-वपए से बाधिक है

श्रोर जिसकी सं० मकान नं० 2655, है तथा सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धम्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकत स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रीक्षित्यम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिम्हें बारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अवर्थात्:--- ' 12--446GJ/80

- (1) श्रीमती कृष्ण कुमारी पत्नी ज्ञान प्रकाश निवासी मकान नं० 2655, सेक्टर 22न्सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती तिपता कालिया पत्नी रवि दत्त कालिया मार्फत हरियाणा को० प्रा० लैण्ड डिबलपमेंट बैंक लिमिटेड, सेक्टर 22-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
- (3) 1. श्रीमती कमलजीत कौर
 - 2. श्री डी॰ एस॰ कंबर मकान नं॰ 2655, सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ । (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां चरता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी घाछोप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास विश्वित में विष्णु जा सर्केंगे।

स्वव्योक्तरण:--इसमें प्रयुक्त प्रक्तें भीर पर्दों का, जो छक्त समितियम के सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्व होगा जो उस सम्याय में विद्या गया है।

भनुसूची

मकान नं० 2655, सेक्टर 22-सी, सेक्टर चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ताश्रिधकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 311, मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ना**रीख** : 13-1-81

प्ररूप आई. टी. एप. एस.-----

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
. श्रर्जन रेंज, लुधियामा

लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० एसएमएल/11/80-81---श्रत मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रधूरी 2 मंजिल बिल्डिंग है तथा जो स्टेशन वार्ड, बड़ा शिमला में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1980

का प्रशिक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते मह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्योक्त संपर्तित का उचित बाजार भूल्य, जसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अघ, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री कीमती राज सेखरी पुत्र बाल कृष्ण सेखरी सी-35, 'ज' पार्क 2, महानगर एक्सटेन्शन, लखनऊ (यू० पी०)।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री विश्वा चन्द्रा मोहरी, क्यार्टर एच० पी० म्यूजियम, शिमला-4।

(ग्रन्तरिती)

(3) 1 श्री के० के० शर्मा, यूनाइटेड कर्मिशयल बैंक, शिमसा।

> 2 श्री वी॰ सी॰ चन्देल, इन्सट्रक्टर, शिमला पुलिस।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधियोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस स्वाग के राजधन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असराची

न्नधूरी 2 मंजिल बनी हुई बिल्डिंग, स्टेशन वार्ड. बड़ा शिमला।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, शिमला के कामौलय के विलेख मं० नं० 538, जुलाई में दर्ज है)।

> मृखदेघ चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक **भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण**) **भर्जन** रेंज, लुक्कियाना

तारीख : 13-1-81

प्रस्प माई० टी० एन० एस०--

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुक्षियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/58/80-81—प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अविक है

ग्रीन जिसकी सं० प्लाट नं० 230 है तथा जो सेक्टर 36-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 5/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्तित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उज्जित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है और अग्तरक (अन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी प्रायं की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर भश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कातः क्रम, उक्त प्रशिवित्यम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रशिवित्यम की धारा 269-ण की उपधारा (1) अधीन निम्नतिकात व्यक्तियों प्रपीत्:---

- (1) श्री चेत सिंह पुत्र श्री पाखर सिंह गांव, डाकखाना कुम्बड़ा, तहसील खरड़, जिला रोपड़।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रीतम सिंह बसरा पुत्र श्री माम सिंह बसरा मकाम नं० 230, सेक्टर 36-ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवस्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पनों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 230, सेक्टर 36-ए, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० नं० 298, मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ता**रीख**ः 13-1-81

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़ /55/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1894 है तथा जो सेक्टर 34-डी, वण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूर्िवधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:--

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह निवासी 294, सेक्टर 33-ए, चण्डीगढ ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती इन्ब्रपाल कौर पत्नी श्री प्रीतपाल सिंह निवासी 3049, सेक्टर 15-डी, चण्डीगढ़ । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्सूची

प्लाट नं० 1894, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ । (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 273, मई 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लुधियाना

तारीखा : 13-1-81

कार्याक्य, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/51/80-81--- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भधिक ब(जार मृत्य 25,000/-रुपए भौर जिसकी प्लाट नं० 1024 सेक्टर 37-वी, है जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मई 1980 को **पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृ**ल्य दृश्थमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विभवास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निशिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है।---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मधि-नियम, के भधीन कर देने के मन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भिधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री ग्रार के० भम्वा डिवीजन मैनेजर सुपुत्र श्री देव राज भम्वा निवासी 23, दया गन्ज, न्यू दिल्ली-110002।

(ग्रन्तरक)

(2) मेजर एच० के० एस० वेदी सुपुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह वेदी रिहायशी 1024, सेक्टर 37-बी, चण्डीगढ़। मार्फत श्री परमजीत सिंह निवासी 1056, सेक्टर 37-बी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के मर्जन के नम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप . --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामी न से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में नामन होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रस्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखि। में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरगः - - व्वानं प्रमुक्त गब्दा ग्रीर पत्तों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रष्ट्याय 20 के में परिभाषित है, वही क्यों होता, जो उप ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्लाट नं० 1024 जो कि सेक्टर 37-बी, खण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के बिलेख सं० नं० 258, मई 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेश चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस. . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी 1981

निदेश सं० चण्डगढ़ 107/80-81—म्प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1208, सेक्टर 37-बी, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का प्रस्तिनियों। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथिन नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) श्री श्रोम प्रकाश गुप्ता सुपुत श्री श्रमीन चन्द गुप्ता रिहायशी 139, सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री गौतम कुमार शर्मा सुपुन्न श्री रोशन लाल शर्मा रिष्टायशी 3002, सेक्टर 37-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्कोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

प्लाट नं० 1208 सेक्टर 37-बी, खण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि जिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 618 ज्न 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 13-1-81

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी, 1981

निधेश सं० चण्डीगढ़ 76/80-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० मकान नं० 4991 है तथा जो सेक्टर 20-II, चण्डीकढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1980

को पूर्वोक्त संपीत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी फिसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री केवल सिंह सुपुत्त श्री जगट सिंह गाव स्नान खाना तहसील नयां णहर, जिला जालंधर मार्फत श्री गुरमीत सिंह सुपुत्र श्री जगत सिंह निवासी गांव खान खाना , तहसील नवां शहर, जिला जालंधर। (श्रन्तरक)
- (2) मिसेज मीनाक्षी गांधी पत्नी श्री लक्ष्मी चन्द गांधी निवासी मकान नं० 449, सेक्टर 20-ए, चण्डी-गढ़। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री प्रभुवयाल, श्री वयाल सिंह, श्री सिकन्दर लाल सभी निवासी मकान नं० 499 सैक्टर 20-ए, वशीनदृ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकोंगे।

स्यक्किक्णः -- इसमें प्रमुक्त क्षव्यों बौर पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जुनुची

मकान न० 499, सेक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ । (जैमा कि रजिस्ट्रेक्ती ग्रिधकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 486 मई 1980 में दर्ज है) ।

> मुखदेव चन्द मक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, सुधियाना ।

तारीख :13-1-81

प्ररूप आई बटी॰ एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981

निदेश सं० ए एमडी/48/80-81—न्य्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 5 विषये 5 पो विषये जगह है तथा जो गांव रोहिणी सब तहमील श्रहमद गढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुकी में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मई 1980

कों पूर्वांक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्त) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में में, उक्त अधिनियम का धारा 269-स की उपधारा (1) के अभीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

(1) श्री बदन सिंह सुपृत श्री खान सिंह सुपृत्र शं सुन्दर सिंह निवासी श्रकबर पुरा सब तहसील ग्रहमद गढ़ जिला सगरूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) म० बधवा राम एण्ड संम लक्कड़ बाजार, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पर्वो का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नगुत्त्वी

(4 बीघे 5 विस्वे जगह गांव रोहिरा, सक्ष सहसील ग्रहमवगढ़ ।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, श्रहमदगढ़ के विलेख सं० नं० 615 मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

नारीख: 13-1-81

मोहर ;

प्ररूप आहु .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, 13 जनवरी 1981

निदेश स० ए एमडी/42/80-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी स० 4 बीघे 5 विस्वे है तथा जो गांव रोहिडा मब तहसील प्रहमदगढ़ में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, प्रहमद गढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :-- 3—446GI/80

(1) निधान सिंह सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह सुपुत्र फला सिंह निवासी अकवरपुरा सब तहसील श्रहमद गढ़ जिला संगरूर।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ बद्यवा राम एण्ड सन्ज, लक्कड़ बाजार, लुधियाना।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्क किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अगुस्पी

(4 बीघे 5 विस्वे जगह गांव रोहिड़ा सब तहसील ग्रहमद गढ़।)

जायवाद जेसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रहमद्रगढ़ के विलेख मं० नं० 715 मई 1980 में दर्ज है।

> सुखदेव वन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-1-81

प्रकृप् आई. टी. एन्. एस . ------

आधिकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी 1981

धौर जिसको सं० जायदाद 2.5 3, 1/2 बीधे है तथा जो गांव अकबर पुरा, सब तहसील अहमद गढ़ में स्थित है (और इसके उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमद गढ़ में, रिजस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16 के अधीन, मई 1980

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की यावत, उक्त अधिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अस्य आस्तियों को, जिन्हों मारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विक्ति कुलार सुकुतं श्री दर्शन कुमार निवासी श्रहमद गढ़, जिला संगरूर ।

(ब्रन्तरक)

(2) मैं० वक्षका राम एण्ड संस लक्कड़ बाजार, लुधियाना मार्फत श्री ज्ञान चन्द ग्राहुजा पार्टनर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विश की जयिथ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पण्डीकरण:---इक्क के प्रकृतित शब्दों और प्रवा का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्रायित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गया है।

ममुस्पी

जाक्दाप् $2.5 - 3 \frac{1}{2}$ बीघे गांख धकसर पुरा सब तहसील धहमव गढ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, ग्रहमदगढ़ के विलेख सं० नं० 666 मई 1980 में दर्ज है)।

> सु**खदेव** चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर फ्रायुक्स (निरीक्षण) क्रजेन रेंज, लक्षियाना

तारी**क** 13-1-81 मोहरः आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981

निदेश स० एएमडी/15/80-81--- प्रतः मुझे, सुखर्वेष

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जायदाद 1.8.5 बीघे, है तथा जो गांव अकबर पुरा सब तहसील शहमद गढ़ जिला संगरूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमद गढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उजल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभादा (1) के सुधीन [नम्निलिख्त व्यक्तिस्या अधित:--

- (1) श्री असोक कुमार सुपुत्र जगन नाथ सुपुत्र श्री दरबारी लाल निवासः ग्रहमद गढ़ जिला संगरूर। (अन्तरक)
- (2) मैं० वधवा राम एण्ड संस लक्ष्मड़ शाजार, जुधियाना।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जमत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:~-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मर्व्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायबाद 1.8.5 कीचे गांव अकबरपुरा सब तहसील अहमदगढ़।
(जायबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अहमदगढ़ के विलेख सं० नं 621 मई 1980 में वर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज, लुधियाना

तारीखा : 13-1-81

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज, आयकर भवन, लुधियाना ल्डियाना, दिनांक 13 जनवरी : 1981

निविधा सं. ए. एम_ं डी./13/80-81---अतः मुझे, स्वदंव चन्द

ष्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० मे प्रधिक है

और जिसकी संख्या 7 कुनाला 1 बिस्या है तथा जो गांव रोहिरा सब तहसील अहमदगढ़ जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमवगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मर्झ

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन्न के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतियत से प्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्निजिन उद्देश्य से उक्त ग्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (क) ऐसी कियो प्राय या किसी धन या प्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजना**र्थ भन्तरिती द्वारा प्र**कट न**हीं** किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: अब. उक्त मिधिनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अचीन निम्मसिखित व्यक्तियों, प्रवृत्:---

(1) निधान सिंह सप्त्र श्री सन्दर सिंह सप्त्र श्री फत्ता सिह और श्री बदन सिह संपूत्र श्री कृष्ण सिह संपूत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी गांव अकव<u>र</u>पुरा सब तहसील अहमदगढ़ जिला संगरूर ।

(अंतरक)

(2) मे वधाउँ राम अण्ड सन्ज मार्फत वधावा राम सौदागर मल, लक्कड़ बाजार, लुधियाना । (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीसत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम, के प्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस प्रष्याय में दिया गया ै ।

अनुसूची

7 विग्घे 1 विस्वा अगृष्ठ गांव रोहिरा जिला संगरूर (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अहमदगढ़ के विलेख सं. नं. 594, मर्द्र 1980 में दर्ज हैं)।

> स्खदव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना ।

तारीब : 13-1-81

मोहर् 🛭

ं प्ररूप आई० ठी० एन० एस०------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 जनवरी, 1981

निदेश स० केएचश्रार/8/80-81—श्रत मुझे, सुखदेव

चन्द

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूक्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 7 कनाल 2 मरले जगह है तथा जो कुराली, जिला रूप नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, खरड में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16 के ग्रिधीन, मई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरग जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रिष्ठीन कर देने के श्रुण्तरक के वायित्य में कमी करने या स्वसं बचने में भुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण मे, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निक्नलिखित व्यक्तियों. ग्रथीत:— (1) श्री सुरजीत सिंह इन्द्रजीत सिंह, नरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री हरवत्त सिंह निवासी कुराली जिला रूप नगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० रोहिणी एण्टरप्राइजें ज मार्फत श्री घार० सी० सेतीया हिस्सेदार म० नं० 502, सेक्टर 8-बी चण्डीगढ ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भी नर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त भवि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

7 कनाल 2 मरप्ते जगह कुराली, जिला रूप नगर में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी खरड के विलेख सं० नं० 757 मई 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ता**रीख** . 13-1-81

प्ररूप घाई० दी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० एस भ्रार डी/25/80-81--श्रतः सुखदेव चन्द

अनस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रु० से अधिक **ह**ै

भीर जिसकी मं० जायदाद 11 कनाल है जी तथा जो गाव वसी तहसील सर्राहद जिला पटियाला मे स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सगरूर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन, जून 1980

को पर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मल्य, उसके दृष्यसान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उबदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से कथित नहीं किया गया ह[®]:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धेनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जानाचाहिए था छिपाने में सविधाके लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:--

(1) श्री प्रभदेव सिंह पुत्र श्री उपार सिंह रिहाईशी वसी तहसील सर्राहेद जिला पटियाक्षा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंजीत सिंह दत्तक पुत्र ग्रात्मां सिंह सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी गांव वरैचपुर तहसील थानेसर जिला कुरूक्षेत्र ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस सध्याय में विका गया है।

ननुसूची

जायदाद 14 कनाल गांव वसी तहसील सरहिंद जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सर्राहेंद के विलेख मं० नं० 1616 जून 1980 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, लुधियाना

तारीख . 15-1-1981 मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

धाराकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० एसग्रारडी/24/80-81—-श्रत मुझे, सुखदेव

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिनका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 14 कनाल जगह है तथा जो वसी नहसील सर्राहेद जिला पटियाला में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधि-कारी के कार्यालय, सर्राहेद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908) का 16 के श्रधीन, जून 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखिन में बास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रभदेव सिंह सुपुत्र उपार सिंह निवासी वसी तहसील मर्राहद जिला पटियाला।

(ग्रन्तरक)

(2) स्व० मन्जीत सिंह दत्तक पुत्र श्री ग्रात्मा सिंह् सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह नियामी वडैच पुर तहसील थानेसर, जिला कुरूक्षेत्र ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उपत सम्पति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे.!

स्वब्दोकरण: -- रसमें प्रयुक्त शक्तें भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद 1.4 कनाल गांव वसी तहसील सर्राहेद,्रजिला पटियाला ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,सर्राहद के विलेख सं० नं० 1615 में जून 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

नारी**ख** 15-1-81 मोहर: प्ररूप आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश स० एसग्रार-54/80-81----ग्रत मुझे, सुखदेव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु से अधिक है

श्रीर जिसकी स० जायदाद 18 कनाल है तथा जो वसी, तहसील सर्राहद जिला पटियाला मे स्थित है इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिंद मे , रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) क भ्रधीन, मई 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अर मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया थाया कियाजाना चाहिए था छिपाने मे सुविधाको लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

- (1) श्री दवीन्द्रवीर सिंह सुपुत्र श्री प्रभदेव सिंह निवासी गाव वसी तहमील सर्राहद जिला परियाला। (भ्रन्तरक)
- (2) स० मन्जीत सिंह दनक पुत्र श्री श्राक्ष्मा सिंह सपुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी वर्डेच पुर तहसील थानेसर, जिला कुरूक्षेव ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीचासे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थहोगाजो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद 18 कनाल 1 मरला गाव वसी तहसील मरहिद में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी सर्राहद के विलेख स० न० 692 मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

नारीख 15-1-81 मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निवेश सं० लुधियाना/30/80-81—म्प्रतः मुझे, सुखदेव चन्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी-1-809 में स्राधा हिस्सा है स्रौर तथा जो प्रेम नगर सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (सौर इससे उपाबद्ध स्नन्सूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16 के स्रष्ठीन, मई 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिखत उत्दर्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--14—446GI-80

(1) श्री रामदास सुपुत्र श्री देवीदास निवासी गांव धौना,तहसील लुधियाना ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री तिलक राज सुपुत श्री राम प्यारा निवासी मकान नं० बी-2-818, छावनी मोहल्ला, लुधि-याना ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-1-809/7, प्रेम नगर, सिविल लाईन लिधयाना में ग्राधा हिस्सा ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख सं० नं० 640 मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखादेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-1-81

प्ररूप गाई• टी• एन• एस•----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० लुधियाना/85/980-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० मकान नं० बी-1-809/7 में 1/2 हिस्सा, है तथा जो प्रेम नगर सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित् है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जुन 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल कम पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम एथा गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीड/गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

अतः अयः, एकतः अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण मो. मी. उकतः अधिनियमं की धारा 269-ग की डणधारा (१) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री राम दास सुप्रुत श्री देव दास निवासी गांव धौला, तहसील लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शीला रानी पत्नी श्री तिलक राम निवासी बी-2-818, छावनी मोहल्ला, लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकांगे।

स्वकाधिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिकाधित हाँ, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गंदा है।

धनु सूची

मकान सं० बी-1-8-09/7, प्रेम नगर सिविल लाईन, लक्षियाना में है हिस्का ।

(अध्यक्षाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख सं० नं० 1744 जून 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 15-1-81 मोहर:

प्रक्ष आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, श्रायकर भवन,लृधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० लुधि०/34/80-81—-अतः मुझे, सुखदेव चन्द अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जायदाद 500 वर्ग गज है तथा जो गुर-देव नगर लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता झिधिकारी के के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908

(1908 का 16) के ग्रंधीन, विनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रंपमान प्रतिफल से, एसे श्रंपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारलीय आय-कर अधिनियम), 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्धात्ः-- (1) लायक सिंह सुपुत बखाशीरा सिंह निवासी गांव प्रजाहा, तहनीन जगराश्रों मार्फत हरनेक सिंह सुपुत्र श्री सोदागर सिंह ग्राफ नानकसर ग्रालम सिंहार जिला लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह सुपुत्र श्री गुरतेज सिंह (एस० डी॰ ग्री॰ टी॰ /एल० पावर हाउस, मोगा। ﴿(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

500 वर्ग गज आयदाद गुरुदेव नगर लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकृती अधिकारी लुधियाना के विलेख सं० नं० 771 मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----आयकर ग्रीवनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ग्रीवन सूचना

भारत सरकार

जार्याला । नदायक धायकर धायकत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, आयकर भवन लुधियाना,
लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदश वं० एल०डीएच०/35/80-81—स्रतः मुझ, स्खदेव मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्प 25,000/-रुपयेसे ग्राधिक है श्रीर जिसकी सं० 500 वर्ग गज है तथा जो गुरवेब नगर ल्धियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुक्षियाना में, रजिस्ट्रीकरण घिधनियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है **और** मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच रेसे भ्रन्तरण क लिए तम पामा गया मितकत, निम्नलिखित

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त भाषि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या अप्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृथिधा के लिए;

जतः, यम, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के मनु-सरण में, भै, उक्त पिधिनियम की ग्रारा 269-ग की उपधारा (1) के मधीन, निस्तिबिज शिक्तियों, मथींदः-- (1) जमकौर सिंह सुपुत्र बखणीश सिंह निवासी गज प्रखाड़ा, तहसील जगराग्नो भार्फत ग्रमर सिंह सुपुत्र हरबन्स सिंह गाव नारंगवाल तहसील लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह सुपुत्र श्री लक्खा सिंह निवासी 32-सी० गुरदेव नगर, लुधियाना (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं:---

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रवधि या तक्ष्मंत्री स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रवधि, जो भी प्रवधि नाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्यव्हीकरण: -- दसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियन के श्रवनाय 20- ह में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

500 वर्ग गज जगह गुरदेव नगर आधियाना मे स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी लुधियाना के विलेख सं० नं० 777 मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुसर्वेव धन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

आयकर पाधानयम, 1961 (1961 का 43) का धार 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, स्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है।

भीर जिसकी सं० भाग प्लाट 3- बी है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' एक्सटेंशन भाग बी, लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबब अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्री-कर्गा प्रधिकारी के कार्यात्रम, लुधियाना में,रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिन्त बाजार मूस्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धर्धिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर ध्रन्तरिती (ध्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

पतः, श्रव, उक्त श्राधितयम की धारा 269-ग के प्रतृ-सरण में, मैं, उक्त श्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—- (1) मैं सर्स राम सहाय अप्रवाल एण्ड सन्स, बाग खणानचीयां लुधियाना द्वारा श्री राम सहाय पुत्र श्री लभू राम व मर्वश्री रिविन्द्र कुमार, भीम सेन व श्रोंकार सारे पुत्रश्री राम सहाय निवासी खाग खणान-चीयां, लुधियाना

(भ्रन्सरक)

(2) सर्वश्री रामेश चन्द व सुभाष चन्द पुत्र श्रीप्रकाश चंद निवासी मालोद, तहसील लुधियाना ग्रीर सर्वश्री विजयकुमार व विनोद कुमार पुन्न श्री प्रकाश चन्द निवासी झाउन रोड, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिख कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों स ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा,जो उस ध्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भाग प्लाट सं० 3-बी० इण्डस्ट्रियल एरिया 'ए' एक्स-टेंशन भाग बी' लूधियाना

(जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 708, मई, 1980 म दर्ज है।

सुखदेव भन्द सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

मोहरः

प्रक्य प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

काविषय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना,दिनांक 15 जनवरी, 1981

निवेश सं० एलडीएच/79/80-81---ग्रत: मुझे, सुखदेव चन्द आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विकास कप्रने का कारग है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-द्वप् स प्रधिक है बाजार मृत्य भ्रौर जिसकी सं०भाग प्लाट र्न० 3-बी हैतथा जो इण्डस्ट्रियल एरिया 'ऐ' एक्सटेशन भाग 'बी' लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मे, रजिस्ट्री-करण ग्रिक्षिनियम, 1908 1(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून, 1980

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रान्तरण से हुई किसी भाग की सासत अक्त श्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वागिस्त्र में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अवः, उवतः अधिनियम की छारा 269-म के अनुसरण में, में, उवतः अधिनियम की घारा 269-म की छपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—्राँ (1) सर्वश्री पृथ्वीपाल भरूला श्रीर राजपाल भरूला पुत्र श्री मदन गोपाल भरूला निवासी 26, श्रीन पार्क, सिविस्त लाइन, सुधियाना।

(श्रन्तरक)

(2) सर्वश्री विजयकुमार, विनोद कुमार पुत्र श्री प्रकाश चन्द निवासी क्राउन रोड, लुधियाना व सर्वश्री रामेश चन्द्र, सुभाष चन्द्र तहसील गाव मालोद, तहसील लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जानी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 48 दिन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त हो तो हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकारी के गास विश्वित में किए जा सर्वेगे।

स्वव्हीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रवितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रक्राय में किया गया है।

धनुसूची

नाग प्ताट नं० 3 बी० इण्डस्ट्रियल ए**रिया 'ऐ' ऐक्स**-टेंशन पार्ट 'बी', लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी लृधियाना के कार्यानय के विलेख संख्या नं० 1619, जून, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रा**युक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, ध्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० मीएनडी/83/80-81---श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1666 है तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में,रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षणल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर घेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मेजर भाई फनेह जंग सिंह, सिंखुबाल, फौरट, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रमृत रंधावा पत्ति श्री जी० एम० रन्धावा मकान नं० 3182, सेक्टर, 21-डी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यापा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिक्षित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुस्पी

्लाट नं० 1666, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैंसा कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 517, जून, 1980 में वर्ज है)।

> सु**खदेव चन्द** सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, लिधियाना

विनांक: 15 जनवरी, 1981

प्रकृप भाई • दी • एन • एस • ---

वायकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रतीन सूचना

मारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, प्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश र्सं० एल० डी० एच०/ब्रा२०/16/80-81---ब्रतः मुझे सुखदेव चन्द

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवास् 'उक्न ध्रिमियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अक्षीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० में प्रधिक है

प्रीर जिसकी सं० 7 कनाल 2 मरले जगह है तथा जो गांव पावा, तहसील, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के पूर्व्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत के पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रनरकों) भीर प्रनरिती (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरक (प्रनरकों) भीर प्रनरिती (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफत कि विस्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफत कि विस्तरित्यों के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफत कि विस्तरित्यों के बीच ऐसे प्रन्तर भागरण लिखित में वास्तिवक कर मे कियान नहीं किया गया है:—

- (क) यातरण न हुई किया थाउँ को बाबन उक्का पिंछ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रशासिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में स्विधा के लिए;

विवतः, यव, छन्न प्रविनियम को धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, छन्त प्रविनियम की धारा 269-थ की जनशारा (1) के सक्षीन, निकलिखित गांधारों, अविन्: --

(1) नाहर सिंह, सुपुत्र श्री हजूरा सिंह निवासी गांव टेंडेवाल तहसील, लूधियाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० एल० सी० ग्रोसवाल फैक्टरी पुराना बाजार रुजियाना मार्फेन हिस्सेदार मोहेन्द्र कुमार सुपुन्न श्री लाल चन्द।

(भन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के सर्जन के निए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की घवंछि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवंछि, जो भी घवंछि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीत र उन्त स्थावर सम्पत्ति में शितवा किसी प्रश्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए । सर्कोंगे।

पष्टीकरण '--इनर्र प्रयुक्त शब्दों मीर पदीं का, जो उक्त मधिनियम के भ्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में ृतिया गया है।

मनुसूची

7 कनाल 2 मरले जगह गांव पावा तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी विश्वयाना के विलेख सं० नं० 1119 मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज,लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्रकृष आर्डा.टी. एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेण में ० एम० ष्ठी०एन०/ग्रार०/15/80-81—ग्रमः मुझे, सुखदेव चन्द

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु से अधिक है

स्रीर जिनकी में० 7 कनान 3 मरने है जगह है तथा जो गांव पाबा, नहपील लिधियाना में स्थित है (स्रीर इसमे उपावद्ध अनुस्वी में स्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्री-किनी प्रविकारी के कार्यानय, लुधियाना में, रिजिट्रीस्करण प्रिथिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रघीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रशासल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास धरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः--

- (1) श्री नाहर सिंह सुपुत्र हजूरा सिंह निवासी गांव देडेवाल, तहसील लुधियाना । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री कपिल कुमार जैन सुपुत्र श्री लाल चन्द मार्फत मै० एल०सी० ग्रोसवाल होजरी फैक्ट्री, पुराना बाजार, लुधियाना । (ग्रम्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित्बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन<u>ु</u>सूची

7 कनाल 3 मरले जगह गांव पाहवा तहसील लुधियाना में स्थित है

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी सुधियाना के विलेख सं० र्न० 1066 मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

मोहर 🖰

15-1457 I/8)

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रजेंन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० के एनएन/बी/80-81—अत: मुझे, सुखदेव जन्द बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं जगह 8 कनाल है तथा जो भ्रलोड (खन्ना) जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाधक भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री मोहिन्तर सिंह, हरचन्द सिंह, जन्म शिंह, निरभै सिंह, रायसिंह मुपुत श्री हरनाम सिंह निवासी श्रलोड़ा (खन्ना) जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मुरजीत कौर परिन श्री दलीप मिह निवासी वार्ड नं० 4, मकान नं० 89, मण्डी, गोविन्दगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

सपस्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुषुची

जायदाद 8 कनाल गांव ग्रलोडा (खन्ना) मे स्थित है। (जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के खन्ना के विलेख सं०नं० 171, मई, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्ररूप आईं • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा 269-च (1) के स्थीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, उद्दापक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-का के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 8 कनाल जगह है तथा जो गांव ध्रलोर (खन्ना) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ग्रौर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है घोर मुझ यह विक्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिक्षल से ऐसे दृष्यमान प्रतिक्षल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है घोर धन्तरका (धन्तरका) श्रीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए उस पासा गया प्रतिकृत, निम्नसिक्ति उद्देश्य में उक्त धन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अन्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्त्र में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के बन्-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1 के अधीनिक्षित व्यक्तियों, अर्थीत् :-

- (1) श्री मोहिन्दर सिंह, हरचन्दसिंह , जन्म सिंह निरभे सिंह, राय सिंह सुपुत श्री हरनाम सिंह गांव भ्रलोह, (खन्ना) जिला लुधियाना। (श्रान्तरक)
- (2) श्रीमती सुरजीत कौर परिन श्री दलीप सिंह, निवासी वार्ड नं० 4, मकान नं० 89, गोविन्द गढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आसीप !--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की प्रविध पा प्रस्तंत्री क्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध; जो बी धविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पाल में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों बीर पदों का, जी स्वत अधिनियन के प्रव्याय 20-क में परिमाधित है, वही अर्थ होगा को उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

8 कनाल जगह गांव मलोह (खन्ना) में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खन्ना में विलेख संग्नंग 177 मह, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्रकृप भाई• ही• इन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० केएनएन/16/80-81---भ्रतः पृक्षे, सुखटेक चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इमके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- २० से श्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4 कनाल जगह है तथा जो गांव अलोह (खन्ना) जिला लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबवास ग्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, खन्ना में रिजिस्ट्रीकर श्री विनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मई, 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवन वाजार मृत्य से कम के तृष्यमान मिलकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्तृत्व प्रतिमत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवान में नास्तिक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण स हुई किसी माय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रीम कर देने के सन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के सिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या घन्य सास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्चित्तमम, या अभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा या किया जाना श्वाहिए वा, जियाने में सुविद्या के शिए।

भतः भव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ह के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री मोहिन्दर सिंह, हरचन्द सिंह, जन्म सिंह, निरभै सिंह, राय सिंह, सुपुत्र हरनाम सिंह निवासी गांव भ्रमोड़ (अझा)।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दलीप सिंह सुपुन्न श्री साहित सिंह निवासी वार्ड नं० 4 मकान नं० 89, गोविन्दगढ़। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अविष्, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचें, बन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी इसे 44 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के नाम निख्यित में किए जा सर्वोगे ।

स्पव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत प्रश्नियम के प्रष्ट्याय 31 3-3 में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उत्त श्रष्ट्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

जायदाद 4 कनाल गाँव श्रलोह (खन्ना) में स्थित है। (जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी खन्ना के वित्रोख सं० नं० 178 मई, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्रकप आर्थ०टी० एनं ● एस ●-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज. म्रायकर भवन

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1981

निवेश सं० सी एचडी/75/80-81 प्रत. मुझे सुखदेव चन्द कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिन है

न्नीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1240, है तथा जो सकटर 33 मो वन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रून ने वर्णिन है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई 1980

को प्यक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य , त्राक्ष स्वास का स्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य , त्राक्ष स्वास का स्वास का स्वास का प्रतिक्षण का प्रतिक्षण से जिल्हा में अधिक ही अध्य अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित स्पवित्तयों, स्थातु:——

- (1) श्रोमती कृष्णा कुमारी पत्नी श्री ज्ञानप्रकाश निवासी एस० मी० एफ 8/9, सैंकटर 22ए धन्छीगढ़ (अन्तरक)
- (2) श्री भगतराम सपुत्र श्री मन्साराम निवासी मकान नं॰ 153, सैंकटर 9बी चन्डीगढ (ध्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (r) उत्त पृष्टा के राज्ञपन मो प्रकालन की तारील है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इन गूनना के नामन को प्रवाकन की रासी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

(प्लाट नं० 1240 सैकटर 33सी, चन्डीगढ़) जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 481 मई 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 15 जनवरी 1981

पर्प आई० टी० एम० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

नागांशय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन,

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० सी एच त्री/74/80-81 भ्रतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकन प्रक्षितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर मपति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

स्रौर जिसकी सः म० न० 67 प्लाट न० 78 मे बनाया है तथा जो सैकटर 5, चन्डीगढ़ में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रो कर्ता स्रधिकारी के कार्यलय, चन्डीगढ़ मे, रजिस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक मई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, ध्रसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्धह प्रतिक्षत से अधिक हं और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निखिन में वास्तविक इष्प से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामिल्य में कभी करने या शससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी झन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अता, भव, उक्त अधिनियम, की ब्रारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उथत अधिनियम की ब्रारा 269-प की उपवारा (1) के अधीन, निम्निजित ध्राविनयों, अर्थात . - - (1) मिसेज दलजीत कौर दान्डी श्रौर उसका दत्तक पुत्र गिलीचनसिंह दान्डी, श्रमर विल्ला, सिविल पाईन लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री हरणदीप सिंह (माईनर) पुत्र श्री कंवल जीत मिंह ढिल्लो मार्फन माता श्रीमती रुपिन्द्र कुमारी निवासी मकान न० 245 सैंकटर 16ए चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी आ से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तिशा में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त गक्दों घौर पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उस अब्याय में दिया गया है।

धनुसूची

(मकान न० 67 प्लाट न० 78 सैंकटर 5 घन्डीगढ़ में स्थित है)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख सं० न० 461 मई 1980 में दर्ज है।)

> सुख देवचन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज, लुधियाना ।

दिनांक 15 जनवरी 1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज. श्रायकर भवन,

ल्धियाना दिनांक, 15 जनवरी 1981

निदेश सं एल डी एच/31/80/81 स्रतः मुझे मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थार समित जिल्ला उचित राजार मृन्य 25,000 रिस से अधिक हैं

प्रौर जिसकी मं० म०न० जायदाद नं०13-17 339 है तथा जो भारत नगर, माडल टाऊन रोड, ल्धियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के ग्रधीन, दिनांक कार्यलय, लुधियाना में, रिष्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 1908 का 16 के श्रधीन, दिनांक मई1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए.
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन, कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा लें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, की अक्षा अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिश्चत् व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हरनाम दास सपुत्र श्री श्रवनागीराम भार्फत मुखत्यारे राम श्री प्राणनाथ सपुत्र श्री हरनाम दास निवासी बी- 17-339, भारतनगर माइल टाऊन रोड सुधियाना ।

(भ्रंतरक)

(2) डा॰ समेश छावडा सपुत्र डा॰ समसरनदास श्रीर डा॰ मिसेज रामा छाबडा पत्नी श्री रामेश छाबड़ा निवामी 49/14, हरपाल नगर लुधियाना । (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के कुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन् सूची

(रिहायशी म०न० बी-17-5-7-/339, भारतनगर माडल टाऊन, लुधियाना)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी लुधियाना के बिलेख सं०न० 668 मई 1980 में दर्ज है।)

> मुखदेव चन्द मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लक्षियाना ।

दिनांक: 15 जनवरी 1981

प्रकार प्राई० टी० १त० एप------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक जायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ष्रजैन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुंबियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० सीएवडी०/53/80-81--- ग्रतः मुझे, सुखदेव

चन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 1026 है तथा जो सैक्टर 36चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, दिनांक मई, 1980
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूरयमान प्रतिफल के लिए भरतिरत की गई है और मुझे यह
विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
छिति बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे
दूरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिगत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त मोध-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तर ह के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मैं सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ धन्नरिती अरा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, झर्चति:--- (1) ले॰ क॰ हरबन्स सिंह मुपुत लाल सिंह नाराबादा रोड, जबलपुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सरवन सिंह मन्धु सुपुत्र श्री कृपाल मिह 734, सैक्टर 11-बी, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया नरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमण्डीकरण:---इतमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों हा, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रमुस्पी

प्लाट नं० 1026, सैक्टर 36-सी०, चण्डीगढ़।
(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 261 मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्रकृप बाई • टी • एन • एन • ---

आयकर अग्निनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० सीएचडी/77/80-81—प्रतः मुझे, मुखदेव चन्द

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ब० मे अधिक है

द्यौर जिसकी प्लाट नं० 3026 में द्याधा हिस्सा है तथा जो सैक्टर 20-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक मई, 1980 को पृथांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्नविक रूप में कविन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

शतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिस्तिन व्यक्तियों अर्थातः ——
16—446GI/80

- (1) श्रोमती हरिन्दर कौर पत्नि श्री सुरिन्दर पाल सिंह, निवासी 176, सन्तपुर, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बलदेव राज सुपुत्र श्री प्यारे लाल निवासी एस० सी० एफ० नं० 14, सैक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्वत्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० 3026 सैक्टर 20-डी में स्थित है। (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चन्डीगढ़ के विलेख सं०नं० 489 मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिधयाना ।

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्रकप बाई • टी • एन • एस •----

क्षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भःयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० सीएघडी०/78/80-81--- ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त **ग्रधि**नियम' कहा गया की धारा 269-ख के ग्रधीन सम्म प्राधिकारी की, विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उचित बाजार मृ**ल्य 25,000/- **क्पमे** से मिक्कि हैं, ग्रीर जिसकी स० प्लाट नं० 3026 में 1/2 हिस्सा है तथा जो सैक्टर 20-डी० चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के श्राधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर घ्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अरतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकृत, तिम्नलिखित बहेम्य से उपत ग्रन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) चन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिवियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के जिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसोधन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रीमती हरिन्द्र कौर पितन श्री सुरिन्द्र पाल सि निवासी 176, सन्तपुरा, पटियासा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बलदेव राज मुपुत्र श्री प्यारे लाल निवासी एस० सी० एफ० नं० 14, सैंक्टर 19-डी०, चण्डीगढ़।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के प्रकृत के पम्बरामें कीई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तल्सबंधी व्यक्तियों ५र सूचना की तामील में 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के मीतः पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताधरी ने पान निखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदो का, भो छक्त अद्यित्यम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया यया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3026, सैक्टर 20-डी० मे श्राघा हिस्सा। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 490 मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्ररूप आदः टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के समीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निवेश सं० सीएचडी०/59/80-81—-श्रतः मुझे, सुखदेव

चन्द आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसर्में इसके परकात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1520, है तथा जो सैक्टर 33-डी० चण्डीगढ़ में स्थित है (तथा श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकश के लिए घन्तरित की पर्ड है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यबापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत स्थिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त बन्दरण निवित में बास्रविक

(क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ध्रिष्टि नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या

रूप से कियत नहीं किया गया है।---

(ख) ऐसी किसी आप या किमी घन या अग्य प्रास्तियों की, जिन्हों मारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या किया जाना नाहिए जा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269 में के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269 में को उक्तारा (1) के अधीन निम्निशिवित व्यक्तियों, अधीत।— (1) श्री साधु सिंह मुपुत्र श्री मोहर सिंह मार्फत, मुक्त्ययारेश्राम श्री सुरिन्दर सिंह निवासी 3176, संक्टर 27-डी० चण्डीगढ़

(ग्रन्तरक)

(2) श्री यचन सिंह सुपुत्र श्री विलोक सिंह निषासी 3176, सैक्टर, 27-डी०, चण्डीगढ़

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई मी बाक्षेप:---

- (क) इस तुत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की शारीख से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर संगति में हितबद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखिल में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:—इमर्से प्रयुक्त शब्दों क्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

प्लाट नं० 1520 सैक्टर, 33-डी०, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 304 मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्रकप भाई० टी∙ एम∙ एस•----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यांलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना,

लुधियाना, विनांक 15 जनवरी, 1981

निवेश सं० पमकेएल०/38/80-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा भया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से अधिक है

मौर जिसकी सं० जायदाद 11 बिग्धे 17 1/2 बिस्वे है तथा जो गांव मानक माजरा, तहसील मालेरकोटला में स्थित है (भौर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकायम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रग्वरकों) और अन्तरिती (प्रश्वरितयों) के बीच ऐसे अन्तरल के लिए वय पाम गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया यया है ।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किनी घाय की बाबत, उक्त खिंदि-तिसम, कं घंधीत कर देने के सन्तरक के दायित्व म कसी करने या उधवे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रस्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिनियम, ता बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, क्रिया में सुविद्या के लिए;

अतः अवः, उस्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, में, उस्त मिनियम की धारा 269-व की उपदारा (1) के प्रधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तेजा सिंह, ज्वाला सिंह, जोरा सिंह सु पु श्री ग्रर्जन सिंह ग्रौर महां सिंह सुपुत श्री विशन सिंह सभी निवासी गांव मोहम्मद नगर तहसील मालेरकोटला।

(मन्तरक)

(2) श्री चरण सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह निवासी गौव मोहम्मद नगर तहसील मालेरकोटला। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामीन से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविधि बाद
 में समान्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरण :--क्समें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त पश्चितियम के अध्याय 20क में परिभावित है, वही भर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद 11 बिग्धे 17 1/2 विस्वे गांव मानक-माजरा में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय, के विलेख सं० नं० 1218 मई, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० एमकेएवल/39/80-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- धपए से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० जायदाद 11 बिग्धे 17 1/2 बिस्वे हैं तथा जो गाव मानक माजरा में स्थि तहसील मालेरकोटला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भ्रायौत :--- (1) श्री तेजा सिंह, ज्वाला सिंह, जोरा सिं श्री ग्रर्जुन सिंह ग्रीर श्री महां सिंह सुपुत श्री बिशन सिंह निवासी गांव रुड़का, तहसील मालेरकोटला।

(भ्रन्तरक)

(2)श्री जगरूप सिंह, दर्शन सिंह, चरन सिंह सुपुत्र श्री करतार सिंह निवासी गांव मोह्म्मद नगर तहसील मालेरकोटला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त सिध-नियम, के घड्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद 11 बिग्घे 17 1/2 बिस्वे गांव मानक माजरा (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी मालेरकोटला के विलेख सं० नं० 1363, मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 15 जनवरी, 1981

प्ररूप आई.टी एन एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनाक 15 जनवरी, 1981

मिदेश सं० एमकेएल० 40/80-81---श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० भूमि क्षेत्र 11 बिघा 18 बिस्वा है तथा जो गांव मानक माजरा, तहसील मालेरकोटला में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1008 का 16) के श्रधीन, विनांक जून, 1980

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सर्व श्री तेजा सिह, ज्वाला सिंह, जोरा सिह, पुत श्री ग्रर्जुन सिह व श्री महा सिह पुत्र श्री बिशान सिह निवासी गाव म्डका तहसील मालेर-कोटला।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री जगरूप सिह, दर्शन सिह, चरन सिंह, सारे पुत्र श्री करतार सिह निगासी गाव मुहम्मद नगर, मालेरकोटला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 बीघा 18 बिस्वा गाव माकन माजरा तहसील, मालेरकोटला।

(जायदाद जैसा कि) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय, के विलेख स० न० 2207, जून, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक . 15 जनवरी, 1981 मोहरः प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आ्रायकर भवन, लुधियाना सुधियाना, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० एमकेएँन०/19/80/81—-श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 11 बिघा 17 1/2 बिस्वा है तथा जो मानक बाजार, तहमील, मालेरकोटला में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मालेरकोटला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिघिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिभीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके टरयमान प्रतिफल से, एसे टरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिया उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियाँ अर्थात्:--

- (1) सर्वश्री तेजा सिंह, ज्वाला सिंह, जोरा सिंह सारे पुत्र श्री ग्रर्जन सिंह व श्री महा सिंह पुत्र श्री बिशन सिंह गांव रुड़का तहसील मालेरकोटला। (श्रन्तरक)
- (2) श्री दर्णन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी मुहम्मदनगर, मालेरकोटला, जिला संगरूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पब्लीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

भ्रनु मूची:

भूमि क्षेत्रफल 11 बिघा 17 1/2 बिस्<mark>या गांव मानक</mark> माजरा तहसील मालेरकोटला।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मालेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1183, मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, प्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० एमकेएल०/16/80-81---श्रतः मुझे, सुखदेव जस्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र० 11 बीघा 17 1/2 बिस्वा है तथो जो गांव मानक माजरा, तहसील मालेरकोटला में, स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मालेर-कोटला में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1980

करें पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) सर्व श्री तेजा सिंह, ज्वाला सिंह, जोरा सिंह सारे पुत्र श्री अर्जुन सिंह व श्री महा सिंह पुत्र बिशन सिंह निवासी गांव रूड़का, तहसील, मालेरकोटला।

(अन्सरक)

(2) श्री जगरूप सिंह पुन श्री करतार सिंह निवासी गांव मुहम्मद नगर, तहसील मालेरकोटला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 बीघा 17 1/2 बिस्वा गांव मानक माजरा, क्षहसील भालेरकोटला।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ना ग्रीधकारी मालेर-कोटला के विलेख संख्या नं० 1154, मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्रकृषु आ**र्द**ा टों प्रन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना विनांक 22 जनवरी, 1981 निदेश सं० एसएमश्रार०/22/80-81—श्रत: मुझे, सुखदेव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि क्षेफल 25 कनाल 10 मरले हैं तथा जो गाँव है तथा जो गांव चावां, तहसील, समराला जिला लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी

के कार्यालय, समराला में, रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमांना प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है;--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-17-446GI/80

(1) श्री दर्शन सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री शाम. सिंह, निवासी गांव घुराला तहसील खन्ना, जिला खन्ना, जिला लुधियाना

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निरमल सिंह, हरमेल सिंह, कैसर सिंह पुत्र श्री गजन सिंह निवासी हरबंस पुरा (समाला) जिला लुधियाना ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्व सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 25 कनाल 10 मरले गाव चावां तहसील समराला जिला लुधियाना।

(जायदाथ जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी समराला के कार्यालय, के विलेख संख्या नं० 939 मई, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लधियाना

दिनांक: 22 जनवरी, 1981

प्रकप धाई• ही• एन• एस•--

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयमार धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं॰ एएमएल॰/11/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूक्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 बीघा 10 बिस्वा है तथा जो कुकड़ माजरा, सब तहसील, ग्रमलोह में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रमुक्व में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्णिक सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिका के लिए अन्तरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से प्रधिक है और प्रन्तरक (युन्तरकों) भीर पन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रकारण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेत्र से जनत प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बायत उत्तर अधिनियम के प्रमीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी वन या प्रत्य भास्तियों को; जिम्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिवनियम, या धन-कर भ्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोक्षणार्थ भ्रव्यास्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

धतः अब, उक्त धविनियम की बारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त धविनियम की बारा 269-व की उक्वाश (1) के अधीत, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नछत्तर सिंह, पुत्र बाधू सिंह विनासी कुकड़ माजरा, सब टहसील ग्रमलोह।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स कृष्ण श्रायरन व स्टील रोलिंग मिल्स द्वारा श्री जागीर सिंह, तार्टेनर, मण्डी गोविन्द-गढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी धान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जी भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वढ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सचेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्वो का, जो उक्त भविनियम, के अभ्याय 20-क में परिकाषित है, वही भर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 बीघा 10 बिस्वा, कुकड़ माजरा, सब तहसील भ्रमलोह।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी ग्रमलोह के कार्यालय, के विलेख सं० नं० 190, मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 दिसम्बर, 1980

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) .प्रजीन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एएमएल०/12/80-81--श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० भूमि क्षेत्रफल 3 बीघा 10 बिस्वा है तथा जो कुकड़ माजरा, सब हसील, श्रमलोह में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ स्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन , दिनांक मई, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन भिम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् हि—— (1) श्रो मनकीयत सिंह पुत्र श्रो हीरा सिंह गांव कुकड़ माजरा, सब तहसील भ्रमलोह जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्ज कृष्णा आयरन व स्टील रोलिंग मिल्स, द्वारा श्री जागीर सिंह, पार्टनर मण्डी गोन्दिगढ़ सब तहसील श्रमलोह।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्रप्र-प

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित हु , वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हु ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 बीघा 10 बिस्वा, कुकड़ माजरा, सब तहसील श्रमलोह।

(जायदाद जैंशा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1911 मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 15 दिसम्बर, 1980

मोहरः

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•----

श्रायकर भिर्मितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा, 269-म (1) के भिर्मीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० एएमएल०/13/80-81---श्रतः मुझे, सुखदेश चन्द

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विभवास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० भूमि क्षेत्रफल 0-19 बिस्वा है तथा जो कुकड़ माजरा, सब तहसील ग्रमलोह में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रोर पूर्ण रूप ने विणत है'), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उनत प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के जिए धीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भारितकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के जिए;

अतः प्रव, उक्त पश्चितियम की घारा 269-ग के धनुसरक में, में, उक्त प्रश्नितियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्ति म्यक्तियों, अर्थातुः--- (1) श्रो करनैल सिंह पुत्र श्रो बाबू सिंह, गांव कुरुड माजरा, सब तहसील, श्रमलोह।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्ज कुष्णा ग्रायरन व स्टील रोलिंग मिल्ज द्वारा श्रो जागीर निर्, पार्टनर, मण्डो गोविन्द-गढ़, सब तहसील, ग्रमलीह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी क**र**के पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी घविष्ठ बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबश किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पबदीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम, के अध्याय 20क में परिभावित हैं, बढ़ी पर्व होगा, जो उप प्रध्यात में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि क्षत्रफल 0-19 बिस्या, कुकड़ माजरा, सब तहसील श्रमलोह।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 192, भुई, 1980 में दर्ज है)।

> मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेंगरेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

मोहरः

प्ररूप आई .टी .एन .एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक 15 दिसम्बर 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जगह 8 बिग्धे 0 बिस्वा है तथा जो अजनाली तहमील मरिहन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मरिहन्द में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1980 (1908 का

16) के ग्रधीन, दिनांक अगस्त 1980 को पूर्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्।—

- (1) श्री सेदा सिंह सुपुत्र लाल मिह खुद श्रीर सुर्जन सिंह सुपुत्र श्री होरा सिंह मार्फत श्री सेवा सिंह सुपुत्र ला सिंह रिहायशी कुकड़ माजरा सब तहसील तहसील श्रमलोह। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं पर्ज सम्गड म्टोल्ज मण्डी गोजिन्दगढ़, मार्फत धर्म देव सम्गढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्यः निरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जगह 8 बिग्घे० बिस्वे गाव भ्रजनाली तहसील सरिहन्द। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारी सरिहन्द के विसेख संख्या नं० 2192, अगस्त 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक 15 दिसम्बर, 1980 मोहर:

प्रकृष साई॰ टी॰ एन॰ व्यः---

भागकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 दिसम्बर 1980 निदेश सं० एमग्रारडी०/46/80-81—ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

मागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-छा के प्रजीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृष्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसको सं जगह 8 बिघा विस्वा है तथा जो अजनाली तहसील नरहिन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी वे कार्यालय सरहिन्द में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक श्रक्ट्बर, 1980

की 16) के अधान, दिनाक अक्टूबर, 1980
को पूर्वोपत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रसिक्तल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह
प्रतिशत से प्रधिन है और यन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उच्त अन्तरक
लिखिन में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी वन या अपन आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उबत अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त पिष्ठिनियम की धारा 269-च की उपजारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रो सेत्रा सिंह सुपुत्र श्रो लाल सिंह खुद श्रौर मुख्त्यारे प्राम श्रो सुर्जन सिंह सुपुत श्री हीरा मिंह रिहायशी गांव कुकड़ माजरा, स० त० श्रमलोह। (श्रन्तरक)
- (2) मैं० सम्गड़ स्टील नण्डी, गोविन्द गढ़, सार्फत, श्री धर्म देव सम्गड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी भरके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के निए आर्यवाहिया मुख्य करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारोख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही ग्रार्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ै!

प्रनुस्ची

जायदाद 8 बिग्घे 0 बिस्वे गांव भ्रजनाली सं० स० सरहिन्द।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सरहिन्द के विलेख सं० नं० 2317, सितम्बर, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, सुधियाना

दिनांक 15 दिसम्बर 1980 मोहर: प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस०-

मायकर ग्रिप्तियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रिप्तीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980 रवेण संव सीएचकीव/45/80-81—श्रवः मध्ये

निवेम सं० सीएचडी०/45/80-81----श्रतः मुझे, सुखदेव ====

चन्द,

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० खेती वाडी भूमि 11 कनाल है सथा जो गांव मौयली जागरां, यू० टी०, चण्डीगढ़, में रिथ्त है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची मे स्रौर पूर्ण रूप मे वणित है), रिश्टिं कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगड में रिजिस्ट्रीकरण स्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक मई, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, धौर धन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिविंव उद्देश ने उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः, अव, उक्त प्रधिनिक्यकी धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त घधितिक्ष की घारा 269-घ की खब्धारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, अधीता —

- (1) श्रो नछत्तर सिंह पुत्र समपुरन सिंह गांव रायेपुर कलां, यू० टी०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला कुमारी पहिन श्री महाराज कृष्ण महिद्दीरत्ता मकान नं० 1236, मेक्टर 18-सी०, चण्डीगढ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्क्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
 ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकामन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः —इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रीव्यिम' के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रायें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 कनाल गाँव मौयली जागरां, यू०टी० चण्डीगढ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 192, मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, लुधियाना

चिनांक: 15 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई० टो० एन० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश मं० सीएचडी०/38/80-81—प्रप्तः मुझे, सुखदेव चन्द प्रायक्तर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

मूल्य 25,000/- चपए से मिधिक हैं।

भीर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 1268, है सथा जो सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रॉंग इससे उपाबद्ध अनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं),रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पग्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उनन अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाट :---

- (1) श्रो सतवीर सिंह, पुत्र श्रो बीर सिंह निवासी सक्यून्तनी गौम्रा, गौम्रा, द्वारा उसकी स्पैशल पावर श्राफ ग्रटारनी श्री मनोहर लाल पुत्र श्री नानक चन्द, मकान नं० 60 सेक्टर, 15-ए०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री हरि चन्द व श्रीमती पुष्पा विदनी परनी श्री कृष्ण कुमार मकान नं नं 1267, सेक्टर, 34-सी०, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख, से
 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकारी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उनत प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1268, सेक्टर, 34-सी०, वण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मं० नं० 177, मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, सुधियाना

दिनांक 15 दिसम्बर 1980 मोहर: प्ररूप 'आई' . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980 🛒

निदेश सं० जीएमएल०/3/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पेति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 5/24 हिस्सा दुकान न० '6, 6/1 ग्रौर 6/2 है तथा जो नार्थ श्रुवः टैरेंस, दी माल शिमंला में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण क्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनोक मई, 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त्रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गर्या प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक स्प में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अघने में सूविधा के लिए; आरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्रो (लाला) ज्ञान 'चन्द कुंठियाला सुपुत्र लाला करोड़ी मल, रिहायकी 36 लोग्नर बाजार, शिमला।

(अन्तरक)

(2) मिसेज उमा देवी चन्द विधवा श्री श्रार० एल० देवी चन्द रिहायणी नं० 6 नार्थ बुक हैरेस दी माल, श्रिमला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पयो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ं अनुसूची

5/24 हिस्मा दुकान नं० 6, 6/1 ग्रीर 6/2, नार्थ क्रक टैरेस, दी माल, णिमला।

(जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी शिमला के कार्यालय के विश्लेख सं० नं० 357, मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

मौहरं: '

प्रक्प आई० टी० एन० एस०———— आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एलडीएव०/ग्रार०/12/80-81—ग्रतः मुझे, मुखदेव चन्द,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिमियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है जि स्वावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व से सिक्क है

श्रौर जिसकी सं० जायदाद 8 कनाल 13 मरले है तथा जो गांव पाजा, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण, श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और सम्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिसन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय. की बाबत उनत धिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविका के निए;

नतः थन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, छन्त अधिनियम की बारा 26% की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीतः !-- (1) श्री सौदागर सिंह सुपुत श्री काकु सिंह रिहायणी गांव पात्रा, नहसील लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० जुपीटर रैडियोज (रिजस्टर्ड) सी०-46 ग्रीखार इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-II, न्यू दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्ववाहियां करता है।

चक्त सम्यत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी 'वक्त बधि-नियम', के बद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसुची

जायदाद 8 कनाल 13 मरले, गांव पाव, जिला सुधियाना।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सुधियाना
के विलेख सं० नं० 507 मई 1980 में दर्ज है)।

मुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियान

विनांक: 15 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जनरेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

श्रौर जिसकी सं रिहायशी प्लाट नं 661 है तथा जो संकटर 33/बीठ, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इसमें उपाब द्व अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5 मई, 80 को पूर्वों करा संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल फा निम्निलिखित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां अर्थात्:--

- (1) कर्नल वी० के० चावला सुपुत्र श्रीबी० डी० चावला, रिहायशी 3-बी, मयुरा रोड, न्यु दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विजय ग्रहलूवालिया पत्नि कैप्टन एन० पी० ग्रहलूवालिया ग्रीर कैप्टन एन० पी० ग्रहलुवालिया सुपुत्र श्री एस० पी० ग्रहलुवालिया रिहायशी 86, महाराना प्रताप रोड, श्रम्बाला कैट। (अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पृवर्षिक्त सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

रिहायणी प्लाट नं० 661/सैक्टर 33-जी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 436, मई 1980 में वर्ज है)।

> सुखदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिधयाना

विनांक: 15 दिसम्बर 1980

प्ररूप भाई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 दिसम्बर 1980

निदेश स० सीएचडी०/65/80-81-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से बिधिक है

ग्रीर जिसकी सं रिष्हायशी प्लाट नं 1622 है तथा जो सैक्टर 36-डी. चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाक मई, 1980 को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) लै॰ कर्नेलामदान सिंह बाजबा सुपुत्र श्री लाभ सिंह बाजबा, जनरल ग्रिधकारी, कमांडिंग चीफ, ईस्ट्रन कमाण्ड कलकत्ता-21।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरकमलजीत सिंह दत्तक पुत्र लखमीर सिंह ग्रीर श्री हरजीत सिंह सुपुत्र श्री भुखदेव सिंह रिहायणी कमलवाला, तहसील टोहाणा, जिला हिसार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहि<u>यां</u> करूता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिने की अविधे या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमं की तामील से 30 दिन की अविधे, जो भी अविधे बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तिस्त्रमों में से किसी स्वयक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंक्ति में हित-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्कारा क्योहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकीये।

स्कृष्टोक्करणः — इसमें प्रमृत्ता शब्दों और पदों का, जो उतर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बह्दी अर्थ होसा जो उसः अध्याय में विसा सकत्ती ।

मन्**त्र**ीः

रिहाथगी प्लाट नं० 1622, सैक्टर 36-डी०, चण्डीगढ़। (जायदाथ जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० नं० 381, मई, 1980 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेंज, लुधियाना

दिनाक: 15 दिसम्बर, 1980

प्रकृष याई० ही• एन० एस०---

आयकर बिर्तिसन, 1981 (1961 का 43) की शारा 269 घ(1) के अधीत सूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनक 15 दिसम्बर, 1980

निदेण सै॰ सीएचडी॰/73/80-81--ग्रत मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका विश्त बाजार मृह्य 25,000/-द॰ से अधिक है

मौर जिसकी स० रिहायणी प्लाट न० 363 है तथा जो सैक्टर 38-ए०-चण्डीगढ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पृणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ, में, रजिस्ट्रीकरण मधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ, में, रजिस्ट्रीकरण मधिकियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनाक मई, 1980 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान मिल्का से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह, प्रविक्त से अधिक है और भन्तरिक (भन्तरिकों) भीर भन्तरिकों। (भन्तरितयों) के बीक ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीम कर देने के अन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अफ्रिनिग्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत .--- (1) श्री बसन्त लाल मुपुत्त श्री कॉणी राम रिहायणी 368 सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़, मार्फ्त मुख्त्यारे आम श्री जिलोक चन्द चौपड़ा सुपुत्र श्री सिरीनियास चौपड़ा मार्फत एल० श्राई०सी० श्राफ इण्डिया, कृरुक्षेत्र ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कान्ता चांपडा पिन श्री जिलोक चन्द चौपडा मार्फत एल० श्राई० सी० श्राफ इण्डिया क्रुक्क्षेत्र।

(भ्रन्सन्दिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्मति के अर्जक के निए कार्यवाहियां करता हु।

इक्तु सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मा बाबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी अविविद्या कर सूचना की तामील से 30 विन की बर्बाध, को भी सबक्षि बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्वें में कियी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचका के राज्यत में प्रकाशक की तारी का से 45 दिश के भीतर धक्त स्थावर संपत्ति में दितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घंधो हस्ताकरी के पास किवित में किए जा नकेंगे।

स्पड़ीकरण : ---इसमें प्रयुक्त शक्वों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अबं होगा, जो छस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

रियाहणी प्लाट न० 363 सैक्टर 38-ए० चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी **चण्डीगढ़** के विलेख सं० 458, मई, 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज,लुधियाना

दिनाक . 15 दिसम्बर, 1980

प्ररूप धाई० टी० एत० "म०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनोक 15 दिसम्बर 1980 निदेश सं० सीएचडी०/42/80-81—श्चतः मुझे, सुखदेव

सन्द, मायरुर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसक पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क। कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से मूल्य 25,000/- रुपए मधिक है भीर ज़िसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 2110 है तथा जो सैक्टर 35-वसी० चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इस उपावतः श्रनुसूची मे श्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति .के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यभारत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति हा उचित वाजार मूल्य, उसके दुख्यमान प्रतिफल से, ऐस दुश्यमान प्रतिकल के गन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ब्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण म हुई किसी भाय की बाबत उक्त भाध-नियम, के भंधीन कर देने के भन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बजने में सुविधा क लिए; और/या
- (ख) ऐसे किमी श्राय या किमी धन या श्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ना के अनु-करण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयोत् :-- (1) मेजर इकबाल मोहन सिंह सुपुत्र श्री मोहन सिंह मार्फत मुख्त्यारे श्राम श्री मक्खन सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह रिहायणी 2110 सैंक्टर 35-सी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रजीत सिंह ग्राँर जितन्द्र सिंह सुपुत्र श्री मक्खन सिंह रिहायशी 2110 सैंक्टर 35, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी अरके पूर्वीकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की ग्रविध या तत्संबधो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रक्षाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायणी प्लाट नं० 2110, सैन्टर 35-सी चण्डीगढ़ (आयवाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कायलिय के विलेख संख्या नं० 184 मई 1980 में दर्ज है।)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, सुधियामा

विनांक: 15 विसम्बर, 1980

प्ररूप आइ¹. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 15 दिसम्बर 1980

निदेश मं० एल डीएच०/47/80-81---ध्रतः मुझे, सुखदेव चम्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण । कि स्थावर मपस्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र.. में अधिक है

घौर जिसकी स० प्लाट रकबा 4921/2 वर्ग गज है तथा जो न्यू लाजपत नगर, लिधयाना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्री ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक जुन, 80

को पूर्वोक्त संपित्स के उजित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिभित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्वत व्यक्तियों अर्थातः --

(1) श्रीमती ज्ञानदेवी पत्नी श्री जगमोहन लाल श्रौर श्री जगमोहन लाल मुपुत्र श्री किशोरी लाल रिहायणी बी०-II-378 कौशल बिल्डिंग, घास मण्डी , लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धनवन्त राय सुपुत्र श्री सोहन लाल रिहायशी 506/2 विन्दावन रोड, मिण्डीकेट, लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्चना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्यी

प्लाट 492/1/9 त्रर्ग गज स्थिति स्यू लाजपत नगर लिधियाना ।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के विलेख स० नं० 1126 जून, 1980 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई¹.टी.एन.एम.-----

आंपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जयपुर

जयप्र, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० राज०/सहा० म्रा०म्पर्जन/843—यतः मुझे, एम० एन० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसंकी सं व्याद्ध श्राफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रोर इससे उगाबद श्रंनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 जुन, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवाकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कीथल महीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती पिनदा राज्य लक्ष्मी, सी०-६, सिविल लाइन्स, जयपुर। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स राजपुताना होटल्स, (प्राइवेट) लिमिटेड, एम० प्राई०रोड, जयपुरद्वारा प्रधिकृत डायरैक्टर्स सर्वश्री घनग्यामदास लोहोटिया पुत्र एव०श्री मुरली धरजी लाहोटी एवं हिमांगु शर्मा पुत्र श्री ण्यामप्रसाद शर्मा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अंत्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वा के राषपके में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्याव्यक्तिरणः:--इंसमें प्रयोक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हींगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ग्राफ लैण्ड क्षेत्रफल 3740 वर्गेगज जो गुलाब बाग, एम ग्राई० रोड, जयपुर पर स्थित है ग्रीर उपपंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 5-6-80 परपंजीबद्ध विकयपत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनोक: 15 जनवरी 1981

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०---

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/844—म्रातः मुझे, एम० एल० चौहान

ग्रायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में ग्राधिक है

श्रीर जिसका सं प्रवाद नं 2 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इसस उपाबद श्रनुसून, में श्रीर पर्ण रूप में विणत है), रिन्स्ट्राकर्ती प्रधिकार: के आर्यालय, लयपुर में रिक्स्ट्रंकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण म हुई िक्सी आय की बायत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राम या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, भ्रब, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—— 19—446 GI/80

- (1) श्रा महेश कुमार शर्मा द्वारा जनरल पावर धाफ ग्रदानी होल्डर श्रा विद्याधर खेतान पुत्र श्री चण्डी प्रमाद खेतान, 25/1 रोलेण्ड रोड, कलकत्ता (ध्रन्तरक)
- (2) श्री भैरव दत्त खेतान एवं श्री भवानी शंकर खेतान पुतान श्री घीमालाल जी प्लाट नं० 50, विवेकानन्द रोड, कलकत्ता-7

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **ग्रजैन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति बारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यड्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त मधि-नियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस प्रष्याय में दिया गया है।

ानसभी

प्ताट नं० 2, गोरालबाड़, श्रामेर रोड, जयपुर जिसमें एम कमरा उत्तरमुखी बना हुआ है श्रोर उप पजियक, जयपुर द्वारा कमसंख्या 1129 दिनांक 19-5-80 पर पजियद्ध विकय पत्न श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, ज्यपुर

दिनांक: 15 जनवरी, 1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

आयंकर पश्चिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी, 1981

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/845---श्रतः मुझे, एम० एस० चौहान

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र॰ से मधिक है

ग्रीर जिसको संख्या कृषि भूमि है तथा जो तह० सांगानेर में स्थित है, और इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सांगानेर में, रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 17-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिष्ठक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय आय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयातः -- (1) श्री नारायण पुत्र देवा जाट निवासी ग्राम श्रावनियाँ तहसील मांगानेर ।

(ब्रन्सरक)

(2) श्री भंबर खां पुत्र हमम खां कामखानी मुसलमान निवासी ग्राम ग्रावनियां बगरू कलों के पास तह० सांगानेर

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जम के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सक किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है ।

अनुसूची

3 बोषा और 3.5 बिस्या कृषि भूमि जो ग्रा० श्राव-निया बगरू कलां के पास, तह० सांगानेर में स्थित हैं ग्रीर उप पंजियक, सांगानेर द्वारा कम संख्या 717 दिनांक 17-11-80 पर पंजीबढ़ विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनां क. 15-1-8 1

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर क्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 जनवरी 1981

निदेश स० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/846---यतः मुझे, एम० एस० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो तह० मागांनेर में स्थित है, (श्रीर इमसे उपाबक श्रनुसृत्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सागानेर में, रिजस्ट्राकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीभीन, दिनांक 17-11-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः— (1) श्री नारायण पुत्र देवा जाट निवासी ग्राम भ्रवा-निया तहसील सागानेर ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री कैलाण चन्द्र पुत्र लादू राम ग्रग्रवाल निवासी बगरूं कलां तहसील मागानेर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की देवनीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरों।

स्पृथ्विकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, श्रो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

3 बोघा 3.5 बिस्वा कृषि भूमि जो ग्राम प्रवा-निया तहसील माँगानेर में बगरू कलां के पास स्थित है ग्रीर उप पंजीयक, माँगानेर ब्रारा क्रम संख्या 718 दिनांक 17-11-80 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राभिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपूर

दिनांक: 15-1-1981

सोहर:

प्ररूप झाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदंश सं० राज० /सहा० म्रा० म्रर्जन /8 53—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० डो० 57 (मकान) है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुन में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिल्स्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की वाजत, धक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन रुपिन्तयों, धर्मातः ---- (1) श्री कृष्ण कुमार श्रुझ्नवाला पुत्र स्व० श्री वल्लभ-दास जी झुंझुनवाला बहैसियत मुख्तीरग्राम शरतकुमार झुंझुनवाला निवासी 7 कैनिंग स्ट्रीट, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) दी हंसा केमिकल फार्मेसी, नरायना (राज्स्थान) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की सर्वधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी स्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्क्टों और पदों का जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय-20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

प्लाट नं० डो०-75 (पश्चिमी भाग) की मकान सम्पत्ति जो बनीपार्क जयपुर में स्थित है स्त्रीर उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1169 दिनांक 20-5-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में झौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निर्रक्षण) ध्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक: 22-1-1981

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 जनवरी, 1981

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/854---ग्रतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रोम मांचवा (जयपुर)
में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर
में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
श्रधीन, दिनांक 14 मई, 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री मधूलिका श्रग्नचाल पत्नि श्री विष्णु प्रकाश श्रग्नचाल प्लाट नं० 80/10, सिविल लाईन्स श्रजमेर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सैयद जमील पुत्र श्री राद इसार गर्ला एवं हसमत ग्रली पुत्र सैयद अकबर ग्रली, मुक्-दगढ़ हाउम, संसारचन्द रोड, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हु⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु⁴।

अनुसूची

33 बीधा 18 बिस्वा कृषि भूमि जो माँचवा तहसील जयपुर में स्थित है स्प्रीर उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1090 दिनांक 14-5-80 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में स्प्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एस० एल० घौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

विनाक: 21-1-1981

प्रस्प आई ० टी० एन० एस० -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज जयपुर जयपुर, विमांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/850— म्रतः मुझे, एम० एन० चौहान,

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संक कृषि भूमि है तथा जो 6ई० छोटी में स्थित है (श्रौर इससे उपाब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्री गगानगर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 3-5-1980

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाचा बना प्रतिक्क फल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिविक क्ष से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत:——

- (1) श्री श्रमीचन्व पुत्र श्री भगवान दास कुम्हार निवासी चक 6 ई छोटी, श्री गंगानगर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गंगानगर सिंधी गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा श्री रमेश धनकानी, एडवोकेट एण्ड नोटेरी, कलक्ट्रेट, श्री गंगानगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरफी पृत्रक्तिस सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त संस्पत्ति के कर्जन के सस्बन्ध में बांदा भी आक्षेत्र:--

- (क) इस स्वान के प्राचपत्र को प्रकाशन की तन्त्रीय से 45 विन की अवधि था सरसम्बंधी व्यक्तिकों पर स्वान की तामीय से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी स्मित्त बुवारा;
- (अ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिचित में देवस का सकती।

धनुसूची

4 बीघा स्नीर 4 बिस्मा कृषि भूमि जो चक 6ई छोटी, श्री गगत्मसर में स्थित है स्नीर उप पंजियक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 671 विकांक 3-5-1980 पर पंजिबद्ध विकास पत्र में स्नीर विस्मृत रूप से निवस्तिक है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहाायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 22-1-1981

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

स्तराकर अधिनियम 1961 (1961 ा 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं. राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/851—श्रतः पुझे, एम० एस० चौहान

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बांजार मूह्य 25,900/- क॰ से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 6ई छोटी में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-5-1980

को प्रकॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित को नई है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि अभापमा प्रतिकाल के लिए अभापमा प्रतिकाल के प्रवास के दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल के प्रवाह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गना है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावल उक्त शिविनयम के अश्वीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मैं सुविधा के लिए;

म्मतः, ज्ञाब, ज्ञांत प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निकिखित व्यक्तियों प्रयति :--

(1) श्री मुखराम पुन्न भगवानदास कुम्हार निवासी चक 6 ई छोटी, श्री गंगानगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गंगानणर सिधी गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा श्री रमेश धनकानी, एडवोकेट एण्ड नोटेरी कलेक्ट्रेट, श्री गंगानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विम की शवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्साक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्ह श्रिष्टित्यम के ग्रष्ट्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिसा गया है।

प्रमुखो

4 बीघा 15 बिस्या कृषि भूमि जो चक 6ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है ग्रीर उप पंजीयक, श्री गंगानगर द्वारा कम संख्या 765 दिनांक 3-5-1980 पर पंजीबड विकास पत्र में ग्रीर बिस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 22 जनवरी 1981

प्रस्प आई० धी॰ एत० एस०-----

आयकर अधिनयप, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, पद्मायक क्षायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० राज०/सहा०ग्रा० ग्रर्जन/848—ग्रत मुझे, एम० एन० चौहान,

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि खाबर सम्यन्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000- कि से प्रविक्ष है श्रीर जिसकी सं० लिप भूमि है तथा जो 6ई० छोटी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण च्य वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगा-नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 3-5-1980

को पूर्वीस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल है जिए एन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गम प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिन्न नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:-- (1) श्री भगवाना राम पुत्र श्री मोतीराम कुम्हार, निवासी 6ई० छोटी, श्री गंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री गंगानगर सिश्री गृह निर्माण सहकारी समिति निर्मिटेड श्रध्यक्ष रमेश धनकानी, एडवीकेट नोटेरी कलक्ट्रेट, श्री गंगानगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

4 बीघा ऋषि भूमि जो चक 6ई छोटी, श्री गंगानगर में स्थित है श्रौर उन्न पंजीयिक, श्री गंगानगर द्वारा ऋम संख्या 762 दिनांक 3-5-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेज, जयपुर

दिनांक: 22 जनवरी, 1981

प्रक्रप माई० टी० एन० एस०--

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

हत्यांनय, सहायक <mark>भायकर आयुक्त (निरीक्षण</mark>)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/852——श्रतः मुझे, एम० एस० चौहान,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अंत्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-दुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो 6ई छोटी में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के एजित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तर एया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन या श्रम्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय शायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वाकिया जाना चाहिए था छिपाने में मुविषा के निए;

श्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अश्री । स्वित्ति वा अवित्यों प्रयोत:----20--446GI/80 (1) श्री हीरालाल पुत्र श्री भगवानदास कुम्हार विनासी चक्क 6 ई० छोटी, श्री गंगानगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गगानगर सिधी गृह निर्माण सहकारी समिति लि० द्वारा श्री रमेश धनकानी एडवोकेट एवं नोटेरी कलैंक्ट्रेट, श्री गंगानगर।

(ग्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करक वृजीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

ज़क्त सम्पत्ति के श्राचंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (खा) इस मूचना ह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोउस्ताक्षरी के पास लिखित में हिए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्वो का, जो उक्त ऋधि-नियम हं ऋडवाय 20-क में यथा परि ाषित है, बही अर्थ होगा, जो उन ऋडवाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बीधा कृषि भूमि जो चक 6ई छोटी श्रो गंगानगर में स्थित है और उप पंजीयक, श्री गंगानगर द्वारा कमसंख्या 859 दिनांक 3-5-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एस०एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जपुयर

दिनाक: 22 जनवरी, 1981

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के पंत्रीर प्वना

भारत सरकार

कार्यानप, सहायक आधीकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

र्जनरेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० र्राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/849—ग्रतः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस हे प्रवात् 'उन । प्रधितियम कहा गया है), की धारा 269-ज के अधोन सभम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बक्षि, जिसका उचिन बाजार मूख्य 25,000/-रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो 6ई छोटी श्री गंगानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के के कार्यालय श्री गंगानगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1098 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-5-1980

- की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के बृश्यभान प्रशिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल कः पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्रिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरिविमों) के बीच ऐसे भन्तरक के निए तय पामा गया प्रतिफन, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त भन्तरक सिवित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त याधनियम के प्रधीन कर वने के प्रकारक के वायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय धायकर घष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा था किया शारा चाहिए था, फियाने में सुविधा के किए।

अतः, अतः, अन्त अधिनियम को जारा ४६५-ग के यमुसर्ज मं, मे, उपता अधिनियम को बार ४६७-व को उपबार। (1) के अधीन निम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थातः -- (1) श्री हेतराम पुत्र श्री भगवान दास कुम्हार निवासी चक 6ई छोटी, श्री गंगानगर।

(मन्तरक)

(2) श्री गंगानगर सिंधी गृह निर्माण सहकारी समिति लि० द्वारा रमेश धनकानी एडवोकेट एवं नोटेरी कर्लक्ट्रेट, श्री गंगानगर ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारीख से
 45 बिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील हे 30 बिन की धवधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के चीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में वितवज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकारिकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदा का, जो उन्त अधि-निजय के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

1 बीधा कृषि भूमि जो चक 6ई छोटी श्री गंगा नगर में स्थित है श्रीर उप पिजयक, श्री गंगानगर द्वारा ऋस संख्या 862 दिनाक 3-5-1980 पर पंजिबद्ध पत्न विऋय मे श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 22 जनवरी, 1981

प्ररूप आई . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 जनवरी, 1981

निदेश सं० राज०/सहा० स्ना० ग्रर्जन/19 ---स्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बीकानेर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15-5-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि महेन्द्र कुमार, श्री ज्ञानचन्द्र पुत्र श्री जसकरण, कोचरों का मोहरूला, बीकानेर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सूरज देवी पत्नि डा॰ जी॰ एस॰ चावला 3ए॰ सादुल कालोनी, बीकानेर।
 (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषा कित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्रनुसूचो

फी होल्ड लेण्ड, 743 वर्गमीटर, प्लाट नं० 77 सैक्टर, नं० ए०, सादुल गंज बीकानेर में स्थित है श्रौर उप पंजियक, बीकानेर द्वारा कम संख्या 601 दिनांक 15-5-80 पर पंजियद्ध विक्रय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 22 जनवरी, 1981

प्ररूप धाई० टी० एम० एस०--

भ्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० राज०/सहा० म्ना० म्नार्जन/862--म्रत. मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० पिम भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकरी के कार्यालय, ब्यावर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 17-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त अम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीत ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रम्बीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिषम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः-- (1) श्री सूत्र्य लाल पुत्र किशनाजी तेली निवासी बीचवली तेलियों का मोहल्ला, ब्यावर।

(अन्तरक)

(2) श्री कमल कुमार जैन पुत्र श्री ग्रोम प्रकाण जैन प्रानी हलवाई गली, ब्यावर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंग के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा ग्रंथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो भीर पदों का, जी 'उक्त श्रिधितयन', के श्रष्टपाय 20-के मे परिभाषित है, वहां जब होगा, जो उन श्रष्टपाय में दिशा गया है।

अनुसूची

15 बिस्वा अवेर 10 बिस्वांसी कृषि भूमि जो राष्ट्रीय राजमार्ग, ब्यावर पर स्थित है ग्रीर उप पंजियक, ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 1687 दिनाक 17-5-80 पर पजीबद्ध विकथ पक्ष मे ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 22 जनवरी, 1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 22 जनवरी 1981 निदेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रजाँन/864--श्रत मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी म० कृषि भूमि है तथा जा ब्यायर में स्थित है. श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, ब्यायर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, 17 मई, 1980

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल निम्नलिकिन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गया हैं --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थात्:-- (1) श्रोमती जमुना देवी पत्नि किशनजी तेली, बिच्हर्स तैलियो का मोहल्ला, ज्यावर।

(भन्तरक)

(2) श्रो राजेश कुमार जैन पुत्त श्री क्रोण प्रकाश जैन निवासी पुरानी हलवाई गली, ब्यावर, 2, श्री सुनील कुमार पुत्र कुन्जीलाल जैन, खन्ना कालोनी ब्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिटित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्पी

15 बिस्वा और 10 बिस्वामी कृषि भूमि जो राष्ट्रीय राजनार्ग, ब्यावर पर स्थित है और उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा ऋम संख्या 1691 दिनांक 17-5-1980 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक 22 जनवरी 1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 22 जनवरी 1980

निदेश सं० राज/साह० ग्रा० ग्रर्जन/---श्रत: मुझे, एम० एन० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद ग्रानुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 17-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती भंवरी देवी पत्नि सुम्रालाल तेली, बीचडली तेलीयान तेलियों का मोहल्ला, क्यावर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रोमतो प्रकाश कंबर पहिन श्रो श्रोम प्रकाश जैन, पुरानी हलवाई गली, ज्यावर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सुची

कृषि भूमि 15 बिस्त्रा और 10 विस्त्रोंसी जो राष्ट्रीय राजमार्ग, क्यावर पर स्थित है और उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 1690 विनांक 17-5-1980 पर पंजीबद्ध है विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी

महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक: 22 जनवरी 1981

मोहरः

प्रारूप भाई • टी • एन • एस •-----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा

269-व(1) रुप्रधीन यूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 जनवरी 1981

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/863—प्रत :मुझे, एम० एल० चौहान,

धापकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिथे इसमें इसके नेश्वात् 'उना प्रतितियम' कहा गया है), को जारा 269-ख के अयोग पक्षन प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पति जिसका उक्ति बाजार मूक्य 25,000/-क्ष्पा में प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है (श्रौर इससे छपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 17-5-80 को

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण जिल्लिन में वास्तरिक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रीमित्यम के अभीन कर देने के घन्तरक क वायित्य में कभी करने वा उसमे अचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों हो, जिस्हें भारतीय आयकर धिविसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविसम, या धन-कर धिविसम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ धन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए;

भतः, अस, उक्त धिवियम की धारा 269-ग क यन्थरण में, में, उक्त धिवियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्चात्। --

- (1) श्रो श्रासू उर्फं श्राशाराम पुत्र सूवा लाल तेली निवासी बोचडली नेलियों का मोहल्ला, ब्यावर (प्रन्तरक)
- (2) श्री रमणलाल पुत्र हरकचन्द बागरेचा निवासी भैरुंजी का राम्ता, जयपुर 2 राजकुमार पुत्र कुजी लाल निवासी खन्ना कालोनी, ब्यावर 3, कान्तीलाल, पुत्र हरकचन्द्र निवासी जयपुर (ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 अविधि शाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकत
 प्रवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसो मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा जो उस शब्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

15 बिस्वा श्रीर 10 बिस्त्रांशो कृषि भूमि जो राष्ट्रीय राजमार्ग, ब्यावर पर स्थित है श्रीर उप पजीयक, ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 1692 दिनांक 17-5-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक: 22 जनवरी 1981

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 जनवरी 1981

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/860—- ग्रतः मुझे, एम० एस० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उष्यत बाजार मूल्य 25,000/ रहा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा ब्याबर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ब्यावर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 का (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17 मई, 1980

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्योश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आम मा किसी भन या अन्य आसितयों को, जिन्हें भारतीम आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तित्यों अर्थात्:-- (1) श्रो रामस्वरूप उर्फ स्वरूप पुत्र श्री सुमालाल तेलो निवासी बीचडली. तेलियों का मोहल्ला, व्यावर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती कौशल्या देवी पत्नी कुन्जीलाल एवं संबु सुरेश कुमार पुत कुःजीलाल, निवासी खन्ना कालोनी, ब्यावर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवां क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत : व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया ही।

अनुसूची

15 बिस्वा 10 बिस्वांसी कृषि भृमिजो राष्ट्रीय राज-मार्ग, ब्यावर पर स्थित है श्रीर उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 1693 दिनांक 17-5-80 पर पंजीबद विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक: 21 जनवरी 1981

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयप्र

जयपुर, दिनांक 21 जनवरी 1981

निदेण सं० राज०/सहा०आ० प्रर्जन/857—प्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

मौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रतिकारी के कार्यालय, ब्यावर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन; विनांक 17-5-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथिन नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात :--21-446GI/80

- (1) श्री सूम्रालाल पुत्र कृष्णजी तेली बीचडली तेलियों का मोहरूला, ब्यावर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रो श्रोमश्रकाण पुत्र श्री श्राडरामजी जैन निवासी।
 पुरानो हलवाई गली, व्यायर एवं श्री श्रनुप कुमार
 पुत्र श्रो कुन्जीलाल जैन निवामी खन्ना कालानी,
 व्यावर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

15 बिस्वा और 10 बिस्वांसी कृषि भूमि जो राष्ट्रीय राजमार्ग, ब्यावर पर स्थित है और उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 1688 दिनांक 17-5-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> एम० एल० चीहान, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, जयपर

विनांक: 21 जनवरी, 1981

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 जनवरी 1981

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/861—ग्रतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रिजस्ट्री-करण, ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 17-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रांतफल को, एंचे दृश्यमान प्रांतफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तर एया गण प्रांतफल कि नम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक कर से के विश्व नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिन्त्र में कमी करने या जससे बचने में स्विधा के लिए, और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रो गजानन्द पुत्रश्री सुग्रालाल तेली निवासी बीचडली तेलियों का मोहल्ला, व्यावर । (अन्तरक)
- (2) श्रोमती राजकुमारो जैन, पित्न श्री स्रनूप कुमार जैन, खन्ना कालोनी, ब्यावर, 2 श्रीमती प्रेमलता पित्न रमनलालजी बागरेचा, कुन्दीगरो ये भैरो का रास्ता जोहरी वाजार जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त रम्पित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 (दा का देश) ये या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- पद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिमाणित है, वहो अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

प्रनमुचो

5 बीघा 8 बिस्वा ग्रौर 10 बिस्वांसी कृषि भूमि का सातवा हिस्सा जो राष्ट्रीय राजमार्ग, ब्यावर में स्थित है ग्रौर उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 1689 दिनाक 17-5-80 पर पजीबद्ध विक्रय मे ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुवत (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

दिनांक: 21 जनवरी 1981

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 जनवरी 1981

निदेश मं० राज०/सहा०/म्रा० म्रर्जन/859—म्प्रतः मुझे; एम० एन० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० कृषि भूमि है जो ब्यावर मे स्थित है, (इससे उपाबक प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांव 3-5-80 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वां क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिष्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

ातः अय, उनत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री ताराचन्द पृत्र श्री हरीराम अग्रवाल निवासी व्यावर ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स नवनीत उद्योग द्वारा ग्रनिल कुमार जैन एवं श्रीमती प्रेमलता देवी पहिन नारायण दास दानी निवासी ब्यावर ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्थाव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

2 बीघा 3 बिस्त्रा कृषि भूमि जो कृषि उपज मंडी ब्यावर के निकट स्थित है और उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा कम संख्या 1131 दिनांक 3-5-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 21 जनवरी, 1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 जनवरी, 1981

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/858—श्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

ग्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से ग्रिविक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-5-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिन उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, ग्रयीनु:-- (1) श्री प्रभात एवं पृसा पृत्र मंगला माली, जगवीक प्रसाद एवं कल्याणमल पृत्र प्रताप माली, सूरजपोल गेट, ब्यावर

(अन्तरक)

(2) श्री राजक मार पृत्र क न्जीलाल जैन निवासी खन्ना कालोनी, ब्यावर

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भर्मन के लिए कार्मकाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मार्क्षण: --

- (क) इप मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबिखिया नस्तम्बन्दी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी धविध बाद में ननाष्त्र होती हो, के मीनर पूर्वोका व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूनना हे राजपन में प्रकाशन की दाणीख में 45 दिन के मीनर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी घन्ए अपिंत द्वारा श्रक्षोहम्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा पर्केंगे।

स्रावदीकरण: —हमसे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी खकत प्रतिविधन के श्रद्धाय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस धहमाय में दिया गया है।

मम्सूची

2 बीघा 15 बिस्वा कृषि भूमि जो कृषि उपज मडी, ब्यावर के पास स्थित है और उप पंजीयक, ब्यावर द्वारा कम संख्या 1132 दिनांक 3-5-1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एन० चीहान, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर,

दिनांक: 21 जनवरी, 1981

भारत सरकार

कार्यालय, महासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जनवरी 1981 निर्देण मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1-एग० श्रार०-III/5-80/319——श्रतः मुझे, श्रार० बो० एल० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 84 बीघा 19 बिस्वास है तथा जो जमीन गांव विजवासन, देहली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ना श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-5-1980

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री राम सिंह पुत्र चन्दन गांव विजवासन, देहली। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्न प्रन्सन प्रापर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 अन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 84 बीघा 19 विस्ताम जो कि रेवेन्यृ इस्टेट गांव विजवासन तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थिन है।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,दिल्ली,नई दिल्ली

तारीख: 9-1-1981

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

भारतीय वन सेवा परीक्षा 1981

[स. एफ. 13/5/8-40 आह². (ख)]

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 फरवरी 1981

भारत के राजपत्र दिनांक 7 फरवरी, 1981 गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक मुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमां के अनुसार भारतीय वन संवा में भर्ती के लिए संघ लोक संवा आयोग ख्वारा अगरतला, अहमदाबाव, एंजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कार्चीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैंदराबाद, इम्फाल, इंटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लसनउन, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेंद्रम, में 26 जुलाई, 1981 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि बाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बार में सूचित किया जाएगा (देखिए, अनुबंध आई., परा 11)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 100 है (इनमें अनुमूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए 15 रिक्तियां और अनुमूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए 8 रिक्तियां सम्मिलित है) इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।
- 3. परीक्षा में प्रवेश चाहन वाले उम्मीद वार को निर्धारित प्रपत्र पर सिवय, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवंदन करना चाहिए। निर्धारित आवंदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवंदन प्रपत्र आयोग के काउटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।
 - नोट :-- उम्मीविवारों को भेतावनी वी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित मृद्धित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।
- 4. भरा हुआ आवंदनपत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सिंचव, संघ लॉक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 6 अप्रैल 1981 (20 अप्रैल 1981 से पहले की किसी तारीस से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकाबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, संभालय, अरुणाचन प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम तथा जम्मू और कश्मीर के लद्वास डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 6 अप्रैल 1981) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य प्रजवा

दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा करा दिया जाए । निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा ।

विदशों में या अंडमान एवं निकाबार द्वीप समूह, लक्ष-द्वीप, असम, मेघालय, अराणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपूर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख डिबीजन में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तृत करने के लिए कह सकता है कि वह 6 अप्रैल 1981 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकाबार व्वीप समूह, लक्षव्वीप, असम, मेघालय, अराणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपूर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लद्दाख डिबीजन में रह रहा था।

- नाट : -- जो उम्मीदबार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आबेदन की प्रस्तृति होतू अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आबेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दास क्षेत्र आदि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- 5. परीक्षा में प्रवंश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयेग को रह. 48.00 (अन्सूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के मामले में रह. 12.00) का गूल्क भेजना हांगा जो कि सचिव, संघ लोक संवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डिया की मूख्य शाखा, नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की मूख्य शाखा, नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित वैंक हाफ्ट के रूप में हो।

विदश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करना होगा तािक वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भंजनी वाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा 6 के अंतर्गत निर्धारित श्ल्क से छूट चाहते हैं।

- 6. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित श्लंक में छुट दे सकता है जब यह इम बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावितित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में आया है या वह एक मूलतः भारतीय व्यक्ति है, जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।
- 7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित श्ल्क का भगतान कर दिया हो किन्तू उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवंश नहीं दिया गया हो तो उसे रा. 30/- (अनुमूचित अनिशों और अनुमूचित जनतिशों और अनुमूचित जन जातियों के मामलों में रा. 8.00) की राशि वापस कर दी आएगी।

उपर्य्क्त उपविनिधत व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति भे आयोग को भूगतान किए गए शुल्क की बापसी के किसी दार्य पर न ता विचार किया जाएगा और र ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रक्षा जा सकेगा।

- 8. आवेदन-पत्र प्रस्त्त करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी को लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुराध पर किसी भी परिस्थिति मो विचार नहीं किया जाएगा ।
- 9. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट िक्या गया था, सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र में वस्सुपरक प्रश्न पूछ जाएंगे। नमूने के प्रश्न सिंहत वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी ब्यौरे के लिए कृपया "उम्मीद वार-सूचना-विवरणिका" के अनुबंध 2 का अवलोकन करें।

विनय भा, उप स**चि**व, संघ लोक संघा आयोग

अमुबन्ध ।

उम्मीदवारों को अन्वेश

1. उम्मीदवार को आबदेन-पत्र भरने से पहले अपनी पात्रता समभ लेने के लिए नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ लेना चाहिए। निर्धारित शर्तों में कोई छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैराग्राफ 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से मंबद्ध अनुरोध को मामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु अब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होतू अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उस सिंबन, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औं जित्य बताते हुए एक पत्र रिजन्टर्ड डाक से अवदय भेजना चाहिए कि वह केन्द्र मे परिवर्तन क्यों चाहता है। एसे अन्योधों पर गूणवक्ता के आधार पर विचार किया आएगा किन्तु 26 जून, 1981 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती-कार्ड अपने हाथ से ही भरने बाहिए। अधूरा या गलत भरा ह्आ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

उम्मीवनारों को ध्यान रखना नाहिए कि आयोग द्वारा आवदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा । इसलिए उन्हें आवदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी नाहिए ।

उम्मीदवारों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें किसी भी परिस्थिति में उस विषय को बबलने की अनुमति नहीं दी जाएगी जो उन्होंने उक्त परीक्षा होत् अपने आवेदन-पत्र में निर्दिष्ट किया था।

सभी उम्मीदवारों को, बाह वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या मरकारी आँशोंगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य मंगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिएं। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के दुवारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दोर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा भले ही यह नियोक्ता को आियरी नारीय से पहले प्रस्तन किया गया हो ।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकिस्मिक या दौनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी है सियत में या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की है सियत से काम कर रहें हैं उन्हें यह परिवचन (अंडस्टेकिंग) प्रस्तृत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सृचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

- 3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्निलिसित प्रमाण-पत्र अवस्य भोजने चाहिए।
 - (1) निर्धारित शूल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पास्टल आर्टर या बैंक अपने वाये के समर्थन में प्रमाण-पत्र की प्रमाणिल/अभि-प्रमाणित प्रतिलिप (देखिए नोटिस का पैरा 5 और 6 और नीचे पैरा 6)।
 - (2) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि।
 - (3) शिक्षक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिनिधि ।
 - (4) उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटों की दो एक असी प्रतियां भेजनी चाहिए । इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका दोनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्धारित स्थान पर चिपका दोनी चाहिए ।
 - (5) लगभग 11.5 सें. मी. ×27.5 सें. मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर आपका पता निक्षा हो ।
 - (6) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (दिश्वण् नीचे परेरा 4)।
 - (7) जहां लागृहों बहां आय् में छाट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि (दोसिए नीचे पैरा 5)।
 - (8) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ है।

नोट :— उम्मीदवारों को आवंदन-पत्रों के साथ उपयुक्त मद (2), (3), (6) और (7) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तृत करनी हुँ जो सरकार के किसी राजपत्र अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों। जो उम्मीदवार निस्त परीक्षा के परिणामों के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षा होतू साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हुँ उन्हुँ लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए आने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तृत करनी होंगी। लिखित परीक्षा के परिणाम नवम्बर 1981 महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण पत्रों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्त्त करने हेन् तैयार रसना चाहिए। जो उम्मीदवार उम समय अपेक्षित प्रमाण पत्रों को मूल रूप में प्रस्त्त नहीं करों उनकी उम्मीदवारी रदद कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

उपर्युक्त पैरा 3 की मद (1) से (4) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे और पैरा 6 में दिए गए हैं और मद (6) और (7) के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(1) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पस्टिल आर्डर ।

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रोलांकित किया जाए तथा उस पर 'सिचिय, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दये' लिखा जाना चाहिए ।

किसी अन्य डाकघर पर दोय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत मों स्वीकार नहीं किए जायोंगे । विरूपित या कटो-फटो पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मृहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय हों, उन्हों भेजना स्रक्षित नहीं ही।

(स) निर्धारित शुल्क को लिए रोगांकित बैंक अपट :---

वैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, मूख्य शाखा नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देश किए गए बैंक डापट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक डापट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(2) आयू का प्रमाण-पत्र :—आयोग जन्म की वह तारीस स्वीकार करता है जो मैट्रिक लेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक लेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिक लेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिक लेटों के रिजस्टर में वर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के सम्मित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उमकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चूका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप प्रस्तुत कर सकता है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य वस्तावेज जैसे जन्मकंडली, शपथपत्र, नगर निगम में और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उवधरण, तथा अन्य एंसे ही प्रमाण स्त्रीकार नहीं किए आएंगे।

अनुदोशों को इस भाग में आए हुए ''मैट्रीक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र'' वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्यक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र मस्मिलित हैं।

कभी कभी मैट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारील नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। एसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रीक लेशन/उच्चत्र माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभि- प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि को अतिरिक्त उस संस्था के हैं उमास्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अधि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैंट्रिक लेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दासिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीय या वास्तिषक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुबेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी 1:— जिस उम्मीदवार के पास पकुाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 2:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना बाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिक लोगन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 3:—- उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर बेने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :— उम्मीदवार को एक प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 5 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विद्वविव्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विद्योष प्रदान की हो। यदि एसा प्रमाण-पत्र न भेजा आए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस साक्ष्य की गुणवत्ता पर विद्यार करना, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं हैं।

यिव किसी उम्मीदवार ष्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में डिग्नी परीक्षा में उत्तीर्ण होने के संबद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिंसिपल/विभागाध्यक्ष से इस आश्य का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 5 में निर्विष्ट विषयों में अहाँक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हैं।

- नोट :— उन उम्मीदवारों को जो एंसी परीक्षा में बैठ चूके हों जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वे आयोग की उक्त परीक्षा के लिए शैंक्षिक दिष्ट से पात्र हो जाते हैं किन्त्र इस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो तथा एसे उम्मीदवारों को भी जो एसी अर्ह्य परीक्षा में बैठना चाहते हों, आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं विया जाएगा।
- (4) <u>फोटोग्राफ :--- उम्मीदियार को अपने हाल ही</u> के पास-पोर्ट आकार (लगभग 5 से. मी. × 7 से. मी.) के फोटो की

वो एक जैसी प्रतियां अवषय भेजनी चाहिएं। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रयत्र को पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपका दोनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति को उत्पर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिएं।

ध्यान दं:— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि अविद-पत्र के साथ उपर्यक्त पराम्राफ 3 (2), 3 (3) और 3 (4) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टिकरण नहीं दिया गया हो तो आवदन-पत्र अस्त्रीकार किया जा सकता है तथा इस अस्वीकृति के विरुद्ध किमी अपीन पर विचार नहीं किया आएगा। जो प्रमाण-पत्र आवदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवदन-पत्र भेजने के बाव भीष्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर अवस्य पहन्च जाना चाहिए, अन्यथा आवदन-पत्र रदद किया जा सकता है।

4. यिष कोई उम्मीदवार किसी अन्सूचित जाित या अनुसूचित जनजाित का होने का दावा कर तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उनके माता पिता (या जीिवत माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्निलिखित किमी अन्य एसे अधिकारी, से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नािमत किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उनकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रकिलिप प्रम्तूत करनी चािहए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चािहए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम सार पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने बाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीव-बारों बुवारा प्रस्तृत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :--

जाति/जन जाति को/की है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*
संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,

संविधान (अनुसचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

[अनुस्चित जातियां और अनुस्चित जन जातियां सूची (आशोधन), आदोश 1956, बम्बई पूनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब प्नर्गठन अधिनियम 1966, हिमाचल प्रवेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तरी प्वी क्षेत्र पूनर्गठन अधिनियम, 1971 और अनुस्चित जातियां सथा अनुस्चित जन जातियां आदोश (मंशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित ।]

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां, आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकाबार व्योपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा मंशोधित ।

संविधान (बादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश 1962*

संविधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदो 1962*

संविधान (पांडिचरी) अन्मूचित जातियां आदेश, 1964*
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उसर प्रवेश) आदेश,
1967*

संविधान (गोवा, धमन तथा दियू) अनुसूचित जातियां आवेश, 1968*

संविधान (गोवा, धमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियां आधिष, 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*
संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जातियां आदेश, 1978*
संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जातियां आदेश,
1978*

[राज्य/संघ राज्य* क्षेत्र]

*ओ शब्द लागून हों उन्हें कृपया काट दै।

नोट :---यहां ''आम तौर से रहतें/रहती हैं" का अर्थ वही होगा जो ''रिप्रोजन्टेंशन आफ पीपल एक्ट, 1950'' की धारा 20 में हैं।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के निएंसक्षम अधिकारी:---

(1) जिला मैजिस्ट्रैट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रैट/कलकटर/डिप्टी कमिष्तर/एडीशनल डिप्टी कमिष्तर/डिप्टी कमिष्तर/एडीशनल डिप्टी कमिष्तर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रैट/सिटी मैजिस्ट्रैट/सिटी मैजिस्ट्रैट/एक्जीक्य्टिय मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिष्तर।

ौ (प्रथम श्रेणी का स्टाइपेडरी मौजिस्ट्रेट में कम ओहदे का नहीं) । भारती

(2) चीफ प्रेसीडन्सी भैजिस्ट्रेट/एंडीशनल चीफ प्रेसिडमेरी भेजिस्ट्रेट/प्रेमिडन्सी भैजिस्ट्रेट।

- (3) रेवेन्यू अफसर, जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो ।
- (4) उस इलाके का सब-िडवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।
- (5) एडिमिनिस्ट्रेटर/एडिमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेन्ट अफसर, लक्षद्वीप ।
- 5 (1) (क) नियम 4 (ख) (2) अथवा 4 (ख) (3) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नॉटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) के विस्थापित व्यक्ति को निम्निलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्था-पित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध में प्रश्नजन कर भारत आया है।
 - (1) द डाकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमार्डेट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी प्नवीस कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिन्ट्रेट।
 - (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
 - (5) उप शरणार्थी प्नर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/ निदंशक (प्नर्वास) कलकत्ता ।
- (2) नियम 6 (ख) (4) अथवा 6 (ख) (5) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नांटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावित या प्रत्याविति होने वाले मूलत: भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आश्रय के प्रमाणपत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समभात के अंतर्गत । नवस्वर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।
- (3) नियम 4 (क्ष) (6) अथवा 4 (ल) (7) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अन्सार शुल्क में छूट का दावा करने वाले वर्मा से प्रत्यावितत मूलत: भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजवातातास, रंगून द्वारा दिए गए पिहुचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके वाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी वाहिए, कि वह वर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावितत व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है ।
- (4) नियम 4 (ख) (8) अथवा (ख) (9) के अन्तर्गत आय्-सीमा में छुट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिद्येषक, प्नर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विखलाने के लिए प्रस्तृत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में

कार्य करते हुए, विदेशी शत्र दंश के साथ संघर्ष अथवा अशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मापत हुआ।

उम्मीदबार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैंक ने. श्र

रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अशांतिग्रस्त अंत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुए।

हस्ताक्षर

पदनाम तारीख

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(5) नियम 4 (ख) (10) या 4 (ख) (11) के अंतर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदिवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिद्धिक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फाँची कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पंत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैंक मं. श्रें

सीमा सूरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फाँजी कार्रवाई में विकलांग हुए और विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर

पदनाम

तारीस

- (6) नियम 4 (ड.) (12) के अन्तर्गत आयु में छूट का बाबा करने वाले वियतनाम से प्रत्नावित्त मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मीजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह विखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावित्त व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (7) नियम 4 (स) (13) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानीका तथा जंजीबार) से प्रव्रजन कर आए हुए या जाम्बिया, सलावी, जेरे तथा इथियोपिया में प्रत्यावितित हुए, उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला में जिस्ट्रोट में जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के चियं प्रम्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रव्रजन कर आया है।
- 6. जो उम्मीददार ऊपर पैरा 5 (1) (2) और (3) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क से छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सुरकार

के राजपत्रित अधिकारी या संसव सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित शृल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण-एत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होंगी।

- 7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार, गृह मंत्रालय (काभिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) व्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिए जाने के बाद ही दिया जाएगा।
- 8. उम्मीदवारों को घेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई मूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चंतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रलंख अथवा उसकी प्रतिलिप की किसी प्रविष्टि को किमी भी स्थिति में न तो ठीक कर न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए/मूझ प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि एसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अणुद्ध अथवा विमंगति हो तो विसंगित के संबंध में स्पष्टोंकरण प्रस्तुत किया जाए।

- 9. आबंदन-पश बरे से प्रस्तुत किए जाने पर दरी के कारण के रूप में यह तर्का स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवंदन-प्रपन्न ही अभूक तारील को भेजा गया था। आवंदन-प्रपन्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया हो।
- 10. यदि परीक्षा से संबद्ध आनेवन-पत्रों के पहांच जाने की आसिरी तारीस से एक महीने के भीतर उम्मीदत्रार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना काहिए।
- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार का उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाधी झ दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया आएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई राचना न दिले तो परिणाम की जानदारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।
- 12. पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली तथा प्रदन-पत्रों से युक्त पुस्तिकाए प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहां बिकी के लिए मिलती हैं और उन्हें उनके यहां से सीध मेल आर्डर या नकद भगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। केयल नकद भगतान द्वारा इन्हें (1) किताब महल, रिवाली मिनमा के मामनें, इम्पोरिसम बिल्डिंग, 'सी' ब्लाक, बाबा चड़क मिह मार्ग, नर्ड दिल्ली-110001, (2) बिकी केन्द्र, उद्योग भवन, नर्ड दिल्ली-110001 तथा
- (3) गवर्नमन्ट आफ इंडिया वक डिपो, 8, के. एस. राय रोड, कलकता-1 से भी प्राप्त किया जा सकता है। ये पूस्तिकाएं विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेटों से भी प्राप्त की जा सकती है।
- 13 अविदेन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार :-- आविदन-पत्र सं संबद्ध सभी पत्र आदि मिश्रव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर

हाउम, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीघे लिखा ब्यारा अनिवार्य रूप से दिया जाए :---

- (1) परीक्षा का नाम ।
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष।
- (3) रोल नम्बर अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो ।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों मे ।
- (5) <u>आवंदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता ।</u> ध्यान द^{र्ग} (1) :--<u>जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा संभव</u> है उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा ।

विशेष ध्यान (2) :--यदि किमी उम्मीववार से कोई पत्र/
मंत्रोषण परीक्षा हो नुकने के बाद प्राप्त होता है
तथा उसमे उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं
है तो इस पर ध्यान न दोते हुए कोई
कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पतं म परिवर्तन :— उम्मीदवार का इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवंदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजें गए पत्र आदि, आवंद्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त परा 13 में उल्लिखित ब्यारें के साथ यथाशी झ दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मदारी स्वीकार नहीं करता।

मन्बन्ध-II

संघ लोक मेवा आयोग

उम्मीदवारों का सूचनार्थ विवर्शणका

क. बस्त्परक परीक्षण

आप जिस सामान्य ज्ञान की परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको ''वस्तुपरक परीक्षण'' कहा जाता है । इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे । प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांक कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं । उनमें में प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसकी आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चन लोग है।

इस विवरणिका का उध्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी दोना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

स. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पूस्तिका" के रूप में होंगे। इस पूस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3,------------------------के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे ए, बी, सी,----क्रम में संमावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काग प्रयेक प्रश्न के लिए एक सही था यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनये से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देखे लें)। किसी भी स्थिति में, प्रस्थेक प्रश्नांश के लिए

आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा । यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना फाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर दोने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा । आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होगे। परीक्षण-पृस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक मे प्रवनांशों की संख्याए 1 से 200 तक चार खंडो में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए, बी, सी, डी, ई, के कम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पृस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम हैं, आपको इस प्रत्युत्तर को अध्या को पिन्सल से काला बनाकर उसे अंकित कर दोना हैं, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

3.	dan	E C	c d a .	c e o
COO	(pz)	[C II	cda	
"COD	כבלו		cdo	. C e o

मह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए कोबल अच्छी किस्म की एच. बी. पेसिल (पेसिलें) ही लाए और उन्हीं का प्रयोग करें।

- 2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दे। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक उपयोग करते समय कोई एसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाए और वह टेढ़ा हो जाए ।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम :

- 1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुचना होगा और पहंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा ।
- परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण मे प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण-प्रितका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को साँप दे । आपको परीक्षण प्रितका परीक्षा-भवन से बाहर ले जाने की अनुमृति नहीं है । इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दु दिया जाएगा ।
- 5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, परीक्षण की तारीख और परीक्षण-प्रितका की कम संख्या स्याही से साफ माफ निखे। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपका सम्बानी से पढ़ने हैं। संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी

से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो आएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रदनांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदिशों का पालन करों। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरभ या समाप्त करने को कह दों तो उनके अनुदिशों का तत्काल पालन करों।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच. बी. पे सिल, एक रबढ़, एक पे सिल धार्पनर और नीली या काली स्याष्ट्री वाली कलम भी लानी होगी। आप को सलाह दी आती है कि आप अपने साथ किलप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ भी नहीं लिखा होना चाहिए। आपको परीक्षा भवन में कोर्ड केन्द्रा कागज या कागज का टकड़ा, पैमाना या आरंखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको मांगने पर एक अलग कागज विया आएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

ङ. विद्योष अनुदोहा

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा । उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण-पृस्तिका देंगे जिसके मिलते ही आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है । अन्यथा उसे बदलवा लें । जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण-पृस्तिका की कम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक आपसे परीक्षण-पृस्तिका खोलने के लिए न कह तब तक आप उसे न खोलें।

च . कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, बढ़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते तो जिन्दा न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पहुं, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रवर्गों के अंक समान होगे । सभी प्रवर्गों के उत्तर वाँ। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिए जाएंगे । गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटो जाएगे ।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्त करने को कहें, आप लिखना बन्त कर वें।

आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपकी सभी आवश्यक परीक्षण सामग्री न ले जाएं और आपकां ''हाल'' छोड़ने की अनुमति न हैं। आपको परीक्षण-पुस्तिका उत्तर तथा बाध्वा कार्य करने के लिए कागज पत्रक परीक्षा भवन में बाहर ले जाने की अनुमति नहीं हैं।

नमूने के प्रश्न

- 1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरवायी नहीं हैं?
 - (1) अ्शोक के उत्तराधिकारी सबके सुब कमजोर्ड थे।

- (2) अ्वाकि के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (3) उत्तरी सीमा पर प्रभावज्ञाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई ।
- (4) अशोकोत्तर यूग में आर्थिक रिक्तता थी।
- 2. संसवीय स्वरूप की सरकार में
 - (1) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (2) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरवायी है।
 - (3) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (4) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरधायी है।
 - (5) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरवायी है।
 - पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्यसर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन
 - (1) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
 - (2) अनुषासन की समस्याओं की रोकथाम है।

- (3) नियत कक्षा-कार्य से राहत दोना है।
- (4) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।
- 4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह हैं;
 - (1) মুক
 - (2) मंगल
 - (3) बृहस्पति
 - (4) ৰুখ
- 5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्निनिश्चित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?
 - (1) पेड़ पाँधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
 - (2) पेड़ पाँधे जितने कम होते हैं, निदयां उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती हैं।
 - (3) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, निदयां उतनी ही कम गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती हैं।
 - (4) पेड़ पौधे जितने कम होते ही उतनी ही धीमी गित से बर्फ पिथल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd January 1981

No. F.6/81--SCA(1).—The Hon'ble the Chief Justice of India promoted and appointed Shri R. S. Suri, Officiating Principal Private Secretary to Hon'ble Chief Justice of India (Permanent Assistant Registrar) as officiating Deputy Registrar in the Registry of the Supreme Court of India with efform the forenoon of January 2, 1981 to January 31 1981 in the leave vacancy of Shri A. S. V. Raghavan, Officiating Deputy Registrar, until further orders.

MAHESH PRASAD, Dy. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 29th December 1980

No. A.19014/4/79-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri J. P. Goel, a permanent Section Officer of Central Secretariat Services cade and officiating in Grade I of Central Secretariat Services as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission, to retire from Government Service after attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30th November, 1980.

The 31st December 1980

No. A.P/1022-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri S. P. Mehra, a permanent P.A. (Grade C of CSSS) and Officiating in the Selection Gd for C Stenographer who was appointed as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service, after attaining the age of superannuation we.f. 31-12-1980 (AN).

Shri S. P. Mehra has, however, been re-employed to the Selection Gd for Gd C Stenographer in the office of Union Public Service Commission for a period of Ten months with effect from 1-1-1981 beyond superannuation with the concurrence of the Ministry of Home Affairs, DOP & ARs vide their letter No. 17/6/80-CS.II dated 17-12-1980.

The 5th January 1981

No. A-32013/3/80-Admn.I-The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Ser-7 vice Commission, to officiate as Under Secretaries, on ad-hoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service, for the periods shown against each:—

Sl.No. Name of officer	Period.
1. Shri M. S. Chhabra	From 26-9-80 to 1-10-80 and from 3-10-80 to 28-11-80
2. Shri M.P. Jain.	From 28-10-30 to 27-12-80

S. BALACHANDRAN
Deputy Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 13th January 1981

No. D9 RCT 23.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. R. Arya, IAS (UT-1966) as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st January, 1981 until further orders.

K. L. MALHOTRA, Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 17th January 1981

No. A-6/74/AD.V.—The Services of Shri A. D. Mukherjee, IPS (1956-West Bengal) were placed at the disposal of the

Government of West Bengal on repatriation with effect from 19-9-1980 after the expiry of leave from 11-6-1980 to 8-9-1980 and joining time.

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E) Central Burcau of Investigation

DIRFCTORATE GENFRAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 15th January 1981

No. O.II-1525/80-Estt.—The President is pleased to appoint on 1e-employment Lt. Col. S. K. Sahnı (Retd) as Commandant in the C.R.P.F. until further orders.

2. Lt. Col. S. K. Sahni took over charge of the post of Commandant 2 Signal Bn. C.R.P.F., Hyderabad on the forenoon of 29th December, 1980.

The 17th January 1981

No. O.II-1455/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical Officer (GDO Gd-II) in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 2-1-1981 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI, Asstt. Dir. (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the December 1980

No. E-38013(3)/12/80-Pers.—On transfer from Ranchi Shri S. N. P. Sinha assumed the charge of the post of Assti. Comdt. CISF Unit, F.P.P. Faraka w.c.f. the forenoon of 12th November, 1980

> Sd. ILLEGIBLE Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 14th January 1981

No. 11/42/79-Ad.1.—On his repatriation to the Government of Uttar Pradesh, Shri Hari Om Kumar Lavanka, an officer belonging to the Government of Uttar Pradesh, relinquished the charge of the post of the Deputy Director of Gensus Operations, Uttar Pradesh at Lucknow on the afternoon of the 9th December, 1980.

No. 11/116/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri J. C. Seth, an Officer belonging to the Government of Uttar Pradesh, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Luknow, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 13th December, 1980, or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Seth will be ut Kanpur.

No. 11/9/80-Ad.1.—The President is pleased to appoint Shii Loknath Chatterjee, an officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calculta, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 1st December, 1980, or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Chatterjee will be at Calcutta,

No. 11/11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shii K. Biswas, an officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, by transfer on deputation with effect from the forenoon of the 19th December, 1980 until further orders.

2. The headquarters of Shri Biswas will be at Berhampur.

The 15th January 1981

No. 11/34/79-Ad. I—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the under-mentioned office Superintendents as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations as mentioned against them, on the existing terms and conditions, upto the 28th February, 1981 or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

Sl. No. Name of the officer							Office of the DCO	Previous Reference No. & Date		
1	2			-, -					3	4
S/Shri 1. S.B. V	/eerahhadra	Rac)						Arunachal Pradesh	RG's Notification No. 11/50/79- Ad. I dated 26-9-1979.
2. M.R.	Dahri	•		•		•		•	Madhya Pradesh	RG's Notification No. 11/55/79- Ad. I dated 11-10-1979.
3. A.S. A	Asghar	•	•	•	•	-		•	Jammu & Kashmir	RG's Notification No. 11/58/79-Ad. 1 dated 19-9-1979.
4. P.D.	Pradhan	,		-	-	•	-	•	Manipur	RG's NotificationNo. 11/51/79-Ad. I dated 19-11-1979.
5. R.C. (Chandnani	•	•	-	,	•	٠	•	Rajasthan	RG's Notification No. 11/34/79-Ad. I dated 11-9-1979.

^{2.} The headquarters of S/Shri Rao, Dahri, Asghar, pradhan and chandnani will be at Shillong, Bhopal, Srinagar, Imphal and Jaipur respectively.

P. PADMANABH Registrar General, India

Director of Audit

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

DIRECTOR OF PRINTING

New Delhi, the 14th January, 1981

No. 18/4/77-A-II The Director of Printing is pleased to appoint the following officers in substantive capacity in the grade of Assistant Manager (Technical) with effect from the date shown against each:—

S.No	. Name of Office	r				Date of appoint ment in substan- tive capacity.
1	$-\frac{1}{2}$			_		3
S/Shr	i					
1. P.J	K. Dhar					16-1-1968
2. V.	R. Sampath		,			4-11-1968
3. J.S	S. Virdi					1-3-1969
4. S.	Jayaraman					25-9-1969
5. V.	Sivaramakrishna	n				8-1-1971
6. V.	Narasimhan			,		8-1-1971
7. T.	S. Venkataraman					24-2-1971
8. T.	K. Narayanan					7-7-1971
9. K	Gopalakrishnan		•			7-7-1971
10. T.	Ramadoss .					14-7-1971
11. A.	K. Sen					4-8-1971
12. Y.	Viswanathan					15-12-1971
13. R.	Kunjithapatham					23-1-1972
14. A.	Radhakrishnan					18-6-1972
15, K	.L. Gupta					18-6-1972
16. D	K. Bose					10-8-1972
17, P.	K. Roy					17-8-1972
18. H	A. Yadav					1-5-1975
19. E.	R. Gadhar					1-5-1975
20. V	J. Kishorc .					1-5-1975
21. R	attan Lal Chobe					1-5-1975
	.V. Prabhakaran					10-10-1975
23. C	A. Mathew				-	19-4 - 1976
24. D	.D. Saxena					17-3-1977
	K. Bardhan .					17-3-1977
	K. Subramanian					20-7-1977

M. M. JOSHI, Deputy Director (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 14th January 1981

No. Admn.I/204.—The following Audit Officers of this organisation are appointed in a substantive permanent capacity with effect from the dates given against each:—

Sl. No.	Name	Date of confirmation	—
	 Shri		
1. Sh	ri B. N. Mı	Iukherjee—1-3-1980	
2. Sh.	ri Narankar	Singh1-10-1980.	
			_
		M. S. SAR	NA

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL. WEST BENGAL

Calcutta, the 9th January 1981

No. Admn-1/1038-XVII/273.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis Sri Nirmal Kr Hukerice-I permanent Section Officer to offifficiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from 24-12-80 (F.N.) or the date on which he actually takes over hereafter as Accounts Officer in the Office of the A.G.II, West Bengal until further orders.

The Accountant General-I, West Bengal has also been pleased to grant Sri Deb Dutta Bose, permanent Section Officer on deputation to the Office of the Botanical Survey of India, Sibrur, Howrah, proforma promotion as Accounts Officer on ad-hoc and provisional basis in the scale of Rs. 840-1200/- in tempporary and officiating capacity with effect the date on which his immediate junior viz Sri Nirmal Kr Mukherjee-I takes over charge as Accounts Officer in the Office of the A.G.II, West Bengal and until further orders. All the conditions precedent to the grant of promotion under the "Next Below Rules" stand fulfilled in this case and the Accountant General-I, has been pleased to declare the post held by Sri Rose on deputation, to be outside the ordinary line of service under the second proviso to F.R. 30(1).

1 hall be clearly understood that the aforesaid promotions in the cadre of Accounts Officer are purely provisional during

the pending of the Rule in Calcutta High court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R., case No. 14818 (N) of 1979.

No. Admn.I/1038-XVII/285.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis Shri Ramendra Kumar Sen Sarma, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity w.e.f. the forenoon of 1-1-1981 or from the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer in this office whichever is later until further orders. It should be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818 (N) of 1979.

SUDHA RAJAGOPALAN Sr. Dy. Accountant General, (Admn.)

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF KERALA

Trivandrum, the 14th January 1981

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Shri K. Goptalakrishnan Nair, Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation on the A.N. of 31st December 1980.

Sd./- ILLIGIBLE Accountant General

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 14th January 1981

No. AN/I/1791/5/Vol.I.—Consequent on the expiry of the notice of three months given by him under the provisions of Rule 56 (k) FR, and having been permitted by the competent authority to retire from service voluntarily, Shri S. Sankaran, IDAS, Assistant Controller General of Defence Accounts, has been transferred to pension establishment and struck off the strength of the Department from the afternoon of 29th Nevember 1980.

No. AN/I/1845/5/Vol.I.—Consequent on the expiry of notice of three months given by him under the provisions of Rule 56(k) F.R., and having been permitted by the competent authority to retire from service voluntarily, Shri S. KANAKASABESA IYER, IDAS, Assistant Controller of Defence Accounts has been transferred to the pension establishment and struck off the strength of the Department with effect from the forenoon of 1st November 1980.

C. V. NAGENDRA

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 13th January 1981 IMPORT AND TXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/1120/76-Admn.(G)/403.—On attaining the age of superannuation Shri A. C. Gupta, a permanent Grade IV Officer of CSS working as Controller of Imports and Exports in this Office, has been permitted to retire from Government service on the afternoon of the 31st December, 1980.

J. P. SHARMA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 31st December 1980

No. A-12025(i) /5/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 21st July, 1980 and until further orders Shri Sarihar Pandey, as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Varanasi.

No. 12025(i)/5/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 5th August. 1980 and until further orders Shri Murugesa Mudali Kanagarathinam Palaniswamy, as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Bhagalpur.

P. SHANKAR Joint Development Commissioner for Handlooms

MNISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 15th January 1981

No. A-19018/188/75-Admu.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Sarma, Asstt. Director (Gr. I, Chemical), Small Industries Service Institute, Bangalore as Deputy Director (Chemical) at Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the forenoon of 1st January, 1981 until further orders.

No. A-19018/511/80-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri U. S. Pipal, a permanent Small Industry Promotion Officer (Economic Investigation & Statistics), Small Industries Service Institute, New Delhi as Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation/Data Bank) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Allahabad with effect from the forenoon of 29th November, 1980 until further orders.

The 16th January 1981

No. A.19018(138)74-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. B. Bardhan, Assistant Director (Gr.II) (Pconomic Investigation) in Small Industries Service Institute, Guttack as Assistant Director (Gr.I) (Economic Investigation/Production Index) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute. Ranchi, with effect from the forenoon of 10-12-1980 until further orders.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Administration Section A-6)

New Delhi, the 9th December 1980

No. A-17011/50/72-A.6.—The President has been pleased to appoint Shri P. K. Mishra, Inspecting Officer (Engg.) at Baroda under the Director of Inspection, Bornbay to officiate as Deputy Director of Inspection (Engg.) (Grade II of IIS) (Groun 'A') in the Office of Director of Inspection, Madras on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 15-12-1980.

2. Shri P. K. Mishra, relinquished charge of the nost of Inspecting Officer (Engg.) at Baroda on 10-12-1980 (AN) and assumed charge of post of Dy. Director of Inspection (Fngg.) in the Office of Director of Inspection, Madras from the forenoon of 15-12-1980.

M. G. MENON
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

ADMINISTRATION SECTION A-1

New Delhi-1, the 14th January 1981

No. A-1/42(34).—The President is pleased to appoint Shi M. Scinivasan, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) and officiating Deputy Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service, substantively to the permanent post of Deputy Director General, super-time scale post in the Indian Supply Service in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi, with effect from 1-5-1979.

P. D. SETH Deputy Director (Administration)

. Para lateral control control de transcription de la control de la cont

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 12th January 1981

No. 177BA/190120(3-AKB)/64-79/19B.—Dr. A. K. Bhadia, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation wef 7-10-80 (AN).

V. S. KRISHNASWAMY Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 16th January 1981

No. A-19012(132)/80-Fstt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee. Shri P. D. Gangane, Officiating Assistant Research Officer (Ore-Dressing) on ad-hoc basis is promoted to officiate as Assistant Research Officer (Ore-Dressing) on regular basis with effect from 18-12-80 (Afternoon) until further orders.

No. A-19012(137)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri N. D. Mashram, Officiating Senior Technical Assistant (Statistics) is promoted to officiate as Mineral Officer (Statistics) with effect from 16-12-80 (Afternoon) until further orders.

S V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th January 1981

No. 9/10/78-SII.—Director General, All India Radio. hereby appoints Shri D. P. Kashyap Senior Grade Stenographer working in the News Service Division of All India Radio to officiate as Reporter (Monitoring) in N.S.D., AIR, New Delhi on purely temporary and ad-hoc basis with effect from 1-12-80

S. V. SESHADRI Dy. Dir. of Administration for Director General

New Delhi-1, the 16th January 1981

No. 4(75)/80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Kum. S. Usha, as Programme Executive. All India Radio, Bangalore in a temporary capacity with effect from 29-12-80 and until further orders.

No. 4(83)/80-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri G. D. Thorat, Producer, All India Radio. Nagpur as Programme Executive, All India Radio. Nagpur in a temporary capacity with effect from 11-12-80 and until further orders.

H. C. JAYAL Dy. Dir. of Admn. for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 7th January 1981

No. A-12026/9/80-Fst f.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints Shri H. G. Bhandarkar, Permanent Superintendent to officiate as Assistant Administrative Officer, in the Films Division, Bombay on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 24th December, 1980 until further orders.

S. N. SINGH Asstt. Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th January 1981

No. A.32014/1/80-SL.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Sarwan Dass in the post of Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot, Karnal on an ad hoc basis with effect from the foremon of 5th November, 1980 and until further orders.

SHIV DAYAL Dy. Dir. Admn. (Store)

New Delhi, the 15th January 1981

No. A.31013/3/78(CLTRI)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. Balakrishnan to the post of Assistant Director (Biochemistry) at the Central Leprosy Teaching and Research Institute, Chingleput, in a substantive capacity with effect from the 11th July, 1978.

S. L. KUTHIALA Dy. Dir. Admn. (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 9th January 1981

No. DPS/21/1(2)/78-Est./558.—Further to this Directorate notitication of even number dated September 18. 80 the Director, Directorate of Purchase & Stores. Department of Atomic Energy appoints Shri T. V. Ramaswamy, a permanent Purchase Assistant as officiating Assistant Purchase Officer in an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from October, 1, 1980 (FN) to December 8, 1980 (FN) and in a regular capacity with effect from December, 8, 1980 (FN) in the same Directorate until further orders.

R. P. DE SOUZA Asstt. Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 15th January 1981

No. AMD-1/26/80-Rectt.—Director, Atomic Minierals Division, Department of Atomic Energy hereby appints Shri Pran Nath Bangroo as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of January 12, 1981 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 13th January 1981

No. 05000/R1/OP/226.—Officer on Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pandaiathil Padmanabhan Nambiar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant

in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on adhoc basis from the forenoon of December 5, 1980 until further orders vice Smt. M. M. Karnik, Assistant Accounts Officer, transferred to PREFRE Expansion Pro-

iect of BARC at Tarapur on promotion as Accounts Officer

R. C. KOTIANKAR. Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 13th January 1981

No. A. 38019/1/E.I.—The undermentined officers of India Meteorolgoical Department retired from the Government service on the dates mentioned against their names on attaining the age of superannuation:—

S. No. Name				Designation	Date on which retired
1 2		 	 	 3	4
S/Shri 1. K.V.Rao	•	•		 Dy Director General of Meteorology (Dynamic-Meteorology)	
P.K. Bhattacharya	-		•	Meteorologist Grade I	30-11-1980

No. A. 38019/1/E.I.—The undermentioned officers of India Meteorological Department retired from the Government service on the dates mentioned against their names on attaining the age of superannualon:—

S. No.	Name					-	Designation	Date on which officer retired
1	2			 	 		3	4
S/Shi	ni			 	 			
1, S. Ja	yaraman						Meteorologist Gr. I	30-9-1980
2. C.G.	Balasubrama	anye	an				Do.	30-9-1980
3, K.L.	Basu						Assistant Meteorologist	30-9-1980
4. N. S	hankaranara	vane	an				Do.	30-9-1980
5. N.D	. Patil						Do.	30-9-1980
6. A.N	. Rao						Do.	30-9-1980
7 K.L.	Sharda						Do.	31-10-1980
8. C.S.	Sarker						Do.	30-11-1980
	Shankar Ra	0					Do.	30-11-1980
	eeraraghavan	-					Do.	30-11-1980

K. MUKHERIEE Meteorologist for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GFNFRAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 8th January 1981

No. A.19011/74/80-E.I.—On attaining the age of superannuation, Shri S. K. Behal, Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection in the Civil Aviation Department, relinquished charge of his duties on the afternoon of 31st December, 1980.

The 9th January 1981

No. A.32013/8/76-E.I.—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of Shri B. Hajra, to the post of Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, for a

further period, beyond 30-4-80 and upto 31-1-1981 or till the regular appointment to the grade is made, whichever is earlier.

The 12th January 1981

No. A.32014/2/79-EW(FI).—In continuation of this office Notification No. A.32014/2/79-EW, dated the 26th February, 1980, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointment of Shri Sandeep Kalra, to the post of Assistant Project Officer in the Civil Aviation Department from the period from 1-9-80 to 10-10-80.

S. GUPTA Dy. Dir. of Admn.

New Delhi, the 16th January 1981

No. A. 32014/2/80-EC—The Director General of Civil Avlation is pleased to appoint the following three Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis with effect from the date indicated against each:—

S. No.	Name				Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2				3	4	5
	L.S. Govila . A.K. Mukherjee	•	•	•	· A.C.S., Palam · A.C.S., Calcutta	A:C.S:, Safdarjung	4-12-80 (FN)
	S.K. Pal	· 	· ·	· ·	A.C.S., Mohanbari	A.C.S., Calcutta A.C.S., Mohanbari	25-11-80 (FN) 3-12-80 (FN)

No. A. 38013/1/80-EC—The undermentioned three officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on the date indicated against each on retirement on attaining the age of superannuation;—

S. No. Name & Designation			Station	Date of retirement
1 2	 		 3	4
S/Shri 1. T.N. Roy Chowdhury Asstt. Comm. Officer 2 B.K. Roy, Asstt. Comm. Officer 3. Shri B. Chowdhury, Asstt. Tech. Officer		:	ACS, Calcutta Do. Do.	30-11-80 (AN) 30-11-80 (AN) 30-11-80 (AN)

R.N. DAS
Assisttant Director of Administration

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay, the 12th January 1981

F. No. II/3E-6/80—The following ordinary Grade and Selection Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as officiating Superintendents of Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise, Bombay-II with effect from the dates shown against their names:—

2. D.S. Pradhan 08-12-1980 F.N. 3. M.W. Ranshoor 10-10-1980 F.N. 4. P.G. Karanjekar 21-11-1980 F.N. 5. V.G. Gore 27-11-1980 F.N. 6. Shri B.R. Totlani 24-11-1980 F.N. 7. P.K. Athawale 24-11-1980 F.N. 8. N.M. Patankar 01-12-1980 F.N. 9. B.R. Khopkar 29-11-1980 F.N. 10. A.M. Pandit 21-11-1980 F.N. 11. M.T. Malkani 29-11-1980 F.N. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13. L.N. Rochalam 21-11-1980 F.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	Sl.No.	Name				Date of assumption of charge
2. D.S. Pradhan 08-12-1980 F.N. 3. M.W. Ranshoor 10-10-1980 F.N. 4. P.G. Karanjekar 21-11-1980 F.N. 5. V.G. Gore 27-11-1980 F.N. 6. Shri B.R. Totlani 24-11-1980 F.N. 7. P.K. Athawale 24-11-1980 F.N. 8. N.M. Patankar 01-12-1980 F.N. 9. B.R. Khopkar 29-11-1980 F.N. 10. A.M. Pandit 21-11-1980 F.N. 11. M.T. Malkani 29-11-1980 F.N. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13. L.N. Rochajani 21-11-1980 F.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	S/S	hrı				
3. M.W. Ranshoor 10-10-1980 F.M. 4. P.G. Karanjekar 21-11-1980 F.M. 5. V.G. Gore 27-11-1980 F.M. 6. Shri B.R. Totlani 24-11-1980 F.M. 7. P.K. Athawale 24-11-1980 F.M. 8. N.M. Patankar 01-12-1980 F.M. 9. B.R. Khopkar 29-11-1980 F.M. 10. A.M. Pandit 21-11-1980 F.M. 11. M.T. Malkani 29-11-1980 F.M. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.M. 13. L.N. Rochalam 21-11-1980 F.M. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.M. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.M. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.M. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.M. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.M. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.M. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.M. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.M. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.M.	1. R.R.	Mahant				31-10-1980 A.N.
4. P.G. Karanjekar 21-11-1980 F.N. 5. V.G. Gore 27-11-1980 F.N. 6. Shri B.R. Totlani 24-11-1980 F.N. 7. P.K. Athawale 24-11-1980 F.N. 8. N.M. Patankar 01-12-1980 F.N. 9. B.R. Khopkar 29-11-1980 F.N. 10. A.M. Pandit 21-11-1980 F.N. 11. M.T. Malkani 29-11-1980 F.N. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13. L.N. Rochalanı 21-11-1980 F.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwelu 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	2. D.S.	Pradhan				08-12-1980 F.N.
5. V.G. Gore 27-11-1980 F.N. 6. Shri B.R. Totlani 24-11-1980 F.N. 7. P.K. Athawale 24-11-1980 F.N. 8. N.M. Patankar 01-12-1980 F.N. 9. B.R. Khopkar 29-11-1980 F.N. 10. A.M. Pandit 21-11-1980 F.N. 11. M.T. Malkani 29-11-1980 F.N. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13. L.N. Rochalanı 21-11-1980 F.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	3. M.W	. Ranshoor			•	10-10-1980 F.N.
6. Shri B.R. Totlani 24-11-1980 F.N. 7. P.K. Athawale 24-11-1980 F.N. 8. N.M. Patankar 01-12-1980 F.N. 9. B.R. Khopkar 29-11-1980 F.N. 10. A.M. Pandit 21-11-1980 F.N. 11. M.T. Malkani 29-11-1980 F.N. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13. L.N. Rochalanı 21-11-1980 F.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N. 24-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	4. P.G.	Karanjekar				21-11-1980 F.N.
7. P.K. Athawale 24-11-1980 F.N. 8: N·M. Patankar 01-12-1980 F.N. 9. B.R. Khopkar 29-11-1980 F.N. 10. A.M. Pandit 21-11-1980 F.N. 11. M·T. Malkani 29-11-1980 F.N. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13: L.N. Rochalanı 21-11-1980 F.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18: M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19: M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20: S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N. 24-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N. 24-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N. 24-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	5, V.G.	Gore .				27-11-1980 F.N.
8: N·M. Patankar 01-12-1980 F.N. 9. B.R. Khopkar 29-11-1980 F.N. 10. A.M. Pandit 21-11-1980 F.N. 21-11-1980 F.N. 11. M·T. Malkani 29-11-1980 F.N. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13. L.N. Rochajani 21-11-1980 A.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N. 24-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N. 24-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	6. Shri	B.R. Totlani				24-11-1980 F.N.
9, B.R. Khopkar	7. P.K.	Athawale				24-11-1980 F.N.
10. A.M. Pandit 21-11-1980 A.N. 11. M.T. Malkani 29-11-1980 F.N. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13. L.N. Rochalanı 21-11-1980 A.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.						01-12-1980 F.N.
11. M.T. Malkani 29-11-1980 F.N. 12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13. L.N. Rochalani 21-11-1980 A.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	9, B.R.	Khopkar				29-11-1980 F.N.
12. A.P. Gobale 26-11-1980 F.N. 13. L.N. Rochalanı 21-11-1980 A.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	10. A.M	. Pandit .				21-11-1980 A.N.
13. L.N. Rochalanı 21-11-1980 A.N. 14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 A.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	11. M·T.	Malkani				29-11-1980 F.N.
14. P.K. Zachariah 25-11-1980 F.N. 15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	12. A.P.	Gobale				26-11-1980 F.N.
15. V.V. Sawant 28-11-1980 F.N. 16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 F.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	13. L.N.	Rochalanı				21-11-1980 A.N.
16. M.S. Sadavarthe 27-11-1980 F.N. 17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 A.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	14. P.K.	Zachariah				25-11-1980 F.N.
17. Shri Sayyed Abbas Ali Bijapuri 27-11-1980 F.N. 18. M.L. Kondekar 24-11-1980 A.N. 19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20. S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	15. V.V.	Sawant .				28-11-1980 F.N.
18* M.L. Kondekar 24-11-1980 A.N. 19* M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20 S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	16. M.S.	Sadavarthe				27-11-1980 F.N.
19. M.B. Swarnkar 25-11-1980 F.N. 20 S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwda 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	17. Shri :	Sayyed Abbas	. Ali	Bijap	uri	27-11-1980 F.N.
20 S.A. Khandekar 31-12-1980 F.N. 21. M.B. Torvi 25-11-1980 F.N. 22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	18. M.L.	Kondekar				24-11-1980 A.N.
21. M.B. Torvi	19. M.B.	Swarnkar				25-11-1980 F.N.
22. N.P. Tamakuwela 21-11-1980 F.N. 23. M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	20 S.A.	Khandekar				31-12-1980 F.N.
23, M.K. Deonally 24-11-1980 F.N.	21. M.B.	Torvi				25-11-1980 F.N.
	22. N.P.	Tamakuwela				21-11-1980 F.N.
24 DR Rumde 05.01.1091 DAG	23, M.K.	Deonally				24-11-1980 F.N.
74. 5.5. reduces	24. D.B.	Rumde .				05-01-1981 F.N.
25. S.S. Pathak 25-11-1980 F.N.	25, S,S, I	Pathak .	•		•	25-11-1980 F.N.

F.No. II/3E-6/80—The following office Superintendents have on their promotion assumed charge as officiating Administrative officer, Group 'B' in the Collectorate of Central Excise, Bombay-II with effect from the dates shown against their names:—

S.No. Name	~	 	 Date of assumption of Charge
S/Shri			
1. N.R. Muzumdar		,	29-11-1980 F.N.
G.S. Waigankar			28-11-1980 F.N.
3. D.L. Marathe.	4	,	26-11-1980 F.N.
4. Y.B Walame			26-11-1980 F.N.
5, M.B. Sane .	•		25-11-1980 F.N.

F.No. II/3E-6/80—The following Group 'B' Gazetted Officers (Superintendent/ Administrative Officers/Assistant Chief Accounts Officer) in the Collectorate of Central Excise, Bombay-II have retired on superannuation in the afternoon of the dates shown against their names:—

S.No.	Name & Designation	Date of Retirement
S/S	hri	11 09 1000 A N
	Illu, Administrative Officer Code. Administrative Officer	31-08-1980 A.N. 30-11-1980 A.N.
	iogate, Assistant Accounts Off	
4. N.S. N	Iunishwar, Superintendent	31-12-1980 A.N.

V.K. GUPTA Collector of Central Excise, Bombay-II

Nagour, the 18th December 1980

No.17/80.— Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri D.T. Deshmukh lately posted as Inspector (S.G. Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur has assumed charge of the Office of the Superintendent, Central Excise, Group 'B' in Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of the 24th November, 1980.

The 2nd January 1981

No. 18/80.—Shri W. R. Tare, Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur of this Collectorate having attained the age of superannuation has retired from Government service in the afternoon of the 31st October, 1980.

No. 19/80.—Consequent upon formation of new Central Excise Division, Chandrapur in this Collectorate, Shri J. T. Dongre, Assistant Collector of Central Excise, Division-II, Nagpur has assumed additional charge of the Office of the Assistant Collector, Central Excise Division, Chandrapur presently functioning from Nagpur in the forenoon of the 24th November, 1980.

No. 20/80.—Consequent upon his posting as Superintendent, Central Excise, Group 'A' in this Collectorate vide Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's Order No. 151/80, dated 15-10-1980, Shri Harjinder Singh a probationer of Indian Customs and Central Excise Service has assumed charge of the Office of the Superintendent (Technical), Group 'A' in Central Excise, Division-1, Nugpur in the afternoon of the 10th November, 1980.

N. 21/80.—Consequent upon his posting as Assistant Collector, Central Excise in this Collectorate vide Government of India, Munistry of Finance (Department of Revenue), New Delhi's Order No. 153/80 dated 1-11-1980 issued under their letter F. No. A. 22012/8/80-Ad.II, dated 1-11-1980, Shri Vincet kumar, lately posted as Superintendent of Central Excise, Group 'A' in Central Excise Collectorate, Kanpur has assumed charge of the office of the Assistant Collector (Preventive)/(Technical)/(Audit) and (Valuation), Central Excise Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of the 4th December, 1980.

No. 22/80.—Consequent upon his transfer, Shri R. J. Beley lately posted as Assistant Collector (Preventive)/ (Technical)/(Audit) and (Valuation), Central Excise Hqrs. Office, Nagpur has assumed charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise, Division-I, Nagpur in the afternoon of 31st October, 1980 vne Shri W. R. Tare retired.

The 14th January 1981

No. 1/1981.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri T. N. Naidu, Inspector, Central Excise (S.G.) of this Collectorate has assumed charge of the office of the Superintendent, Central

Excisc. Range-V, Nagpur in the forenoon of the 5th January, 1981.

The 15th January 1981

No. 16/80.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner of Accounts etc. Central Excise, Group 'B', Shri V. Y. Deshkar, lately posted as Office Superintendent, Central Fxcise, Hqus. Office, Nagpur has assumed charge of the office of the Administrative Officer, Central Excise Division, Chandrapur at Nagpur in the forenoon of the 1st December, 1980.

K. SANKARARAMAN, Collector

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Kanpur, the 8th January 1981

No. 1/81—Consequent upon their promotion to the grade of Superintendent of Central Excise Group 'B' in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—35—880—40—1000—EB—40—1200, the following Inspectors (Senior Grade) Central Excise assumed/took over the charge of Superitnendent of Central Excise Group 'B' on the dates and places mentioned against each:—

l. No. Name								Place of posting	Date of joining
1 2	3						3	4	
S/Shri									
1. J. N. Verma				•				Hqrs. Office, Kanpur	18-6-80 A.N.
2. N. K. Malhotra								Hqrs. Office, Kanpur	18-6-80 A.N.
3. H. S. Tandon			•			•		Sitapur Division	30-6-80 A.N.
4. Sri Prakash Srivastava							,	Hqrs. Office. Kanpur	3-7-80 F.N.
5. J. N. Misra								Hqrs. Office, Kanpur	24-6-80 F.N.
6. Mohd. Asif Khan						•		Hqrs. Office, Kanpur	16-7-80 F.N.
7. D. D. Jain							-	Sitapur Division	30-6-80 A.N.
8. Bishan Chand Kapoor	•				•	•		Range II Gurshaiganj	16-7-80 A.N.
								Farrukhabad Division	
9. Thakur Das Khanduja		•		٠	•			Kanpur-II Division	21-6-80 F.N.
10 Vishnu Narain				•				Kanpur-II Division	21-6-80 A.N.
11. Mohd. Abdul Wali .				•				Aligarh Division	21-6-80 A.N.
Harish Chandra Saxona		•		•		٠		M.O.R. Tundla	24-7-80 F·N.
								Arga Division	
13. Ashok Kumar Boso .	•	•	•	•	•	•	•	M.O.R. Chhibramau	30-6- ₈ 0 F.N.
								Farrukhabad Division	
14. Jagdish Chandra Srivastava	•	•	٠	•	•	•	-	Range-I, Gursahaiganj	14-7-80 F.N.
								Farrukhabad Division	

J. RAMAKRISHNAN Collector Central Excise

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING Bombay-1, the 15th January 1981

No. 23-TR(2)/80.—The Director General of Shipping has appointed Shri S.K. Sinha as Simulator Technician in the L.B.S. Nautical & Engineering College, Bombay on temporary basis, with effect from 1st December, 1980 (Forenoon), until further orders.

K. S. SIDHU, Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION DEPARTMENT OF REHABILITATION

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL LNGINGER REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

MANA CAMP, RAIPUR

Mana Camp-492 015, the 15th January 1981

No. PF/G/35-1200,—Consequent upon his selection for the post of Executive Engineer (Rs. 1100-50-1700) on usual

toreign service terms under Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem Collieries (Andhra Pradesh), Shri K.V. Rao reliaquished the charge of the post of Assistant Engineer, FMUs 2 & 3, Rehabilitation Reclamation Organisation at MV-79, Lachchipeta, Dist-Koraput (Orissa) on the Afternoon of 20/12/1980.

O. S. GUPIA, Chief Mechanical Engineer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMEN'T OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and in the matter of M/s Binod Steel Limited, Indore

Indore, the 13th January 1981

No. 933/Liqn/CP/6050.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Binod Steel Limited, Indore has been ordered to be wound

up by an order dated 25-11-1980 passed by Honble High Court of Madhya Pradesh, Bench Indore and the Official Liquidator Indore has been appointed as the Liquidator of the Company.

S. K. SAXENA, Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior.

"In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Goa Actated Waters Private Limited.

Panaji-Goa-403 001, the 14th January 1981

No. 196/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of GOA AERATED WATERS PRIVATE LIMITED unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. L. GANVIR, Registrar of Companies Goa, Daman & Diu Panaji

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rocky Chemicals Private Limited.

Bombay-2, the 13th January 1981

No. 15154/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. ROCKY CHEMICALS PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Amrit Trading and Investment Company Private Limited.

Bombay-2, the 13th January 1981

No. 18193/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. AMRIT TRADING AND INVESTMENT COMPANY PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ashwini Chit Fund Private Limited.

Bombay-2, the 13th January 1981

No. 14191/500(5).—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. ASHWINI CHIT FUND PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Ast, 1956 and of NATYA NIKETAN PRIVATE LIMITED.

Bombay-2, the 13th January 1981

No. 8782/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

the name of M/s. NATYA NIKETAN PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Moosa Haji Patrawala Private Limited.

Bombay-2, the 14th January 1981

No. 17462/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. MOOSA HAJI PATRAWALA PRIVATE LIMITED has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rathna Chit Fund Company Private Limited.

Madras-600006, the 8th January 1981

No. 2287/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of RATHNA CHIT FUND COMPANY PRIVATE LIMITED has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

U. PANCHAVAKESHAN, Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Thirumalai Trading Company Private Limited,

Pondicherry-1, the 6th January 1981

No. C. 115/81.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company "THIRUMALAI TRADING COMPANY PRIVATE LIMITED", unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO, Registrar of Companies, Pondicherry

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shahjahanpur Sugar Private Limited,

Kanpur, the 15th January 1981

No. 3718-IC/62.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the SHAHJAHANPUR SUGAR PRIVATE LIMITED unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. P. KAPOOR, Registrar of Companies, U.P., Kanpur. Office of the Commissioner of Income-tax,

Cochin-682016, the 31st December 1980

ORDER

Subert: Estt-ITO Group-B-Promotion and postings-Order issue of-

No. 2/Estt/80-81—The following promotion/transfers/and postings are hereby ordered with immediate effect,

I-FROMOTION

**Bhri P.V. Nalinakshan Nair, Inspector of Income-tax O/9 the CIT (SAP Wing) Cochin is hereby appointed to officiate as Incometax officer, Group-B in the seale of Rs. 650-30-740-35-810/EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with immediate effect. He will be on probation for a period of two yeas.

2. The above appointment is made on a purely temporary and provisiona basis and is liable to termination at any time without notice. The appointment is also subject to the result of Original Petitions No. 4023 of 1978 and 263 of 1980-M filed before the High Court of Kerala and Civil Writ Fetition No. 25/1979 filed before the Delhi High Court.

II TRANSFERS AND POSTINGS

Sl. No. Name					From	To	Remarks
1	2				3	4	5
S/Shri 1. E.T. Lukose, IT	D Group—A .			•	D-Ward, Cir -II, Calicut.	B-Ward, Cir II, Calicut.	Relieving Shri N.P. Pad- manabhan of his addl. charge
2. A.K.K. Unni, IT	O Group—A	•	•	٠	On transfer from Bombay Charge.	A-Ward Palghat.	vice Shri A.K. Ven- kiteswaran already tfd.
3. Shi P.V. Natinak	shan Nair .		-		ITI (on promotion as ITO Gr. 'B')	D-Ward, Cir. II, Calicut.	vice Shri E.T. Lukose,

^{3.} Shri A.K. Venkiteswaran may if necessary hand over the charge of ITO A-Ward, Palghat to Shri B. Lakshminarayanan Potti who will hold this as an additional charge until relieved by Shri Unni.

M. S. UNNINAYAR

Commissioner of Income tax, Cochin

^{4.} Seiral Nos 2 and 3 of para 1 and para 2 of this office order C. No. 2/Estt/80-81 dated 22nd December. 1980 are hereby cancelled,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NFW DFLHI.

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/319 —Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

84 bigha 19 biswas situated at land at Vill. Bijwasan Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 23-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ram Singh S/o Chandan R/o Village Bijwasan Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Properties & Industrics P. Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measure 84 bighas 19 biswas situated in the Revenue State of Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

Scal:

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Swaran Kumar Kafia C-153, Moti Nagar, New Delhi.

(2) Sh Ram Scwak Saigal A-82, Defence Colony, New

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/297.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-82 situated at Defence Colony New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-5-80

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as faoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey building bearing property No. A-82, measuring 181, 161 sq. meters, situated at Defence Colony New Delhi bounded as under:—

North: House No. A-83, House No. A-81.

South House No. East: Road West: Service lane.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1981

(1) Sh. Shambhu Nath 39/19, Old Rajinder Nagar New Delhi.

Mohan Abbi H-213, Naraina New

Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/272.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market 39/19 situated at Old Rajinder Nagar New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 9-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
24—446GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(2) Sh. Surinder

Delhi.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 39/19, Old Rajinder Nagar New Delhi constructed on lease hold plot of land measuring 85.9 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

Seal;

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHA

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-80/262.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 of N-19, situated at Green Park Extn., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 2-5-80

for at apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Ishwar Kaur W/o Late Sh. Gurbux Singh, F-62, Green Park New Delhi-16.

(Transferor)

(2) Sh. K. R. Sunderrajan A-27, Press Enclave New Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

1/12th undivided share in 1/2 portion of plot of land Green Park Extn., New measuring 666 sq. yds. at N-19, Delhi-16 bounded as under :--

East: Road. West: Service Lane.

North: House on plot No. N-20. South: House on plot No. N-18A.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-80/261.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

N-19, situated at Green Park Extn., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Inderjit Singh C/o Pal & Associates G-48, Green Park New Delhi-16.

(Transferor)

(2) Sh. K. R. Sundevrajan A-27, Press Enclave New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12 undivided share in 1/2 portion of plot of land measuring 666 sq. yds. at N-19, Green Park Latn., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

Scal:

(1) Smt. Kanta Singh W/o Dr. B. M. Singh, Amar Bat, Clement Town Dehradun, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/5-80/311,—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

D-183 situated at Defence Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi 26-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sh. S. C. Dhanda & Rajiv Dhanda D-183, Defence Colony New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece and parcel of land situated in Block D, bearing No. 183 Defence Colony New Delhi together with the super structure constructed thereon and admensuring 325 sq. yds. which is bounded as follows:—

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 9-1-1981

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/5-80/315.—Whereas, 1, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-34 situated at Malviya Nagar New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 23-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (0) racilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for hee acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Madan Lal Tuli S/o Sardari I al Tuli R/o C-34, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Arvind Verma & Ramneek Verma sons of Dr. Dharam Dev Verma R/o C-34, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-34, measuring and built on area 288 sq. yds. situated in Malviya Nagar New Delhi

R. B. L. AGGARWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/168.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

G-64, situated at Nizamuddin West New Delhi (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 1-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Sh. M. N. Kapoor son of Sh. G. S. Kapoor R/o E-4, Maharani Bagh New Delhi G.A. for Miss Geeta Khanna his daughter. (Transferor)

(2) Sh. Baldev Raj Khanna S/o Sahai Ram and Shamsher Khanna s/o Baldev Khanna & Braham Parkash Khanna s/o Baldev Raj G-8, Jangpura Extn. New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-64, measuring 198 sq. yds. situated in Nizammuddin West New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/264.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R-31, situated at N.D.S.E. II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Sardar Kartar Singh Takhar S/o Thakur Singh R/o Permanent address village and P.O. Shankar, Distt. Jullundur (Punjab) at present R-31, N.D.S. E. Part II New Delhi, through Mehanga Singh Sagoo as special attorney.

(Transferor)

(2) Smt. Daljit Kaur Sagoo W/o Sardara Singh Sagoo R/o R-31, N.D.S.E. Part 11 New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of first floor and half barsati floor on front side of the house No. R-31, measuring 100 sq. yds. 1/4th portion of plot No. R-31, N.D.S.E. Part II, New Delhi, bounded as under:—

East: Road.

West: Rear sportion of the property bearing No. R-31.

31.

North: Road, South: Road-30,

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/265.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R-31 situated at N.D.S.E. II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Paramjit Singh S/o Mohinder Singh Parmanent address of village and P.O. Shankar, Distt. Jullundur (Punjab), now at present R/o R-31, N.D.S.E. II New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Swaran Kaur Sagoo W/o Mehganga Sagoo R/o R-31, N.D.S.E. Part II New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion of the House 1/4th portion of the property bearing No. R-31 constructed on a freehold plot mg. 100 sq. yds, situated at N.D.S.E. Part II New Delhi bounded as under :-

West: Rear half portion of the property No. R-31.

North: Road.

South: Plot No. R-30.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

(1) Shri Ved Parkash Mehta & Smt. Sharda Mehta E-14, Greater Kailash Enclave II New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Asha Choudhry 27/174, Vikram Vihar New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAWAN NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq./SR-III/5-80/271.—Whereas, I, R, B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-368 situated at Greater Kailash II N. Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), har been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi at on 5-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
25—446GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ersons with a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-368, measuring 249 sq. yds. situated at Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.-1/SR-III/5-80/277.—Whoreas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

N-25, situated at N.D.S.E. Part I New Dolhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Dolhi on 13-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Nacinder Singh N-25, New Delhi South Extension Part I New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Tilæk Raj Khurana Satish Kumar Khurana, Sushil Kumar Khurana, Smt. Bhagwan, Devi All R/o G-18B, N.D.S.E. I New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeys building built on property No. N-25, New Delhi South Extension Part I New Delhi measuring 199.6 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

(1) Sh. Dr. Amar Nath Ghai Sector 15, Benglow No. 1142, Faridabad District Faridabad (Haryana). (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Lt. Col. Kanwaljit Singh D-360, Defence Colony New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I
H-BLOCK, VIKAS BHAWAN,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/5-80/328.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reacon to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-11 situated at N.D.S.E. II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the apprice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey house built on plot No. B-11, N D.S.E. Part II New Delhi measuring 200 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

(1) Sh. Rear Admiral Satyindra Singh & Mrs. Haridarshan Satyindra Singh 58, Vasant Vihar New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Barbara Mahajan B-726, New Rajinder Nagar New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/5-80/307.—Whereas, 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

58 situated at Vasant Marg, Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storey (singla unit) bunglow built on plot No. 58 Vasant Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/317.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWÂL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

XVI/10230 Block 6 situated at Plot No. 85, WEA Karol Bagh New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908(in the Office of the Registering Officer New Delhi on 23-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sh. V. S. Anand S/o Sada Nand Anand R/o 3309, Ranjit Nagar New Delhi, Narinder Paul S/o Sada Nand Anand R/o 17/5, West Patel Nagar New Delhi and S. Jal Singh S/o Kirpa Singh through GPA Rommel Soni & A.R. Wig S/o Chuni Lal Wig R/o 2B, Pusa Rond New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Royal Food P. Ltd. through its Managing Director Surinder Singh R/o 14/104, Geeta Colony New Delbi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XVI/10230 Khasra No. XVI/6/85 Block No. 6 Plot No. 85 measuring 230.44 sq. yds, W.E.A. Karol Bugh New Delhi.

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

Scal:

of ;---

FORM ITNS-

(1) DLF United Limited, 21-22, Narindra Place Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/354.—Whereas, 1, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

19 (GR) Cinema complex situated at Greater Kailash II N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 Clare Road, Byculla, Bombay-8. 19. Mrs. Ivy M. Herbert M. C. Noronha, No. 16, Piccadilly Flats,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sh. Vinod Kumar Nagpal & Chander Mohan Khanna 10-Mohan Nagar, Ghaziabad (U.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19, Ground Floor, Cinema Complex, Greater Kuilash Part-II, New Delhi area 319.3 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/355.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

18 (G.F.) situated at Cinema Complex, G.K. II N. Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin Officer at

New Delhi on 28-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269°D of the asid Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. DLF United Limited, 21-22, Narindia Place, Parliament Street, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. C. M. Khanna & V. K. Nagpal 10, Mohan Nagar Ghaziabad (U.P.). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 18 (Ground Floor) Cinema Compelx, Greater Kailash-II, New Delhi area 320 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/356.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17 (G.F.) situated at Cinema Complex Greater Kailash New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 28-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

DLF United Limited 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Chander Mohan Khanna S/o K. G. Khanna, Vinod Kumar Nagpal S/o Amar Lal both R/o 10-Mohan Nagar Ghaziabad (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vasant Shop No. 17 (ground Floor) Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 412.8 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.J/SR-III/5-80/339.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2, Commercial complex situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—446 GI/80

(1) M/s Aggarwal Building & Constn. Co. of 63, Model Basti Garol Bagh New Delhi through partner Anand Sarup Garg, K.R. Aggarwal, Anil Garg. through attorney Sh. Anil Garg.

(Transferor)

(2) The Indure Private Limited of Indure House, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 situated in second floor of DLF Commercial Complex, Near Savitri Cinema Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/5-80/298.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing K-196 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dr. Kewal Krishan Mayor for self and as Karta of his HUF known as Dr. Kewal Krishan Mayor & Sons HUF 11 UB, Jawahar Nagar Delhi-7.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Parmod Kumar Jain, Vinod Kumar Jain, Alok Kumar Jain & Master Mukesh Kumar Jain (Minor) K-120, Hauz Khas Enclave New Delhi.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed residential house built on 500 sq. yds. No. K-106, Hauz Khas Enclave New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I, Delhi/New Delhi.

Date: 9-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th December 1980

Ref. No. 1891-A/Dehradun/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 28-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 S/Shri V. S. Varma son of Sri Daya Ram Varma, Dy: Registrar of Newspapers No. 10, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Vohra son of Sri Sita Ram Vohra r/o 45, Kaulagarh Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 45, measuring 1350 sq. ft., situated at Vasant Vihar Chakrata Road Dehradun, which was sold for Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 18-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th December 1980

Ref. No. 1890-A/Dehradun/80-81,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at Dehradun on 28-7-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rallia Ram Berry s/o Sri Balak Ram Berry r/o 9, Paltan Bazar, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri S. Jagat Singh S/o S. Ram Singh and Smt. Mahinder Kaur w/o Sardar Jagat Singh r/o 147, Paltan Bazar, Dehradun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Offifficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mearing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Portion of House Property bearing No. 4-B/3, situated at Inder Road, Dehradun, which was sold for Rs. 45,000/.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date: 18-12-1980

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th December 1980

Ref. No. 1949-A/Dehradun/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Λ ct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dehradun on 31-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Raksha Kapoor w/o Sri Raj Kumar through Shri Raj Kumar s/o Sri Bhagwan Dass Kapoor and self Sri Raj Kumar s/o Sri Bhagwan Dass Kapoor 86, Karanput Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Devi w/o Sri S. C. Agarwal r/o Birpur Estate, Smt. Uma Devi w/o Sri C. N. Agarwal r/o Nimbuwala, Distt : Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Urban Immoable Property bearing No. 86, situated at Karanpur Road, Dehradun, which was sold for Rs. 40,000:

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th December, 1980

Ref. No. 1982-A/Dehradun/80-81-Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 28-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Lt. Col. Pas Ghuman, 203 Partah Chowk, Delhi Cantt-10,

(Transferor)

(2) It. Col. Vishwa Nand Khanna (Retd.), S/o Raizada Parmanand Khanna Residing at "Teri Dat" Turner Road Clement Town, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Single story House Property bearing Khasra No. 147, area 900 Sq. Yds. situated at Clement Town, Dehradun, which was sold for Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Kanpur.

1980.

Date: 18-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 9th December 1980

Ref. No. 3094-A/Saharanpur/80-81,—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Saharanpur on 13-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chiranji Lal s/o Sii Khem Karan r/o Vill: Chini, Post & Parg: Islam Nagar,

Distt: Badaun.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Sharma s/o Lal Singh Sharma r/o Mohalla : Gil Colony, Saharanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot measuring 500 Sq. Yards, bearing Khasra No. 163 and Khewat No. 5/1/1, situated at Pathanpura, Saharanpur which was sold for Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 3128-A/Saharanpur/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Saharanpur on 3-7-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sardar Gurbax Singh s/o S. Mehar Singh r/o Hakikat Nagar, Saharanpur Present Address: Quarter No. D-90, Ashok Bihar Facc-1, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Rani wlo Shri Jogendra Singh Khedn r/o Jawahar Park Behat Road, Saharanpur present R/o Gil Colony, Saharanpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property situated in Gil Colony, Saharanpur, which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December, 1980

Ref. No. 3127-A/Saharanpur/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 3-7-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such tapparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
27—446GI/80

 Sardar Gurbachan Singh s/o S. Mehar Singh r/o Hakikat Nagar, Saharanpur, present r/o Quarter No. D-90, Ashok Bihar, ress-I, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Jogendra Singh Kheda s/o Sri Gokal Chand Kheda, r/o Jawahar Park Behat Road, Saharanpur present r/o Gil Colony, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 2/2431, situated at Gil Colony, Saharanpur, which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th December 1980

Ref. No. 3215-A/Kanpur/80-81 — Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 9-6-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Brijlal Varma s/o Sri Bihari Lal Varma, Smt. Rama Varma w/o Dr. Brijlal Varma self and Guardian :. Devesh Varma and Anish Varma s/o Dr. Brijlal Varma, Sarvesh and Rajesh Kumar Varma s/o Brijlal Varma r/o 14/76-D, Civil Lines, Kanpur, present r/o 10 Stainley Road, Allahabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sulekha Singh w/o Shri Ranbir Singh r/o 28/51 Pheel Khana, Kanpur.

(Transferree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Urban Property bearing No. 14/76-D, measuring 500 Sq. Yards, situated at Civil Lines, Kanpur which was sold for Rs. 2,25,000/-,

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 16-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st October 1980

Ref. No. 538/Acq./Mat/80-81-Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mat on 15-9-80

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in purquance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Krishna Murari s/o Sri Madan Mohan r/o 729, Katra, Allahabad, Khamesh Bahadur, Munshif Magistrate, Meerut, Bal Swaroop s/o Madan Mohan r/o Kasba: Surir Bijau, Distt: Mathura and Laxmi Kant Gupta, Secretariate, Department of Education, Lucknow.

(Transferor)

(2) Shri Mani Shanker s/o Late Shri Dal Chandra, Raj Bahadur and Jai Bahadur s/o Shri Bhola Shanker r/o Garh, Kasba: Surir Bijau, Teh: Mat, Distt: Mathura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the adoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot situated at Kasba: Surir Bijau, Teh: Mat Distt: Mathura, which was sold for Rs. 548,000/-.

B. C. CHATURVEDI Comptetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 21-10-1980.

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st October 1980

Ref. No. C/1795/Acq./80-81—Whereas J, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mcerut on 17-9-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Arjun Dass Baijal s/o Amardass Baijal and Kishan Dass Baijal, Sri Laxman Dass Baijal & Sri Birendra Dass Baijal all s/o Shri Arjun Dass Baijal r/o 163, Civil Linos, Meerut City.

(Transferor)

(2) Sri Anup Singh, Member of Public Service Commission U. P., Allahabad s/o Sri Kishan Singh and Kr. Kalyani Sirohi D/o Shri Anoop Singh r/o Allahabad (U.P).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing Kothi No. 276-277, present No. 162, measuring 1350 Sq. Metres, situated at Civil Lines, Meetut City, which was sold for Rs. 150,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Comptent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 21-10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st October 1980

Ref. No. C/1794/Acq./Meerut/80-81—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mecrut on 10-9-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suresh Kumar Mehta s/o Sri Ram Kishan Mehta r/o Chhatta Ali Raja, Meerut City.

(Transferor)

(2) Shri Harcharanjit Singh s/o Sri Raghubir Singh Nanda r/o Ronakpura, Meerut City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 132 & 138, New No. 42, measuring 120 Sq. Yds., situated at Chhatta Aliraja, Meerut City, which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 21-10-1980.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. CHD/41/80-81---Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Sec-

transfer with the object of :-

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. 100, situated at Sector 33A, Chandigarh.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in May, 1980. for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajit Singh S/o Sh. Sunder Singh, Railway Road, Kurukshetra.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh S/o Sh. Lal Singh, R/o House No. 100, Sec. 33A, Chandgiarh.

(Transferee)

(3) 1. Shri Joginder Singh,2. Shri Rachhpal Singh,House No. 100, Sec. 33A, Chandigarh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 100, Sec. 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 183, of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 Jan., 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. LDH/51/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25;000/- and bearing No.

House Property No. B-20-114, situated at Raba Balak Nath Mandir Road, Ghumar Mandi, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nand Lal S/o Shri Sham Lal through Shri Surinder Mohan S/o Amrik Chand R/o Chauri Sarak, Ludhinga

(Transferor)

(2) Smt. Lakhvinder Kaur W/o Shri Rajinder Singh, House No. B-20-115, Baba Balak Nath Mandir Ghumar Mandi, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-20-114, Ghumai Mandi, Baba Balak Nath Mandir Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1166 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th January 1981

Ref. No CHD/48/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No 212, Sector 33-A, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maj. Satinderpal Singh Patheja s/o Sh. Harbans Singh Patheja r/o H. No. 211, Sector 33-A, Chandigarh through Smt. Harjinder Kaur d/o Sh. Shamsher Singh, Anup Niwas. Dhiii Gate, Sangrur.

(Transferor)

(2) Sh. Tarlok Singh Nag s/o Dr. Krishan Singh, Superintending Engineer, Their Dam Circle, Post Box No 12, Pathankot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 212, situated in Sector 33 A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 233 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 8-1-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LU DHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref No LDH/36 80-81-Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot measuring 1600 sq yds situated at Tari Piru Banda, Ludhiana (Neai Bus stand)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

28-446GJ/80

(1) Shri Hardev Singh S/o Shri Amar Singh R/o 164-I, Sarabha Nagar, Ludhiana through Sh. Rajinder Pal Reader of the Court of Shii G C Bedi. Sub Judge Ludhiana

(Transferor)

(2) Shii Rewail Singh S/o Sh Jeet Singh, R/o 3A, Shastri Nagai Ludhiana

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Measuring 1600 sq yds farf Piru Banda, Behind Bus Stand, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No 899 of May, 80 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date 13-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana the 13th January 1981

Ref. No. CHD/46/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing No.

Godown No. 183, situated at Grain Market, Chandigarh (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the pair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Art I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Darshana Devi W/o Sh. Om Parkash, R/o SCF No. 20, Sec. 18C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Savitn Devi W/o Sh Madan Lal Gauri, House No. 3075, Sec. 19D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Madan Lal Gawri, Godown No. 183, Grain Market, Chandigrah.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 183, Grain Market, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 194 of May, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 13th January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. LDH/32/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 273R (Municipal No. B-18-737) situated at Model Town, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karam Singh S/o Shri Santa Singh R/o Guru Nanak Dev University, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari W/o Sh. Hans Raj, R/o 893/23, Link Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 273R (H. No. B-18-737), Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 673 of May, §80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1-1981.

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No CHD/123/80-81—Whereas J, SUKHDEV CHAND.

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 11 Kanals 14 Marlas situated at V. Behalana, UT Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Uttam Singh S/o Sh. Hazara Singh & Smt. Swaran Kaur D/o Sh. Hazara Singh through their attorney Sh. Sewak Singh S/o Sh. Hazara Singh, R/o V. Manakpur, Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Devinder Singh Mann S/1
 Shri Naranjan Singh Mann, R/o House No. 516,
 Sector 16, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Kanals 14 Marlas at V. Bchalana, UT Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 684 of July, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Comptetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana,

Date: 13-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January, 1981

Ref No CHD/72/80-81—Whereas I. SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No.

Land measuring 18 Kanals 4 Mailas situated at Village Behlana, H B No 331, UT Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Uttar Singh S/o Shri Hazara Singh, R/o V. Behlana, U T Chandigarh now at V Manakpui, Tehsil Rajpura through his General Power of Attorney Sh Sewak Singh S/o Shri Hazara Singh, R/o V Manakpui, Teh Rajpura, Distt Patiala

(Transferor)

(2) Shii R S Mann S/o Shri Niranjan Singh & Mrs Shyama Mann D/o Shri G C Bahl, r/o House No 516, Sector 16, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Kanals 4 Marias at V Behlana, UT Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No 443 of May, 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND, Comptetent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiton Range, Ludhiana

Date . 13-1-1981 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhajana, the 13th January 1981

Where as I, Sukhdev Chand Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 18 Kanals 3 Marlas situated at V. Behlana, U. T., Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Chandigarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Swaran Kaur D/o Shri Hazara Singh through her general attorney Sh. Sewak Singh S/o Shri Hazara Singh, R/o V. Manakpur, Teh. Rajpura, Distt. Patlala.

(Transferor)

(2) Shri Devinder Singh Mann & Narinder Singh Mern sons of Shri Naranjan Singh Mann, residents of House No. 516, Sector 16, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Kanals 3 Marlas at V. Behlana, UT Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 682 of July, 1980 of the Rogistering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax), Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

GOVERNMENT OF INDIA

Ludhiana, the 13th January, 1981

Ref. No. CHD/54/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2293, Sec. 35-C, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasior, of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 Sh. Harnam Singh s/o Sh. Hardayel Singh r/o H. No. 4722/3, Patel Road, Ambala City.

(Fransferor)

 Sh. Sohan Singh s/o Shri Mehar Singh r/o H. No. 1396, Sector 23-B,

(Transferec)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2293, Saituated in Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 263 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13th January, 1981.

Sent

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. CHD/62/80-81/—Where as I, Sukhdev Chand Lasperting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.
House Property No. 2184, situated at Sec. 21C, Chandigarh.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chandigarh in May, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurpartap Singh Brar S/o Sh. Jagat Singh, R/o House No. B-XII-69, Harindera Nagar, Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal Shaima S/o Sh. Lachhman Dass Shaima, R/o 22, St. Paul's Road Slough (Berks) U.K. through his attorney Shri Harnesh Kumar Shaima, S/o Mohan Lal, R/o House No 708, Sec. 8B, Chandigarh.

(Transferce)

 Shri S. K. Sharma, House No. 2184, Sec. 21C, Caandigarh,

(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 2184, Sector 21C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 323 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13-1-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. CHD/49/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Godown No 163, situated at Grain Market, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

29-446GI/80

 Snri Balbir Singh Kanda S/o Shri Bhagat Singh R/o House No. 14/Sector 9, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jogi Ram S/o Shri Banwari Lal, & Shri Ram Avtar S/o Shri Babu Ram, Rs/o 167, Grain Market, Chandigarh,

(Transferee)

- (3) 1. M/s Narang Store,
 - 2. M/s Nimco Match Co.,
 - 3. Sh. Sohan Lal,
 - 4. Sh. Subhash Chander,
 - 5. Shri Rana,
 - 6. Shri Dhani Ram
 - all rs/o 163, Grain Market, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 163, Grain Market, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale seed No. 235 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. CHD/108/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Residential Plot No. 1158 situated at Sector 33C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(i) Wing Commander A. S. Ahluwalia S/o Shri Partap Singh R/o D-302, Sarvodya Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Kaur W/o Sh. Faqir Singh, R/o House No. 1147, Sector 33C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1158, Sec. 33C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 619 of June, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lydhiana,

Date: 13-1-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. CHD/111/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 3583, situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Gurcharanjit Sharma S/o Pt. Hans Raj, House No. 320/12, Gali No. 5, Sharifpura, Amritsar through his special power of attorney Sh. Sushil Kumar Jain S/o Shri Des Raj, R/o House No. 1693, Sec 34D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh S/o Shri Tulsa Singh, R/o House No. XVII 2579, Jammu Colony, Link Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3583, Sec. 35D, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 632 of June, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13-1-1981.

Soal:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. LDH/44/80-81:—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Half share in property built on Plot No. 2, situated at Manna Singh Colony, Pakhov al Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the saki Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Ram Piari W/o Shri Kesar Dass S/o Shri Kanshi Ram & Smt. Shahini Bai Wd/o Shri Ramesh Chander, & Krishana Rani, Samitra Devi daughters of Sh. Sita Ram, R/o B-11-55, Borwn Road, Ludhjana.

(Transferor)

(2) S. Inderjit Singh Mangat S/o Sh. Sadhu Singh, R/o V. Begowal, Distt Ludhiana C/o Civil Hospital, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property built on Plot No. 2, Manna Singh, Colony, Pakhowal Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1087 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13-1-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. LDH/39/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

H. No. B-XVII-356, Bharat Nagar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Balwant Kaur w/o Sh. Baldev Singh, r/o B-17-353, Bharat Nagar Chowk, Ludhiana.

(Transferor).

(2) Sh. Rana Partap Singh s/o Sh. Nand Singh r/o Vill. Partap Pura Teh. Phillaur Distt. Jullundur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XVII-356, measuring 212 sq. yds. situated in Bharat Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 971 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13-1-1981.

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. LDH-60/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kothi No. 490 (Municipal No. B-18-565) situated at Model Town, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 279C of thesaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely):—

 Shri Teja Singh S/o Shri Nihal Singh, R/o Kothi No. 490 Model Town, Ludhjana.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur W/o Shri Harjit Singh, R/o 490, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 490 (Municipal No. B-18-565), Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1262 of June, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13-1-1981.

FORM I.T.N.S -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. CHD/63/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Residential Plot No. 309

situated ar Sector 33A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Col. Virender Singh,
 S/o Late Sh. Balwant Singh,
 Headquarters-2, Armoured Brigade C₁o 56 APO through his General Power of attorney Sh. Daljit Singh Mann S/o Shri Teja Singh R/o House No. 3059, Sec. 21D, Chandigath.

(Transferor)

(2) Mrs. Janak Ahluwaila W/o Shri D.S. Ahluwalia, Shri D.S. Ahluwalia S/o Sh. Lajja Singh Ahluwalia, Shri Sunil Ahluwalia S/o Sh. D.S. Ahluwalia, all residents of 88, Maharana Pratap Road, Ambala Canti.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 309, Sector 33A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 330 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1-1981.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Rajpal Singh S o Shri Kehar Singh R/o 80J Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transfero

(2 Smt. Raj Rani W/o Shu Sohan Lal, R/o T-51, Railway Colony, Ludhiana

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING

LUDHTANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. LDH/40180-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S.C.F. No. 42 situated at Phase-I, Sarabha Nagar Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980

Euchana in may, 1986

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 42, Phase-J, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 984 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 13th January 1981

Rcf. No. MKL/17/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 7 Bigha 12 Biswas situated at Sadra Bad Teli Malerkotla

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said histrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

3 0-446G1/80

(1) Sh. Surjit Singh, s/o Inder Singh r/o Sadra Bad Teh. Malerkotla.

(Transferor)

 M/s. Nabha Paper Mills Pvt. Ltd., Dhuri Road, Malerkotla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 Bigha 12 Biswas situated in Sadrabad Teh, Malerkotla.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1163 of May, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1-1981.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. MKL/18/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 7 Bighas 12 Biswas situated at Sadrabad Teh. Malerkotla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the offiffice of the Registering Officer at Malerkotla in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sadhu Singh s/o Sh. Indet Singh t/o Sadrabad Teh. Malerkotla.

(Transferor)

 M/s. Nabha Paper Mills Pvt., Ltd., Dhuri Road, Malerkotla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever region expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 Bighas 12 Biswas situated in Sadrabad Teh. Malerkotla.

(The property as mentioned in the registered deed No. 1164 of May, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. DBS/5/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 6K-5M situated at V. Lohgarh S. Teh. Dera Bassi

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be to that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Mohinder Singh & Sh. Gurcharan Singh, ss/o Sh. Matha Singh alias Nathu, r/o Vill Lohgarh, Teh, Dera Bassi, Distt. Patiala.

(Transferor)

 1. Dr. Jasmer Singh Soni s/o Teja Singh Soni r/o H. No. 3376, Secor 32-D, Chandigarh.

2. Sh. Gurmukh Singh Soni s/o S. Teja Singh Soni, Wing. No. 127, G.W.D.A. Poxen No. 3231, Sadoon Street, Bhagdad, Iraq.

(Transferce)

Objections, if any, to the aequisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 K 5M in Longarh S. Teh, Dera Bassi Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the registered deed No. 108 of May 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1- 1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. AML/14/80-81.—Whereas I, SUKHDLV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 5 Bighas 1 Biswa V. Jassaran S. Teh. Amloh

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Jora Singh S/o Jagat Singh r/o, V. Jassaran S. Teh. Amloh Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Aggarwal Steel Rolling Mills & Metal Industrics Amloh Road, Mandi Gobindgarh-147301 (Punjab)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas 1 Biswa situated in V. Jassran S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in the registered deed No 199 of May, 1930 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEY CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDIHANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref No SOL/1/80-81 - Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have re ison to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Lind measuring 1628 sq mts situated at Lower Bazii, Solan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in Tupe 1980

for an apparent consideration which is less than the inimital ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Mrs Kalawati Kashyap widow of Late Sh B N Kashyap r/o II K 84, Lajpat Nagar, New Delhi--24 through her attorncy Sh. Vijay Kumar son of Sh Nanak Chand resident of 83, Ganj Bizar, Solan (HP)

(Iransferor)

(2) Shi Sheel Chandra S/o Shri Nanak Chand R/o, Swadhaya Ashram, The Mall, Simli

(Fransteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 1628 sq meters, at Lewei Bazar, Selen (The property as mentioned in the sale deed No. 183 of June, 1980 of the Registering Authority, Selen)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incented a,
Acquisition Range, Leddle na

Date 13 Jinuary, 1981 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVLRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhjana, the 13th January 1981

Rel No CHD/60/80-81—Where's I, SUKHDEV CHAND built the Camputent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Residential Plot No 357 situated at Sector 35A, Chandigerli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Ex Major Rajinder Singh Sandhu S/o
Kishan Singh Sandhu, R/o Heuse No. 1534,
See 18D CHD
Through his general power of attency Sh. Nelincer
Singh Dhillon, R/o V&PO Bhinder,
via Rayya, Teh & Distr Amiltser

(Transferor)

(2) Shri Keshar Singh S/o Shri Mehtab Singh, 1/o House No 1349, Sec. 34C, Chandigath now at House No 354, Sec. 35A, Chandigath.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Residential Plot No 357, Sec 35A, Chandigarh (The Property as mentioned in the sale deed No 305 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 13th January, 1981 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref No LDH/R/19/80 81 —Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Lind measuring 3-8-17 bighas situated at Village Lad, Tehsil Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby unitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Dalip Singh S/0 Shri Niraina & S/Sh. Gurnam Singh,
Jarnail Singh Karnail Singh,
48/0 of Shri Jeeta Residents of V. Dad,
Tehsil Ludhiana

(Transferci)

(2) Shri Jangi Lal Oswal S/o Shi Vidyo Sagii Oswal R/o Ghumar Mandi, Ludhiana

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 8 17 beins at V. Dad, Teh. Ludhiana (The property as mentic red in the safe deed No. 2498 of June, 1980 of the Registering Authority, Luhdiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13th January, 1981 Seal

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, I UDHIANA

Ludhlana, the 13th January 1981

Ref No. CHD/67/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. 3189 situated at Sector 28D, Chandigath

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patter has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

'Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kırpal Singh S/o Shri Jagat Singh, R/o House No. 653, Indi Area, Chandigaih.

(Transferor)

() Shri Kidar Nath Sethi S/o Shri Gian Chand Sethi, Smt. Shakuntala Sethi W/o Sh. Kidai Nath Sethi, Resident of 3189, Sec. 28D, Chandigath.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3189, Sector 28D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 388 of May, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13 th January 1981,

(1) Shri Joi Pal S/o Shri Shiy Ram, Khanna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Ispat Udyog, Khanna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISI TION RANGE, LUPHIANA

Ludhjana, the 13th January, 1981

Ref. No. KNN/14/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Property with land 3 kanals 6 marlas situated at Khanna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair at Khanne in May, 1980.

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Ufficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

31-446GIPF/80

THE SCHEDULE

Property with land 3 kanals 7 marlas at Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No. 174 of May, 1930 of the Registering Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 January, 1981.

Soal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. CHD/47/80-81—Whereas I, SUKHDEV (HAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Residential Plot No. 1553 situated at Sector 34D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Gurpreet Singh S/o Major Raghubir Strgh, through Sh. Bakshi Singh, D/1059, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Balwant Rai Jain S/o Sh. Karam Chand Jain, Dr. Mrs. Sudha Jain W/o Sh. Balwant Rai Jain, C/o Shri O.P. Jain, House No. 2247, Scc. 21C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1553, Sector 34D, Chandigarh.

(The Property as montioned in the sale deed No. 231 of May 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 January, 1981.

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana the 13th January 1981

Ref. No. KNN/20/80-81--Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 8 kanals situated at Khanna Katan, Disti.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Khanna in June, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sm^{*}, Jagir Kaur mother/guardian of Sh. Bhupinder Singh Residet of Ward No. 9, House No. 164, Khanna Kalan, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Suri Gurdip Singh S/o Sh. Joginder Singh, R/o Ward No. 12, Model Town, Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals at Khanna Kalan, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No.832 of June, 1980 of the Registering Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dite: 13 January, 1981.

 S/Sh. Mohinder Singh, & Gurcharan Singh S /o Sh Natha Singh alias Nathu r/o V. Lohgarh S. Teh. Dera Bassi.

(Transferor)

(Transleree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Balbir Singh s/o Sh. Niranjan Singh, r/o Khizar Garh S. Teh. Dera Bassi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 13th January, 1981

Ref. No. DBS/5-B/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 Kanal 15 Marlas in situated at Lohgarh S. Toh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Thet terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Kanal 15 Marlas in Vill. Lohgarh Suberth. Dera Bassi Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 107 of May, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitin Range, Ludhiana

Date: 13 January, 1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 13th January, 1981

Rel. No. DES/5-A/80 81-Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3K-5M situated at Longarh S. Teh. Dera

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Basa in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) S/Sh. Mohander Singh, Guicharan Singh s/o Sh Natha Singh alias Nathu r/o V. Lohgarh, S Teh Dera Bassi

(Transferor)

(2) S/Sh Jagdip Singh, Mohinder Singh, Haripal Singh, ss/o Sh. Chamba Singh r/o Ramgarh (Bhodha), S/ Teh. Dera Bassi Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land meausing 3K-5 Mailas situated in Longarh S. Teh. Dera Bassi Distt. Patiala

(The property as mentioned in the Registered deed No. 109 of May, 1980 of the registering authority. Dera Bassi Distt. Patiala).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitin Range, Ludhiana

Date 13 January 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sh. Charan Singh s/o Sh. Harnam Singh r/o Bassi Pathan Teh. Sirhind Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Harbans Singh v/o Sh. Ajit Singh, r/o Vill. Bhuchi Teh Sirhind Distt. Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the, 13th January 1981

Ref. No. SRD/15/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25.000/- and bearing No.

Agr. Land measuring 21 Kanals situated at Bassi Tch. Sirhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. Land measuring 21 Kanals situated in Bassi Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the registered Deed No. 491 of May, 1980 of the registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13 January, 1981

Scal:

(1) Shii Chai an Singh s/o Sh. Harnam Singh r/o Bassi Pathana Teh Suhind

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Supinder Singh s/o Sh Ajit Singh, 1/0 Vill Bhuchi Teh Sirhind

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref No SRD/14/80-81 - Whorens, I. SUKHDEV (HAND under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market Vilue exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Agr Land measuring 18 Kanals 4 Marlas situated at Pathana Jeh Sirhind

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sirhind in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons with the very period occurred to the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULF

Land measuring 18 Kanals 4 Marlas situated in Bassi Pathana Teh Sirhind

(The property as mentioned in the registered deed No 490 of may, 1980 of the Registering Authority, Sirhind)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

13 January 1981 Date Seal

FORM ITNS (!) Sh

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhlana, the 13th January 1981

Ref. No. SRD/13/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 21 Kanals 3 Marlas situated at Bassi Pathana Teh. Sirhind.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sithind in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Charan Singh s/o Sh. Harnam Singh r/o Bassi Pathana Teh, Sirhind.

(Transferor)

(2) Sh. Harpal Singh s/o Sh. Ajit Singh s/o Waryam Singh Vill Bhuchi Teh. Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. Land measuring 21 Kanals 3 Marlas situated Bassi Pathana Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 489 of May, 1980 of the Registering Authority, Sirbind).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 January 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. SRD/12/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 21 Kanals 6 Marlas situated at Bassi Pathana Teh. Sirhind.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sirhind in May, 1980.

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45-446GI/80

 Sh. Charan Singh s/o Sh. Harnam Singh, r/o V. Bassi Pathana Tch. Sirhind.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh s/o Sh. Waryam Singh, r/o Vill Bhuchi Teh. Sirhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 21 Kanals 6 Marlas situated in V. Bassi athan Teh Sirhind.

(The property as metnioned in the registered deed No. 488 of May, 1980 of the Registering Authority, Sirhind).

KUSHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13th January, 1981.

Scal:

FORM NO. I/T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUDHIANA

Ludhiana, thor. 18th January (1981).

Ref. No. PTA/15/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 17 Kanals 8 Marlas situated at V. Jhill Teh. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in May, 1980.

for an apparent consideration; which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Narinder Singh so Darbara Singh Power of Attorney Sh. Darbara Singh so Sh. Narain Singh 58-A Sarbha Road Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Varinder Singh, Rawinder Singh, Malvinder Singh Narinder Singh ss/o Sh. Hardial Singh & Sh. Hardial Singh s/o Sh. Partap Singh r/o Vill, Zhill Teh Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Statette or a period of 30 days from the service of minotice on the respective persons whichever period expires latery
- (b) by any other person interested, in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 17 Kanals 8 Marias situated in V. Jhill Teh. Patiala.

(The Property as mentioned in the registered deed No. 628 of May, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV, CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant, Commissioner, of Income-tax,
Acquisition, Range

Date: 13th January 1981,

Scal:

 (1) Shanti Kaur Alias Paramjit Kaur d/o Sh. Jangir Singh r/o V. Raipur Chopduran S. Teh. Amjoh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S/Sh Baldev Singh, Avtar Singh, Natar Singh ss/o Shangar Singh r/o V. Malak Pur S. Teh. Payal Distt. Ludhjana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITY COMMISSIONER , OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. AML/24/80:81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the framovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Link (8 Kumis) 7 Murlas situated at Raipur Chopdaran S. Tch. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Kanals 7 Marlas situated in Raipur Damodaran S. Teh. Amloh Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 354 of May, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitin Range, Ludhiana

Date: 13 Jahuary, 1981.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

LUDHIANA

Ludhjana, the 13th January 1981

Ref. No.AML/23/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lint measuring 18 Kanals 6 Marlas situated at Rajpur Chopdran S. Teh. Amloh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Nirmal Kaur d/o Sh. Jangir Singh s/o Sh. Mcgh Singh r/o Raipur Chopdaran S. Teh. Amloh Distt. Patiala.
- (2) S/Sh Baldev Singh, Avtar Singh, Netar Singh ss/c Sh. Shangara Singh s/o Sh. Wazir Singh r/o Malak Pur S. Teh, Payal Distt, Ludhjana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Kanals 6 Marlas situated in Rajpur Chopdaran s. Teh. Amloh Distt. Patiala.)

(The property as mentioned in the registered deed No. 352 of May, 1980 of the Registering Authority, Amlch).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitin Range, Ludhiana

Date: 13 January, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13 January, 1981

Ref. No. CHD/86/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

No. Land meausting 250 sq. yds (Part of Plet No. 10P) situated at Street D, Sector 3/A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Lt. Col. Shyam Rattan S/o Sh. Ram Rattan, (2) Prem Rattan S/o Sh. Ram Rattan, (3) Mr. Primulu Pandit D/o Sh. Ram Rattan (4) Mrs. Santosh Rattan W/o Capt. Anmol Rattan, (5) Mrs. Mira Midha D/o Capt. Anmol Rattan (6) Mr. Sidarath Rattan S/o Capt. Anmol Rattan (7) Mr Sanjay Rattan S/o Sh Anmol Rattan, through their share h der and General Attorney Sh. Adarsh Rattan S/o Shri Ram Rattan C/o Rattan Villa, Ram Munshi Bagh, Shivpura, Sringgar.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh Anand S/o Sh Baldev Singh, R/o House No. 540, Sec. 10D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 250 sq. yds (Part of Plot No. 10P) Scc. 3A, Chandigarh.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 537 of June, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHT EV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitin Range, Ludhiana.

Date 13 Jan 1981. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. SMR/13/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Land measuring 2K i8M situated at Samrala Teh Samrala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Samrala in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sant Harbans Kaur w/o Sh. Lal Singh r/o V. Mad Pur, Teh. Samrala Now at A-I, Sector 6, Rourkela (Orissa)
 - (2) St. Manjit Kaur w/o Sh. Niral Singh, Sh. Nirmer Singh s/o Sh. Chot Singh, Sh. Chet Singh s/o Surde, Singh all r/o vill. Papraudi Teh. Samarala Disti "Ludhlang

(Transferce

/ Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 31 days from the service of notice on the respectiv persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanal 8 Marlas in Samrala Distt. Ludhiana. (The property as mentioned in the registered deed No. 2010 of the June, 1980 of the Registering authority, Samrala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13 January 1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF, THE, INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhjana, the 13th January, 1981

Ref. No. SMR/12/80-81, Whereas I. SLIKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2 Kanal 8 Marias situated at, Samrela Teh. Samrala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Samrala in June, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Harbans Kaur w/o Sh. Lal Singh r/o Madpur Teh. Samrala. Now at A-I, Sector 6, Rourkela (Orrisa).
- (2) Sh. Daya Singh, Kuldip Singh, Harkewal Snigh 85/0 Sh. Bant Singh r/o Vill. Bomb P.O. Nagra, Teh. Samrala

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective spersons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication, of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring. 2 Kanals 8 Marias situated in Samirala, (The property as mentioned in the Registered deed No. 2009 of June, 1980 of the Registering Authority, Samuels).

SUKHDEV CAHND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Indhiana

Date: 13 January 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana the 13th January, 1981

Rcf, No. CHD/88/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 200 sq. yds (Part of Plot No. 10P) sitt: tcd at Street D. Sec 3A, Chandigarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chandigarh in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Lt. Col. Kanwal Rattan s/o Sh Ram Rattan.
- 2. Mrs. Kamla Khosla D/o Sh. Ram Rattan,
 3. Lt. Col. Koval Rattan S/o Sh. Ram Rattan,
 Mrs. Vimla Parkash D/o Sh. Ram Rattan through
 their share holder and as General Atterney Sh.
 Adarsh Rattan S/o Shri Ram Rattan all Rs/o 4. Mrs. Rattan Villa Ram Munshi Bagh, Shivpura. Srinagar (J&K).

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh anand S/o S. Baldev Sirgh,

R/o 540, Sector 10D, uandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 200 sq. yds (Part of Plot No. 1oP) Sec. 3A, Chandigarh .

(The property as mentioned in the sale deed No. 538 of June 1980 of the Registering Authority, Chandigah).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ludhiana

Date: 13 January, 1981.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 13th January, 1981

Ref. No. CHD/85/80-81—Wherces I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plet measuring 550 kg, yds. (Part of Plot No. 161) satisfied at Street D, Sec. 3/A, Chandigarh.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Chandigarh in June, 1980.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—446GI/780

(1) Lt. Col. Keshav Rattan S/o Late Ram Rattan R/o B-355, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2 Shri Joginder Singh Anand S/o S, Baldev Singh, R/o 540, Sec. 10/D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 550 sq. yds. (Part of Pirt No. 10P), Street, D Sector 3/A, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 536 of June, 80 of the Registering Authority, Chandigeth).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13th January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana the 13th January, 1981

Rof. No. LDH/42/80-81—WWeters I, SUKHPLV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in property built on Pict No. 2, situated at Manna Singh Colony, Pakhewa! Read, Ludhiana.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Briji Lal s/o Shri Kesar Dass s/o Shri Kansi Ram, R/o B-IG-618, Reri Mohalla Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Sirgh Mangat S/o Sh Secha Surll R/o V. Begowal, Distt. Ludhiana now C/o Civil Hospital, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in property built on plot No. 2, Manna Singh Colony, Pakhowal Road, Ludhiana,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1070f May, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13 January, 1981

Ref No CHD/61/80-81—Whereas, I. SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No House Property No 2655, situated at Sector 22C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Smt Kushna Kumari W/o sh Gian Parkash resident of House No 2655, Sec, 22c Chandigarh
 - (Transferor)
- (2) Smt. Fripta Kalia W/o Sh Ravi Dett Kelie C/o Heiyele State Co-op Land Development Bank Ltd Sector 12B, Chandigarh
 (Transferce)
- (3) 1 Smt Kamaljit Kaur & 2 Shri D S. Kanwar, House No 2655, Sec 22C, CHD (person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No 2655, Sector 22C, Chandigerh (The property as mentioned in the sale deed No 311 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigerh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioners for Irecore-Tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 13 Jan, 1981

FORM I.T N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Ludhiana, the 13 January, 1981

Ref No SML/11/80-81/—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Incomplete double storey building in situated at station Ward Bara Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simila in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kimti Raj Sekhri s/o Balkrishan Sekhri C-35'J' Park 2, Maharagar Extention Lucknew (UP) (Transferor)
- (2) Sh Vishwa Chandra Ohia Curator H P Museum Simla-4
 (Transferce)
- (3) Mr KK Sharma United Commercial Bank, Simla Mr VC Chandel Distt Instructor Simla Pelice (person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Incomplete double storey building situated in Station Weld Bara Simla (The process as mentioned in the Registered deed No 538 of July, 1980 of the Registering Authorit, Simle

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 Jan, 1981 Scal:

FORM JINS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludliana, the 13 Jaouary, 1981

Ref No. CHD/58/80-81/—Where is I SUKHDEV CHAND bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Plot No. 230, Sector 36-A situated Chandigerh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigerh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Capt. Chet Singh (retd) s/o Pakhar Singh r/o Vill P.O Kumbra Teh, Kharar (Ropar)

(Transferer)

(2) S'n. P. Itam Singh Bisra S/o Sh. Sham Singh Basra r/o Hh. No.23, Sector 36-A, Chandigarh.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 230, situated in Sector 36-A, Chandigarh, (The property as montioned in the registered deed No. 298 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner, Of Income-Tax
Acquisition Range,
LUDHIANA

Date: 13 Jan 1981

FORM ITNS----

(1) S'n. Jagjit Singh s/o Gopal Singh r/o 294, Sector 33-A Chandigarh.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Inderpal Kaur w/o Sh. Pritpal Singh r/o 3049, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUSITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13 Jun, 1981

R2f,N2. CHD/55/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1894, Sector 34-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1894, situated in Sector 34-D, Chandigarh (The property as mentioed in the registered deed No. 273 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHEDU CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-Tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 20-6-1980.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGF LUDHIANA

Ludhiana, the 13 th January, 1981

Ref. No. CHD/51/80-81—Whereas 1, SUKHDLV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 1024, Sector 37-B situated at Chandigarh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:—

 Sh. R.K. Bhamba Division Memeger s/o Sh. Dev Rej Bhamba r/o 23 Dayaganj, New Delhi-11002.

(Transferer)

(2) Maj. H.K.S. Bedi s/o Sh. Inderjit Singh Bedir/o 1024, Sector 37-B, Chandigarh c/o Sh. Paramjit Singh r/o 1056, Sector 37-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1024 situated in Sector 37-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 258 of May 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Ludhjana

Date: 13 Jan, 1981

FORM NO. ITNS-

(1) Sh. Om Pirkash Gupta s/o Sh. Amin Chand Gipta r/o 139, Sec. 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Sh. Gautam Kumar Sharma s/o Roshen La! Sharma 1/0 3002, Sector 37-D, Chandigarh, (Transferci)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:-

LUDHIANA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ludhiana, the 13 JAN, 1981

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. CHD/107/80-81-Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1208, Sector 37-B, Chardigath

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Chandigarh in June, 1980

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Ian market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 1208, situated in Sector 37-B. Chandigoth (The property as mentioned in the registered Ecod No. 618 of June, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

> SUKHDVE CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Of Income-Tas Acquisition Ringe, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13 Jan, 1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13 Jan, 1981

Ref. No. CHD/76/80-81/Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 499, Sector 20A, Chandigerh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kewal Singh S/o Shri Jagat Singh, V.Khan Khana, Teh. Nawan shehar, Distt, Jullundur through Sh. Gurmeet Singh S/o Jagat Singh, R/o V. Kahn Khana, Teh, Nawanshehar, Distt, Jullundur.

(Transferor)

(2) Mrs. Minakshi Gandhi W/o Sh. Laxmi Chand Gindhi, R/o House No. 499, Sec. 20A, Chandigarh.

(Transferce)

(3) Shri Prabhu Dayal, Shri Dayal Singh, Shri Sikander Lal, all residents of House No. p99, Sector 20 A, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 499, Sec. 20A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 486 of May, 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 JAN 1981

Seal:

34-446GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Badan Singh S/o Sh. Kishan Singh S/o Shri Sunder Singh, R/o Akbarpura, S. Teh. Ahmedgarh, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s. Wadhawa Ram & Sons, Lakkar Bazar, Ludhiana.
(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX CENTRAL REVENUE BUILDING ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th Jan 1981

Ref. No. AMD/43/80-81/Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Measuring 4 bighas 5 biswas at village Rchira, S.Tch. Ahmedgarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedgarh in May, 1980.

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires leter.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas 5 biswas at V. Rohira, S. Teh. Ahmedgarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 615 of May, 1980 of the Registering Authority. Ahmedgarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 JAN 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Nidhan Singh S/o Sh. Sunder Singh S/c Shri Fatta Singh, R/o V. Akbarpura, S. Tehsil Ahmedgrh, Disti. Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s Wadhawa Ram & Sons, Lakkar Bazar, Ludhicra.
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. AMD/42/80-81/Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 4 bighas 5 biswas v. Rohira, S. Tch. Ahmedgerh, Distt. Sangrur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedgarh in May, 1980.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas 5 biswas at V. Rohira, S. Teh. Ahmedgarh (The property as mentioned in the sale deed No. 718 of May, 80 of the Registering Authority, Ahmedgarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 JAN 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13 January 1981

Ref No. AMD/41/80-81/Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 2.5.3 1/2 bighas situated at V. Akbarpura, S. Teh. Ahmedgarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedgarh in May, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vipan Kumar S/o Sh. Pawan Kumar R/o Ahmedgarh, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s Wadhawa Ram & Sons, Lakkar Bazar, Ludhiana (through Sh. Gian Chand Ahuja, Pertner)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2.5.3 ½ bighas at V. Akbarpura, S. Teh. Ahmedgarh (The property as mentioned in the sale dece No. 6660f May, 1980 of the Registering Authority, Ahmedgarh)

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13 JAN 1981

FORM ITNL

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashok Kumar S/o Jagan Nath S/o Sh, Hardwari Lal, R/o Ahmedgarh, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s Wadhwa Ram & Sons, Lakkar Bazar, Ludhi-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13 January, 1981

Ref. No. AMD/15/80-81 Whereas I, SUKHDLV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 1.8.5 bighas village Akbarruic, S. Ich. Ahmodgarh, Distt, Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedgerh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.8.5 bighas at V. Akbar pura, S. Teh. Ahmedgarh (The property as mentioned in the sale deed No. 621 of May, 80 of the Registering Authority, Ahmedgarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13 JAN 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13 January 1981

Ref. No. AMD/13/80-81 —Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 7 bighas biswa V. Rohira, S. Teh. Ahmedgarh, Distt. Sangrur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ahmedgarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Nidhan Singh S/o Shri Sunder Singh S/c Sh. Phatta Singh & Shri Badan Singh S/o Kishan Singh S/o Sunder Singh, Residents of V. Akbar Pura, S. Teh. Ahmedgarh, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) M/s Wadhawa Ram & Sons C/o M/s Wadhawa Ram Sodaggar Mal, Lakkar Bazer, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on tht respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 7 bighas 1 biswa at V. Robira, Distt. Sangrur. (The property as mentioned in the sale deed No. 594 of May, 1930 of the Registering Authority, Ahmedgarh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Dato: 13 JAN 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th January 1981

Ref. No. KHR/8/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 7 Kanals 2 Marlas situated at Roop Nagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Surjit Singh, Inderjeet Singh, Narinder Singh, Rajinder Ss/o Sh. Hardit Singh, R/o Kurali, Distt. Roop Nagar.

(Transferor)

(2) M/s Rohini Enterprises, through Shri R.C. Setia, Partner, R/o House No. 502, Sec. 8B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 Kanals 2 Marlas at Kurali, Distt. Roop Nagar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 757 of 5/80 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13 January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January, 1981

Ref. No. SRD/25/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 14 Kanals situated at Bassl, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sirhind in June, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prabhdey Singh S/o Sh. Upar Singh, R/o Bassi, Tehsil Sirhind, Distt. Patiala.
- (2) Shri Manjit Singh adopted son of Sh. Atma Singh, S/o Shri Sunder Singh, R/o VPO Baraichpur, Teh. Thancsar, Distt. Kurukshetra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 Kanals, st. V. Bassi, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentined in sale deed No. 1616 of June, 1980 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 January, 1981

FORM J.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January, 1981

Ref. No. SRD/24/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 14 kanals situated at Bassi, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in June, 1980.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

35-446GI/80

- (1) Shri Prabhdev Singh S/o Sh. Upar Singh, R/o V. Bassi, Teh. Sirhind, Dstt. Patiala.
 - (Transferor)
- (2) S. Manjit Singh adopted son of Sh. Ata Singh S/o Shri Sunder Singh, R/o Braichpur, Teh. Thanesar, Distt. Kurkshetra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 kanals at V. Bassi, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1615 of June, 1980 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range' Ludhlana

Date: 15 January, 1981.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January, 1981

Ref. No. SRD/54/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 18 kanals 1 Marla situated at V. Bassi, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Denvider Bir Singh 5/o
 Sh. Prabhdev Singh, R/o V. Bassi,
 Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

S. Mqnjit Singh adopted son of Sh. Atma Singh s/o,
 S. Sunder Singh,
 R/o V. Baraichpur,
 Teh. Thanesar Distt. Kurukshetra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 18 Kanals 1 Maria at V. Bassi, Teh Sirhind. (The property as mentioned in the sale deed No. 692 of May, 1980 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th January, 1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ram Dass S/o Shri Devi Dass, R/o V. Dhaula, Teb. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Tikak Raj S/o Shri Piara, R/o House No. B-2-818, Choowni Mohalla, Ludhiana.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January, 1981

Ref. No. LDH/30/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1/2 share in House Property No. B-1-809, situated at Prem Nagar, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludbiana in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovwhile property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shull have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in House No. B-I-809/7, Prem Nagar Civil Lines, Ludhlana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 640 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhlana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th January 1981.

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January, 1981

Ref. No. LDH/85/80-81—Whereas I_LSUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share in House Property No. B-I-809/7, situated at Prem Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sala A... I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ram Dass S/o Shri Devi Dass,
 R/o V. Dhaula, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shrimati Sheel Rani W/o Tilak Ran R/o House No. B-2-818, Chhowni Mohalla, Ludhiana.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in H. No. B-I-809/7, Prem Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 1744 of June, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANME, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January, 1981

Ref. No. LDH/34/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land measuring 500 sq yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980.

for an apparent conesideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

 Shri Laik Singh Shri Bakhshish Singh, R/o V. Akhara,
 Teh. Jagreon through Sh Harnek Singh S/o, Shri Saudagar Singh of Nanaksar Ashran Sihar, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

 Shri Paramjit Singh S/o Shri Gurtej Singh, SDO T/L, Power House, Moga.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq. yds at Gurdev Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 771 of May, 80 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January, 1981

Ref. No. LDH/35/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 500 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chamkaur Singh S/o Shri Bakhshish Singh, R/o V. Akhara, Teh. Jagrson, through Shri Amar Singh, S/o Shri Harbans Singh, V. Narangwal, Teh & Distt. Luhdhiana.

(2) Shri Baldev Singh S/o Shri Lakha Singh,

R/o 32-C, Gurdov Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this medice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq. yds. at Gurdev Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 777 of May, 80 of he Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th Jaunuary 1981

Ref. No. LDH/33/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No. Portion of Plot No. 3-B situated at Industrial Area-A Extension Part B. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) M/s Ram Sahai Aggarwal & Sons, Bagh Khazanchian, Ludhiana through Shri Ram Sahai, S/o Sh Labhu Ram & S/Shri Ravinder Kumar, Bhim Sain & Onkar Ss/o Shri Ram Sahai residents of Bagh Khazanchian, Ludhiana
- (Transferor)
 (2) S/Shri Ramesh Chand & Subhash Chandei,
 Ss/o Shri Parkash Chand R/o Maloud,
 Teh. Ludhiana,
 & S/shri Vijay Kumar & Vinod Kumar S/o
 Shri Parkash Chand R/o Brown Road,
 Ludhiana.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 3B, Indl Area A, Extension Part B, Ludblana.

(The property as mentioned in the sale deed No 708 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th January, 1981,

Form IT.NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January 1981

Ref. No. LDH/79/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Portion of Plot No. 3B situated as at Industrial Area A Extension Part B, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Prithipal Bhalla, and Ray Pal Bhalla sons of Shri Madan Gopal Bhalla, R/o 26, Green Park, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Vyay Kumar, Vinod Kumar ss/o Sh. Parkash Chand R/o Brown Road, Ludhiana & S/Shri Ramesh Chander, Subhash Chander ss/o Sh. Parkash Chand, R/o V. Maloud, Teh. Ludhiana

(Transferee)

Obejetion, if any, to the acquition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Plot No. 33, Indl. Area A Extension Part B, Ludhiana.

(The property mentioned in the sale deed No. 1619 of June, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January, 1981

Ref. No. CHD/83/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1666 situated at Sector 33D, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

36-446GI/80

 Major Bhai Fatch Jang Singh, Sidhuwal Fort, Distt. Patiala.

(Transferor)

 Mrs. Amrit Randhawa W/o Sh. G.S. Randhawa, House No. 3182,
 Sec. 21D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1666, Sec. 33D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 17 of June, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January, 1981

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 7 Kanals 2 marks situated at Village Pawa, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- - (1) Sari Mahar Singh S/o Shri Hazura Singh, R/o Village Tedewal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s L.C. Oswal Hosiery Factory, Purana Bazar, Ludhiana through its partner Shri Mohinder Kumar s/o Sh. Lal Chand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 kanals, 2 marlas at V. Pawa, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1119 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhlana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 15th January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January, 1981

Ref. No. LDH/R/15/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Land measuring 7 kanals, 3 marlas situated at Village Pawa, Teheil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nahar Singh S/o Shri Hazura Singh, R/o Village Tedewal, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Kapal Kumar Jain S/o Shri Lal Chand, C/o M/s L.C. Oswal Hosy. Factory, Purana Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land meauring 7 Kanals 3 marlas at V. Pawa, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the \$ le deed No. 1066 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhi: n:)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, ¿Ludhi: na.

Dato: 15th January, 1891.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15 January 1981

Ref. No. KNN/13/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 8 kanals situated at Alour (Khanna) Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh at Khanna in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer an agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Mohinder Singh, Harchand Singh, Jang Singh, Nirbhai Singh, Rai Singh, Ss/o Sh. Harnam Singh, R/o Alour, (Khanna), Distt. Ludhjana.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur, W/o Shri Dalip Singh, R/o Ward No. 4, House No. 89, Mandi Gobindgarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals at V. Alour (Khanna) Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No 171 of May, 80 of the Registering Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 January, 1981. Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January, 1981

Ref. No. KNN/15/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 8 kanals situated at V. Alour (Khanna) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Mohinder Singh, Harchand Singh, Jang Singh, Nirbhai Singh, Rai Singh, sons of Sh. Harnam Singh, R/o V. Alour (Khanna), Distt. Ludhjana.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur W/o Shri Dalip Singh, R/o Ward No. 4, House No. 89, Gobindgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires letter.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The etrms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals at V. Alour (Khanna) Dt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 177 of May 1980 of the Registing Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15th January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDIHANA

Ludhiana the 15th January, 1981

Ref No KNN/16/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269 B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Land measuring 4 kanals situated at V Alour (Khania) Distt Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khanna in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Mohnder Singh, Harchand Singh, Jang Singh, Nirbhai Singh, Rai Singh Ss/o Harnam Singh, R/o V. Alour, (Khanna) Distt. Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh S/o Shri Sahib Singh, R/o Ward No 4, House No 89, Gobindgarh

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals at Alour (Khanna) Distt Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No 178 of May, 1980 of the Registering Authority, Khanna)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15 January, 1981 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1981

Ref. No. CHD/75/80-81-Whereas I. SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Faconne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 1240 situated at Sector 33C, Chandigarle

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chardigarli in may, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Smr Krishana Kumari W/o Shri Gian Parkash, R/o SCF 819, Sector 22A, Chandigarli.

(Transferor)

(2) Shri Bhagat Ram, S/o Shri Mansa Ram R/o House No. 153, Sector 9B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Plot No. 1240, Sector 33C, Chandigarh). (The property as mentioned in the sale deed No. 481 of May, 30 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Dáte: 15th January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Daljit Kaur Thadi & her adopted minor son Tailochan Singh Thandi, Amar Villa, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1981

Ref. No. CHD/14/80-81-Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 67, (built on plot No. 78) situated at Sector 5, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :---

(2) Shri Harsh Dip Singh (Minor) son of Shri Kanwal jit Singh Dhillon through mother & Natural guardian, Smt. Rupinder Kumari, Rio House No 245, Sector 16A, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 67 built on Plot No. 78, Sector, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 461 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 January, 1981.

FORM NO. FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1981

Ref No LDH/31/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-House Property No B-17-2/S-339, situated at Bharat Nagar, Model Town Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office

at Ludhiana in May, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-of 1908) in the office of the Registering Officer said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for suchtransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --- 37-446 GI/80

(1) Shri Harnam Dass S/o
Sh Abnashi Ram through
lus General Power of Attorney Sh Pran Nath S/o
Shri Harnam Dass R/o
B-17-339, Bharat Nagar,
Model Town Road,
Ludhjana

(Transferor)

(2) Dr Ramesh Chhabra S/o Dr. Ram Saran Dass & Dr. (Mrs) Raa Chhabra W/o Sh (Dr) Ramesh Chhabra. R/o 49/14, Harpal Nagar, Ludhjana

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Property No B-17-S-7/339, Bharat Nagar, Medel Town Road, Ludhiana

(The Property as mentioned in the sale deed No 668 of May, 80 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiones of Incometex,
Acquisition Range, Ludhalon

Date 15 January 1981 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RQNGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1981

Ref. No. CHD/53/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 28 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plet No. 1026, situated at Sector 36C, Chandigath, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh n May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Harbans Singh S/o S. Lal Singh,
 Narabad a Road, Jubalpore.

(Transferoi)

(2) S. Swaran Singh Sandhu S/o Shri Kirpal Singh,734, Sector 11B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1026, Sector 36C, Chandigarh.
(Tas property as entioned in the sale deed No. 261 of May, 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Apquisition Range, Ludhjana

Date: 15th January, 1981.

Smt. Harinder Kaur W/o
 Sh. Surinder Pal Singh,
 R/o 176, Santpura, Patiala.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th Januay, 1981

Ref. No. CHD/77/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/2 share in Plot No. 3026, situated at Sector 20D, Chardigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the sald Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Baldev Raj S/o Sh. Piare Lal, R/o SCF No. 14, Sector 19D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 3026, Sec. 20D, Chandigerh. (The property as mentioned in the sale deed No. 489 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigerh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15th January, 1981. Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January, 1981

Ref. No. CHD/78/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 1/2 share in plot No. 3026, situated at Sec. 20D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Harinder Kaur W/o Sh. Surinder Pal Singh, R/o 176, Santpura. Patiala.

(Transferer)

(2) Syri Baldev Raj S/o Sh, Piare Lal R/o SCF No. 14, Sec. 19D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in plot No. 3026, Sec. 20D, Chandigath, (The property as mentioned in the sale Deed No. 450 of May, 80 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Renge, Ludhjera

Date: 15 January, 1981.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CLUDHIANA

Ludhiana, the 15th January, 1981

Ref. No. CHD/59/80-81-Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 1520, situated at Sector 13D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Sadhu Singh Sandhu S/o Sh. Keshar Singh through his attorney Sh. Surinder Singh R/o 3176, Sec. 27D. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Bachan Singh S/o Shri Tarlok Singh. R/o 3176, Sec. 27D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

The SCHDULE

Plot No. 520, Sec. 33D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 304 of May, 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lichiera

Date: 15 January, 1981.

Seal.

FORM ITN8-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th January 1981

Ref. No. MKL/38/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land measuring 11 bighas 17-1/2 biswas situated at V. Manak Majra, Tch. Malerketla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Majerkotla in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Teja Singh, Jawala Singh, Jora Singh sons of Shri Arjan Singh & Sh. Mahan Singh S/o Sh. Bishan Singh, all residents of V. Mohammed Nagar, Teh. Majerkotja.

(Transferor)

(2) Shri Charan Singh S/o Shri Kartar Singh, R/o V. Mohammed Nagar, Teh. Malerkotla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 17½ biswas at V. Manak Majra Tehsil Malerkotla,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1218 of May, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 January 1981. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January 1981

Ref. No. MKL/39/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 11 bighas 17-1/2 biswas situated at V. Manak Maira, Teh. Malerkot a.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Malerkotla in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Teja Singh, Jawala Singh,
 Ss/o Shri Arjan Singh,
 & Shri Mahan Singh S/o,
 Bishan Singh,
 Residents of V. Roorka,
 Malerkotla.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagroop Singh Darshan Singh, Charan Singh sons of Shri Kartar Singh, Residents of V. Mohammed Nagar, Teh. Majerkotla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lund measuring 11 bighas 17-1/2 biswas at V. Manak Majra, Tehsil Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1363 of May, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 January 1981.

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th January, 1981

Ref No. MKL/40/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Land measuring 11 bighas 18 biswas situated at V Manak Majra, Teh Malerketla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) S/Shri-Teje Singh, Jawala Singh, Jora Singh, Ss/o Shri Arjan Singh & Shi Mahan Singh S/o Sh Bishan Singh, R/o V Roorka, Teh Malcrkotla

(Transferor)

(2) S/Shr₁ Jagroop S₁ngh, Darshan S₁ngh, Charan S₁ngh, Ss/o Sh. Kartar S₁ngh,⁷ R/o V. Mohammed Nagar, Malerkotla

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 18 biswas at V Minak Majra, Tehsi! Majerkotio

(The property as mentioned in the sale deed No 2207 of June, 1980 of the Registering Authority, Malerketia)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiena
Date 15th January, 1981

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhjana, the 15th January 1981

Ref. No. MKL/19/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Lin 1 measuring 11 bighas 17½ biswas situated at V. Manak Majra, Teh. Malerkotla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38-446 GI/80

(1) S/Shri Teja Singh, Jawala Singh, Jora Singh Ss/o Shri Arjan Singh & Sh. Mahan Singh S/o Sh. Bishan Singh, Village Roorka, Tch. Malerkotla.

(Transferor)

(2) Shri Darshan S ngh S/o Shri Kartar Singh, R/o Mohammed Nagar, Malerkotta, Distt. Sangrur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 17½ biswas at V. Manak Majre, Teh, Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1183 of May, 1980 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Cmpetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana

Date: 15 January 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15 January 1981

Ref. No. MKL/16/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHA ND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Lint masuring 11 bighas 17-1/2 biswas situated at V. Manak Majra, Teh. Malerkotta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malerkotla in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S/Shri Teja Singh,
 Jawala Singh,
 Jora Singh Ss/o
 Shri Arjan Singh &
 Shri Mahan Singh
 S/o Bishan Singh,
 Residents of V. Roorka, Teh. Malerkotla.

(Iransferor)
(2) Shri Jagroop Singh S/o Kartar Singh

(Transfcree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

R/o V. Mohammed Nagar, Tehsil Malerkotla.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 17-1/2 biswas at V. Manak Majra, Tehsil Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 115 of May, 1980 of the Registering Authority, Malekretla.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissiner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd January 1981

Ref. No. SMR/22/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 25 Kanal 10 Marlas situated at V. Chawa. Teh. Samrala, Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Samrala in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Darshan Singh, Mohinder Singh Ss/o
 Sh. Shyam Singh,
 V. Ghurala, Teh. Khanna,
 Distt, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Nirmal Singh, Harmail Singh, Kesar Singh, sons of Shri Gajjan Singh, R/O V. Harbanspur (Samrala), Distt. Ludhjana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 Kanal 10 Marlas at V. Chawel, Teh. Samrala, Distt. Ludhjana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 39 of May 1980 of the Registration Authority, Samrala).

SUKHDEV CHAND
Cometent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhjana

Date: 22nd January, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December, 1980

Ref. No. AML/11/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 Bighas 10 Biswas situated at Kukkar Majra S. Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Nachhatar Singh s/o Shri Babu Singh, R/o Kukkar Majra, S. Teh. Amloh.

(Transferer)

 M/s Krishana Iron & Steel Rolling Mills. through Sh. Jagir Singh Partners Mandi Gobindgarh,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas 10 Biswas in Kukkar Majra S. Teh. Amloh.

(The property as mentioned in he Registered dece No. 190 of May, 1980 of the Registering Authority, Amlch)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Comissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhic 18

Date: 15 Deceber, 180.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana the 15th December, 1980

Ref No AML/12/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and beating No Land measuring 3 Bighas 10 Biswas Si lated at Kukkar Mijia S. Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh Malkiat Singh s/oSh Heeta Singh,r/o Kukkar MajraS Teh Amloh Distt Patiala

(Transferor)

(2) M s Kushana Iron & Steel Rolling Mills through
Sh Jagir Singh Paitner
R/o Mandi Gobindgarh S Teh Amloh

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 Bighas 10 Biswas in Kukkar Majra S. Teh Amloh.

(The property as mentioned in the registered deed No 19 of May, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAN
Copetent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 December, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Katnaik Singh s/o
 Sh. Babu Singh
 R/o Kukkar Majra S. Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) M/s Kirshna Iron & Steel Rolling Mils through Sh. Jagir Singh Partner r/o Mandi Gobindgarh, S. Teh. Amloh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. AML/13/80-81— Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Land measuring 0--19 Biswas situated at Kukkar Majra, Teh. Amloh.

situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 0-19 biswas in Kukkar Majra S. Teh Amloh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 192 of May, 1980 of the registering authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980.

FORM 1.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. SRD/44/80-81 - Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 8 Bighas 0 Biswas situated at Ajnali Teh. Sirhind.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sewa Singh s/o
Lal Singh Self
and Sh. Surjan Singh s/o
Sh. Hecra Singh through
Sh. Sewa Singh s/o
Lal Singh,
R/o Kukkar Majra.
S. Teh Amloh.

(Transferor)

(2) M/s Saggar Steels, Mandi Gobindgarh, through Sh. Dharam Dev Saggar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bighas 0 Biswas sinated in V.Ajnali Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2192 of August, 1980 of the registering authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. SRD/46/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Land measuring 8 Bighas OBiswas situated at Ajnali Teh. Sirhind.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirhind in September, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Sewa Singh s/o
 Sh. Lal Singh Self and Gen. Power of attorney of Sh. Surjan Singh s/o Sh. Heera Singh R/o V. Kukkar Majra S. Teh. Amloh.

(Transferor)

(2) M/s Saggar Steel Mandi Gobindgarh, through Sh. Dharam Dev Saggar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bighas 0 Biswas situated in Ajnali Teh. Surhind.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2317 of September, 1980 of the Registering Authority, Sirhind.).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-12-1980

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. CHD/4/80-81—Whereas I SUKHADEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land measuring 11Kanals situated at Village Mauli Jagran, UT Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—446 GI/80

 Shri Nachhattar Singh S/o Shri Sampuran Singh, R/o V. Raipur Khlan, UT Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Kumari W/o Shri Maharaj Krishan Mehandiratta, House No. 1236, Sector 18C, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 kanals at Village Mauli Jagran, UT Chandigarh.

(The property as mentined in the sale deed No. 192 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th December, 1980.

FORM ITNS --- ~ --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana thd 15th December 1980

Ref. No. CHD/38/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25;000/- and bearing Sy. No. as per schedule No. Residential Plot No. 1268, situated at Sector 34C, Chandigarh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than surfeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Capi Sathir Singh S/o
Shii Bir Singh
R/o Sanguentni Croa, Goa,
through his special attorney Shii Manohei Lal S/o
Sh Nanak Chand
R/o House No. 60/Sec. 15A
Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar S/o Shri Hati Chand & Smt. Pushpa Bidani W/o Sh. Krishan Kumar R/o House No. 1267, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1268, 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 177 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th December, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th December 1980

Ref. No. SML/3/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bering No.—situated at Kunnathukal

No. 5/24 share in Shop No. 6, 6/1 & 6/2, situated at North Brooke Terrace, The Mall, Simla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Simla in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

 Shri (Lala) Gian Chand Kuthil S/o Lala Karori Mal R/o
 Lower Bazar, Sinıla.

(Transferor)

(2) Mrs. Uma Devichand Wd/o Shri R.L. Devichand, R/o No. 6, North Brooke Teerace, The Mall, Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/24 share in Shop No. 6, 6/1 & 6/2, North Brooke Teerrace, The Mal, Simla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 357 of May, 1980 of the Registering Authority, Simla)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th December, 1980.

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th December, 1980

Re.f No. LDH/R/12/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 8 kanals 13 Marlas situated at Village Pava, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana, in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

 Shri Sodagar Singh S/o Shri Kaku Singh, Resident of Village Pava, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Jupiter Radios (Regd.), С-46, Okhla Industrial Area Phase -П, New Delhi-110020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanals 13 Marlas at Village Pava, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 507 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Ludhiana

Date: 15 December 1980.

Scal:

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th December, 1980

Ref. No. CHD/39/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 661 situated at Sector 33B, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor: than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Col. B.K. Chawla S/o Shri V.D. Chawla R/o 3-B, Mathura Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Vijay Ahluwalia W/o Capt. N.P. Ahluwalia & Capt. N.P. Ahluwalia S/o Shri S.P. Ahluwalia, R/o 86, Maharana Partap Road Ambala Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 661/Sec. 33B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 436 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Cooptetent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 December, 1Œ80. Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITON RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th December, 1980

Ref. No. CHD/65-80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rq. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1622 situated at Sector 36D, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lt. Col: Madan Singh Bajwa S/o Sh. Labh Singh Bajwa, General Officer Commanding Chief, Eastern Command, Fort William, Calcutta-21.

(Transferor)

(2) Shri Harkamaljit Singh adopted son of Sh. Lakhmir Singh & Sh. Harjit Singh sons of Shri Sukhdev Singh, R/o Kamalawala, Teh. Tohana Distt. Hissat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1622, Sector 36D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 381 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 December, 1980

Form I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th December, 190

Ref. No. CHD/73/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 363, situated at Sector 38A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Basant Lal S/o Shri Kanshi Ram, R/o 3608, Sec. 35D, Chandigarh through General Attorney Sh. Trilok Chand Chopia S/o Shri Sri Niwas Chopra, C/o L.I.C. of India, Kurukshetra.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Chopra W/o Shri Trilok Chand Chopra C'/o L.I.C. of India, Kurukshetra (Haryana)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 363, Sector 38A, Candigarh.

(The Property as mentioned in the sale deed No 458 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana).

Date: 15th December, 1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 15th December, 1980

Ref. No. CHD/42/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 2110, situated at Sector 35C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Major Iqbal Mohan Singh S/o Shri Mohan Singh through his Attorney Shri Makhan Singh S'o Shri Harnam Singh, R/o 2110, Sectot 35C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Ajit Singh & Jatinder Singh, Ss/o Shri Makhan Singh, R/o 2110, Sec. 35C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 2110 Sector 35C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 184 of May, 1980 of the Registering Authority, Chadi garh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15th December, 1980

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Gina Devi W/o Shri Jagmohan Lal & Shri Jagmohan Lal S/o Shri Kishori Lal R/o B-II-378, Koshal Building, Ghass Mandi, Ludhiana.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

(2) Shri Dhanwant Rai S/o Shri Sohan Lal R/o 506/2, Bindraban Road, Syndicate, Ludhiana.

(Transferce)

Ludhiana the 15th December, 1980

Ref. No. LDG/47/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring $492\frac{1}{2}$ sq. yds. situated at New Lajpat Nagar, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

40---446GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 492/1/9 sq. yards at New Lajpt Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1126 of June, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 December, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th January 1981

Ref. No. 843—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Plot of Land situated at Jaipur

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jappur on 5th June 1980

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay wax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimatı Fanindra Bajya Lakshmi, C-6, Civil Lines, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s Rajputan Hotels (P) Ltd., M. I. Road, Jaipur, through Authorised Director Svs. Ghanshyamdas Lohotya, s/o Late Murlidharji Lahoty and Himanshu Sharma, S/o Shri Shyam Prashad Sharma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3740 sq. yds. situated at Guleb Begh, M.I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 1247 dated 5-6-1980.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 6alpur

Date: 15-1-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

Shri Vidhyadhar Khetan S/o Shri Chand Prashad Khetan, 25/1 Roland Road, Calcutta. (Transferor) (2) Shri Bheraw Datt Khetan & Shri Bhawani Shankar Khetan S/o Shri Ghusalal li Plot No. 50. Viyeka-

(1) Shri Mahesh Kumar Sharma through G. P.A. holder

(2) Shri Bheraw Datt Khetan & Shri Bhawani Shanka: Khetan S/o Shri Ghisalal Ji Plot No. 50, Vivekanand Road, Calcutta-7.
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th January 1981

Ref. No./844.—Whereas, I, M. L. Chauhan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 19th May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, Gopalbadi, Ajmer Road, Jajpur and constructed one Room in Northern side & morefully described in the sale deed registered by S. R. Jajpur vide his registration No. 1129 dated 19-5-80.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jappur

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-1-81 Scal :

(1) Shri Narain S/o Dova Jat Niwasi Village Avania Tohsil Sanganer Distt. Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Bhanwar Khan S/o Hasam Khan Kamkhani Musalman niwasi Villago Avania near Bagru Kalan Toh. Sanganer,

GOVERNMENT OF INDIA

(Tansferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 15th January 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. /645.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Teh. Sanganer

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 17th November 1980

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3 Bigha & 3.5 blswa Agri. land situated at Village Avunta near Bigiu Kalan Tehsil Sanganer & morefully described in the sale deed registered by S. R. Sanganer vide his registration No. 717 dated 17-11-80.

M.L. CHAUHAN
Competent Authorty
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jajpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-1-81 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th January 1981

Ref. No. Whereas, I. M. L. CHAUHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Aget. (and situated at Teh. Sanganer (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

transfer with the object of :-

at Sanganer on 17th November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Narain S/o Deva Jat, Niwasi Village Avanja Tehsil Sangaper.

'Transferor)

(2) Shri Kailash Chandra S/o Laduram Aggetwal Niwasi Bagru Kalan Tehsil Sanganer.

(Transfrerec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wirting to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Bigha & 3.5 biswa Agrl.land situated at Village Avanja near Bagru Kalan feh. Sanganer & morefully described in the sale deed registered by S. R. Sanganer vide his registration No. 718 dated 17-11-1980.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range. Jaipur

Date : 151-1-81

Slea :

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-IONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

JAIPUR, the 22nd January 1981

Ref. No. —Whereas, I M. L. CHAUHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. D-75 (House property) situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 20th May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Shri Krishna Kumar Jhunjhunwala S/o Late Shri Vallabhdasji Jhunjhunuwala L. H.

Sharat Kumar Jhunjhunuwala S/o. Kiislra Kimar7, Kenning Street Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri The Hansa Chemical Pharmacy, Naraina (Raj.)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated on Plot No. D-75 (Western Portion), Bani Park, Jaipur and more fully Described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide No. 1159 dated 20th May 1980.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inome Tax
Acquisition Range, Jajpur.

Date: 22-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACF, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IMSPEDSING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

JAIPUR, the 21st January 1981

Ref No -Whereas, I M L Chauhen.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Agr! land situated at Vill Machiva (Junus) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Japua pn 14th May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Madhulika Agarwal, W/o Shri Vishnu Prakash Agarwal, Plot No. 80/10, Civil Lines, Ajmer (Transferor)
- (2) Shri Sayad Zamil S/o Shri Sayyad Hasmat Ali & & Hasmat Ali S/o Sayyad Akbar Ali, Munkundgarh House, Sansarchandra Road, Jaipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land mesasuring 33 bighas and 18 biswas situated in Village Machya, Teh Jappur and more fully described in the sale deed registered by the S R, Jappur vide No 1090 dated 14-5-80

M L CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jappur.

Date 21-1-81 Seal ·

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, JAIPUR

JAIPUR, the 22nd January 1971

Ref. No. -Whereas, I. M. L. Chauhan,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl, Land situated at 6 E. Chhoti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sri Ganganagaron 3rd May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amichand S/o Shri Bhagwanadas Kumar R/o Chak 6 E Chhoti, Sri Ganganagar.

(Transferor)

(2) Sri Ganganagar Sindhi Grah Nirman Sahkeri Samiti Ltd., C/o Shri Ramesh Dhankani, t Advocate & Notary Collectorate, Sri Ganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 bight 4 biswa of agricultural land situated in Chak 6 E Chhoti and more fully described in the sale deed registered by S.R. Ganganagar vide No. 671 ated 3rd May 1980.

M.L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 22-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE LA.C. ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January, 1981

Ref. No.—Whereas I, M. I. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at 6E Chheti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Sri Gangapager en 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Mukh Ram S/o Shri Bhagwandas Kumhar R/o Chak 6 E Chhoti, Sriganganagar.

(Transeferor)

(2) Shri Sri Ganganagar Sindhi Grah Nirman Sahakari Samiti Ltd., C/o Shri Ramesh Dhankani, Advocate & Notary Collectorate, Sri Gangaragar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 bighas 15 biswa of agricultura land situated in Chak 6-Chhoti and more fully described in the sale deed registered by S. R., Sriganganagar vide No. 765 deted 3-5-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41-446 GI/80

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January, 1981

Rof. No, --- Whereas I, M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Agricultural land situated at 6 E Chhcti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sri Ganganagar on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagwana Ram S/o Shri Meti Ram Kumhar, R/o 6 E Chhoti, Sri Ganganagar.

(Transferer)

 Siri Ginginagar Sindhi Grah Nirman Sahakari Samiti Ltd.,
 Prosident Ramesh Dhankani,
 Advocate Notary Collectorate,
 Ganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 bighes of agricultural land situated in Chak 6 E Chhoti and more fully described in the sale deed registered by the SR Ganganagar vide No. 762 dated 3-5-1980

M L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Japan

Date: 22-1-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January, 1981

Ref. No .-- Whereas, I M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricul. land situated at 6 E Chhoti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sri Ganganagar on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Hiralal S/o Shri Bhagwandas Kumhar R/o Chak 6 E Chhoti, Sri Ganganagar.

(Transferor)

(2) Sri Ganganagar Sindhi Grah Nirman Sahakari Samiti Ltd., C/o Shri Ramesh Dhankani, Advocate & Netary Collectorate, Sri Ganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One bigha-biswa of agricultural land situated in Chak 6E Chhoti and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ganganagar vide Bo. 859 dated 3-5-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-1-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITŒON RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1981

Ref. No.—Whereas, I M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agrl. land situated at 6 E Chheti (SGNR)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Met Ram S/o Shri Bhagwandas Kumhar R/o Chak 6 E Chhoti, Sri Ganganagar,

(Transferer)

(2) Sri Ganganagar Sindhi Grah Nirmen Schkeri Semiti Ltd., C/o Shri Ramesh Dhankani Advocate & Notary Collectorate, Sri Ganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 bights-biswa of agol. land situated in Chak 6E Chhoti and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ganganagar vide No. 862 dated 3-5-80,

M. L. CHAUHAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Japur

Date 22-1-1981 Seal:

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jajpur, the 22nd January, 1981

Ref. No.-Whereas, I M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-agd bearing No.

land situated at Bikaner

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bikaner on 15-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Pushpa Devi W/o Mahendra Kumal. Shri Gyanchand, S/o Shri Jaskeran, Kochron Ka Mohalla, Bikaner.

(Transferor)

(2) Shrimati Suraj Devi W/o Dr. G. S. Chi wli, 3-A. Sadul Colony, Bikiner.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold and measuring 743 sq. mtrs., situated on Plet No. 77, Sector A, Sadul Ganj. Bikener and more fully described in the saje deed registered by S. R. Bikener vide No. 601 deted 15-5-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jaipur.

Date; 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January, 1981

Ref. No. .—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agricultural land situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Beawar on 17-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mannely:—

(1) Shri Sualal S/o Kishnaji Icli, R/o Bicharli Telion Mohalla, Beawar.

(Transferor)

(2) Shri Kamal Kumar Jain S/o Shri Om Prakash Jain, Purani Halwai Gali, Beawar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 biswa and 10 biswansi situated on National Highway, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide No. 1687 dated 17-5-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shrimati Bhanwari Devi W/o Sualal Teli, Bichadli Telion Mohalle, Beawer,

(Transferer)

(2) Shrimati Prekesh Kanwer W/o Shri Om Ptakesh Jain, Purani Halwei Geli, Betwer.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, dated 22nd January, 1981

Ref. No.-Whereas, I M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultur land situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Beawar on 17-5-1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 bisws & 10 biswansi at National Highway, Beawar and more fully described in the sale deed registered by the S. R., Beawar, vide No. 1690 dated 17-5-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Reage, Jujett.

Date: 22-1-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jajpur, dated the 22nd Jenuary, 1981

Ref. No.-Whereas, I M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Agricultural land situated at Beawer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Beawar on 17-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shrimati Mamku Devi W/o Kishnaji Teli, Bichadli Teliyon Mohalla, Beawer.

(Fransferer)

- (2) Shri Rajesh Kumar Jain S/o Shri Om Prakesh Jeir, R/o Purani Halwai Gali, Beawar,
 - Shri Sunil Kumar S/o Kunjilal Jain, Khanna Colony, Beawar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Agt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 biswa and 10 bishwansi situated at National Highway, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S. R., Beawar vide No. 1691 dated 17-5-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-1-1981

Scal:

FORM ITNS -- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 of 1951)

MOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, dated 22nd January, 1981

Ref. No. -- Whereas, I M. L. CHAUHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Beawar

(and more fully described in the behealth mnexed hareto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 17-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in two, of any meone urising from the transfer, and for
- (1) tacintating the conceanment of any mooms or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-IAA Act, 1957 (27 of 1957);

(i) Shri Asu alias A aram, S_to Suwalal Teli, R/o Bicharli Teliyon Mohalla, Beawar.

(Transferor)

- (2) Shri Ramaalal S/o Harakchand Bagrecha, R/o Bherun Ka Rasta, Jaipur.
 - 2. Rajkumar S/o Kunjilal 1/0 Ahanna Colom, Beawar,
 - 3. Kantilal 3/o Harak Chand r/o Jaipai

(Fransferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazett; or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 15 biswa and 10 bishwansi situated on National Highway and more fully described in the fisale deed registered by S.R., Beawar vide No. 1622 dated 17-5-80-

M.!. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commis i no. of Inspectax,
Acquisitio Range, Jaiput

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—446 GI/80

Date: 22-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 21st January 1981

Ref. No.—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agril. Land situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 17-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Ramswaroop alias Swrop, S/o Shri Suwalal Teli, R/o Chicharli Telion Mohalla, Beawar.

(Transferor)

(2) Shrimati Kaushlya Devi W/o Kunjilal and Suresh Kumar, S/o Kunjilal, R/o Khanna Colony, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 biswa and 10 biswansi situated on National Highway Beawar and more fully discribed in the sale deed registered by the S.R., Beawar vide No. 1693 dated 17-5-1980.

M.L. CHAUHAN

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur,

Date: 21-1-81

Scal;

 Shri Sualal S/o Krishnaji, Teli, R/o Bicharli Telian Telian Mohalla. Beawar.

(Transferor)

NOTICE NUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash S/o Shri Adramji, R/o Purani Halwai Gali, Beawar and Shri Anoop Kumar S/o Shri Kunjilal Jain, R/o Khanna Colony, Beawar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st January, 1981

Ref. No.-Whereas, I, M.L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. Land situated at Beawar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908), in the Office of the Registering Officer at Beawar on 17-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 biswa & 10 biswansi situated on National Highway, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide No. 1688 dated 17-5-80

M.L. CHAUHAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-1-81

FORM 1.T.N.S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

faipur, the 21st January 1981

Ref. No. Whereas, 1 M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25009/ and bearing

No. Agil. land situated at Beawai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 17-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforement exceeds the apparent consideration therefor by more it in lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or assets obtain a large or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said eact, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the teresult interprity by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following percent, namely:—

 Shri Gajanand S/o Sualal Teli, R/o Bichardli Mohalla, Beawar.

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Kumarı Jam W/o Shri Anoop Kumar Jam, Khanna Colony, Beawar. S. Smt. Premlata W/o Ramanlalji Bagredha, Kuntigaron Kc Bhahru Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPLANATION: -- The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1/7th share of 5 bigha, 8 biswa and 10 biswansi situated on National Highway, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar videx No. 1689 dated 17-5-81,

M.L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dato: 21-1-31

No. 10 ACCUSED AND ALL PROPERTY AND THE STATE OF STREET

FORM ITNS--

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Japur, the 21st Japuary 1981

Ref. No. -- Whereas, I M.L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl, land situated at Beawar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been it in feired under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Beawar on 3-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforeset acceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:—

(1) Shri Tarachand, S/o Hari Ram Agaiwal, R/o Beawar.
(Transferor)

BLAN ITS THE COME A COMMON A PROPERTY BOOKS, THORE A COMMON A

(2) Shri M's Navneet Udhyog, Through Anil Kumar Jain and Smt. Premlata Devi Dani W/o Naraindas Dani R/o Beawar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 bigha 3 biswa situated near krishi Upaj Mani, Beawar and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Beawar vide No. dated 3-5-1980.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-1-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISTION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st January 1981

Ref. No.—Whereas, I M.L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Agrl. and situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 3-5-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparenet consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object af :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he rausferor to pay under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Shri Pratab and Pussa, S/o Mangla Mali, Jagdish Pd. & Kalyanmal S/o Pratab Mali, surajpole Gate, Beawar. (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar S/o Kunjilal Jain, r/o Khanna Colony,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 bighas & 15 biswas agricultural land situated near Krishi Upaj Mandi, Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Beawar bide No. 1132 dated 3-5-1980.

> M.L. CHAUHANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-1-81

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1981

New Delhi, the 7th February 1981

No. F.13/5/80-E.1(B—A competitive examination for recruitment to the Indian Foiest Service will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWI, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAI, BOMBAY, CAI CUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK. DFLHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA). PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on the 26th July, 1981 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated the 7th February 1981.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVF ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, pair 11)

- 2 The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 100 (including 15 vacancies reserved for Scheduled Castes and 7 vacancies for Scheduled Tribes candidates). This number is liable to alteration.
- 3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs 2 00 which should be remitted to the Secretary. Union Public Service Commission, Dholbur House. New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary. Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders, Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded

NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINT- FD FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION 1981 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1981 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by nost or by personal delivery at the counter on or before the 6th April, 1981 (20th April, 1981 in the case of candidates residing in Assam. Mechalaya, Armachal Pradesh, Mizoram Manipur, Nagaland, Trioura, Sikkim Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicohar Islands or Lakshadwern and for candidates residing abroad from a date prior to 6th April, 1981) accommanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalava, Arunachal Pradesh, Mizoram Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, I adakh Division of I&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadween and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalava, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State Andaman and Nicobar Islands or Takshadweep or abroad from a date prior to 6th April, 1981.

NOTF:—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the

particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Me.ghalaya, Ladakh Division of I&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

5. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative ubroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

- 6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November. 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Cevlon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A refund of Rs. 3000 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 8 NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 9 The ouestion paper in General Knowledge as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates Information Manual" at Annexure II

VINAY JHA.

Deputy Secretary.

Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Refore filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

REFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his annication form for the Examination he must send a letter addressed to the Secretary Union Public Service Commission by registered nost giving full instification as to why he desires a change in centre. Such requests will

be considered on merits but requests received after 26th June, 1981, will not be entertained under any circumstances.

The application form and the acknowledgement can l must be completed in the candidate's own handwroing. An application which is meaniplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

Candidates should note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, the fore take special care to fill up the application form correctly.

Candidates should further note that under no circumstances will they be allowed a change in any of the subjects they have indicated in their application form for the

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have aplied for the examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application-
 - (i) CROSSFD Indian Postal Orders or Bank Duaft for the prescribed fee or attested/certified copy of conficate in support of claim for fee temission temission (Sec paras 5 and 6 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. 7cm. approx) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (v) Two self-addressed unstamped envelopes of approximately 11 5×27.5 cms.
 - (vi) Attested/Certified conv of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe. where applicable (See para 4 below).
 - (vil) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).
 - (viii) Attendance sheet form) duly filled. (attached with the application

Note.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT AT ONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED at ITEMS (ii). (iii) AND (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO OUALTEY FOR INTERVIEW FOR THE PERSON. ATTY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER 1981. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN PEADINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW THE CANDIDATISE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE PEOLIBED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL DE CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE PEOLIBED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL DE CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE PEOLIBED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL DE CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE PEOLIBED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL DE CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE PEOLIBED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL DE CANDIDATES WHO FOR FURTHER CONSIDERATION CI AIM FOR FURTHER CONSIDERATION

- 11st, iis of the documents ment on J in thems (t) to (iv) there are given below and in para 6 and those of items (vi) nd (vii) are given in paras 4 and 5:-
 - (1) (a) CROSSFD Indian Postal Orders for the prescribed

Lach Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:---

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accorted. Defeated or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Order which are neither crossed nor made payable to the Secretery. Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in fuvour or Secretary. Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank he accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) Certificate of are -The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Jeaving Certificate or in a certificate recognised by an School leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an atteste leavilled copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affldnvits, birth extracts from Municipal Corporation, service re-cords and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a condidate must send in addition to the afterted/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination ation, showing the date of his birth or his exact age as re-corded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as loid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- —A CANDIDATE WHO HOLDS A COM-PLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFI-CATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTEST-FD/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- -CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORD FD IN THE MATRICILLATION (VICHED SECONDARY EXAMINATION CURTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUPMISSION OF ARE PLICATION WILL BE ACCURTED BY THE COMMISSION AND NO SURGEOUSE TREE COMMISSION AND NOTATION AND NOTE 2:--CANDIDATES COMMISSION AND NO SUBSPOUENT RE. OUEST FOR ITS CHANGE WILL OF CON-SIDERED OR GRANTED.
- CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS NOTE 3 - CANDIDATES

BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTER-ED IN THE RECORDS OF THE COMMIS-SION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 5. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examination body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified, in Rule 5 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

Note.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

- (iv) Photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. aproximately), photograph, one of which should be rasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate: if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India;

 (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976.*

the Constitution (Dadra and Nagar Havell) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes, Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order. 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Orders, 1978*.

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Orders, 1978*

Signature.......
**Designation......

(with seal of Office)

Date......
State/Union Territory*

Place

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning, as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate / Additional Chief Presidency Magistrate / Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concessions under Rule 4 (b)(ii) or 4(b) (iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March. 1971:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

- District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
- Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 4 (b) (iv) or 4(b) (v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certifled copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 4(b)(vi) or 4(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 4(b)(viii) or 4(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Dofence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

Certific	d that	Rank 3	No. —	5	hri		ef
IInit			wa	s disable	d while	in the	Defence
Services	in oper	ations	during	hostilitie	s with	a foreig	zn coun-
try/in a	disturb	ed area	ı* and	was relea	ased as	a result	of such
viildeeib							

Signature——	_	 _	_	
Designation	-	 -	_	
Date	-			

Strike out whichever is not applicable.

(v) A candidate disabled while in the Border Force claiming age concession under Rule 4(b)(x) or 4(b) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General. Border Security Force, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was recasted as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.

Signature————
Designation-
Date

- (vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 4(b) (xii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 4(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area

- in which he may, for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paragraph 5(i), (ii) and (iii) above, and sceking remission of the fec under paragraph 6 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel & Administrative Reforms).
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of this application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh, Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K, S. Roy Road Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.
- 13. Communications regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DFLHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - 3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO

N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS

FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE II

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

The General knowledge paper of your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

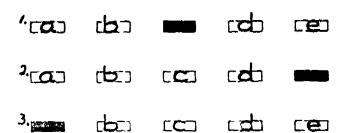
This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, c, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangle on the answer sheet.



It is important that-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

 You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.

- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISTED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard board or a card board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scarp (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet the answer sheet and sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTION)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Ashoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Ashoka.
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Ashokan era.

- 2. In a parliamentary form of Government-
 - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
 - (e) the Executive is responsible to the Judiciary.
- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to—
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class room work.
 - (d) allow choice in the educational programme.

- 4. The nearest planet to the Sun is-
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupiter
 - (d) Mercury
- 5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.